Sharma Hardware
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 238 | गुवाहाटी | शनिवार, 25 मार्च, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राहुल से राजनीतिक बदला ले रही भाजपा : कांग्रेस पेज 3
भारत ने 2014 के बाद टीबी के खिलाफ नई सोच और दृष्टिकोण के साथ काम... पेज 4
कुछ लोग गरीब और पिछड़े के बेटे को देश के सर्वोच्च पद पर नहीं बैठने देखना... पेज 5
राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म करना तानाशाही का एक और उदाहरण... पेज 8

राहुल की लोस सदस्यता समाप्त

राहुल को सच कहने की सजा मिली : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई है। मानहानि मामले में सूरत की एक अदालत द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद राहुल को संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहराया गया। राहुल केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र के सांसद थे। इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि वह भारत की आवाज के लिए लड़ रहे हैं। इसके लिए वह हर कीमत चुकाने को तैयार हैं। लोकसभा सचिवालय की ओर से शुक्रवार को जारी अधिसूचना के मुताबिक संविधान के अनुच्छेद 102 (1) (ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 के तहत राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त की गई है। राहुल को गुजरात के सूरत की अदालत ने गुरुवार को मोदी सरनेम वाले बयान पर दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई। अदालत ने साथ ही साथ राहुल को जमानत भी दे दी। अदालत ने इसके अलावा सजा को 30 दिन के लिए सस्पेंड भी कर दिया। इसके बाद लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता रद्द करने का फैसला किया, जो गुरुवार (23 मार्च 2023) से प्रभावी हो गई। वर्ष 2019 में कोलार (कर्नाटक) में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल ने कहा था कि सारे चोरों के सरनेम मोदी कैसे है? राहुल के इस बयान के बाद सूरत पश्चिम सीट के भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

मैं हर कीमत चुकाने को तैयार हूं...

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द कर दी। सदस्यता जाने के बाद अब राहुल गांधी का रिएक्शन सामने आया है। कांग्रेस नेता ने एक ट्वीट में कहा कि मैं भारत की आवाज के लिए लड़ रहा हूं। मैं हर कीमत चुकाने को तैयार हूं। कांग्रेस ने अयोग्य ठहराने की कार्रवाई को राहुल गांधी को खामोश करने का प्रयास और लोकतंत्र के लिए *काला दिन* करार दिया और कहा कि वह इसके खिलाफ कानूनी -शेष पृष्ठ दो पर

वायनाड चुनाव को लेकर ईसी सक्रिय

नई दिल्ली। दो साल की सजा के एलान के बाद शुक्रवार को लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की सदस्यता को रद्द कर दिया। इसकी अधिसूचना चुनाव आयोग को पहुंचा दी गई। इसके बाद चुनाव -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस का राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता के अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ जनांदोलन शुरू करेगी और इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाएगी। कांग्रेस मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं की हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक के बाद पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र पर विपक्षियों का निशाना

मुंबई। राहुल गांधी को लोकसभा सचिवालय ने शुक्रवार को जोर का झटका दिया है। लोकसभा सचिवालय की तरफ से सात पंक्तियों की एक अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना में बताया गया कि सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत की तरफ से दोषी करार दिए जाने के बाद केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य किया जाता है। बता दें कि यह निर्णय संविधान -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केশরী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

असम-अरुणाचल सीमा मुद्दे के समाधान को लेकर क्षेत्रीय समिति की बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार के जल संसाधन, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका ने दोनों राज्यों (असम-अरुणाचल) के बीच सीमा मुद्दे को हल करने के उद्देश्य से आज (शुक्रवार) गुवाहाटी के खानापारा स्थित असम प्रशासनिक अधिकारी महाविद्यालय में अरुणाचल प्रदेश के मंत्री मामा नाटुंग के साथ गठित क्षेत्रीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। पिछले साल सितंबर में दोनों मंत्रियों के नेतृत्व में दोनों राज्यों की क्षेत्रीय समितियों के सदस्यों ने असम के विश्वनाथ और अरुणाचल प्रदेश के पाके केसांग जिलों के बीच विवादित चार गांवों का दौरा करने के बाद अक्तूबर में गुवाहाटी में एक बैठक की थी। समिति द्वारा तैयार अंतिम रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए आज फिर -शेष पृष्ठ दो पर

असम नागरिक पुरस्कार से 21 हस्तियों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

गुवाहाटी (हि.स.)। श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में शुक्रवार शाम को असम राज्य नागरिक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवा देने वाले कुल 21 विशिष्ट व्यक्तियों को आज असम वैभव, असम सौरभ और असम गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, असम के मुख्य सचिव पवन कुमार बोरठाकुर समेत अन्य सम्मानित अतिथित मौजूद थे। राज्य सरकार इन पुरस्कारों को स्वास्थ्य, कला और संस्कृति, खेल, विज्ञान, कृषि, पर्यटन, उद्योग आदि क्षेत्रों में विशेष योगदान के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना : देश में तीसरे दिन 7927 एक्टिव केस

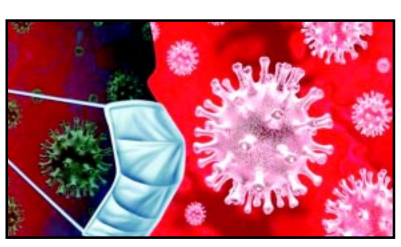

नई दिल्ली। देश में कोरोना एक बार फिर अपना कहर बरपा रहा है। बीते कई दिनों से लगातार कोरोना के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। भारत में पिछले तीन दिनों से लगातार कोरोना संक्रमण के हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, आज भी कोरोना के नए मामले एक हजार से अधिक रिकॉर्ड किए गए हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आज कोरोना के आंकड़े जारी किए। जिसके अनुसार, देश में बीते 24 घंटों में कोरोना के वायरस के 1,249 नए -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में 14 अप्रैल को वंदे भारत एक्सप्रेस को पीएम दिखा सकते हैं हरी झंडी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को गुवाहाटी और न्यू जलपाईगुड़ी को जोड़ने वाली पूर्वोत्तर की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा सकते हैं। इस बात की जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा दी गई है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने इस क्षेत्र में भारत की सबसे तेज दौड़ने वाली ट्रेन के भव्य लॉन्च के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हां, यह सच है कि वंदे भारत एक्सप्रेस जल्द ही पूर्वोत्तर में शुरू की जाएगी। हम 14 अप्रैल को इस विशेष ट्रेन को शुरू करने का लक्ष्य बना रहे हैं, जब प्रधानमंत्री गुवाहाटी का दौरा करेंगे। मोदी 14 अप्रैल को 11,140 नर्तकों और ढोल वादकों द्वारा बिहू प्रदर्शन देखने के लिए गुवाहाटी जाने वाले हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में *सबसे बड़े लोक नृत्य* के रूप में दर्ज किया जाए। अधिकारी के मुताबिक, पीएम मोदी राज्य के अपने दौरे के दौरान नई सेवा को हरी झंडी भी दिखा सकते हैं। एनएफआर, वर्तमान में, पश्चिम बंगाल में केवल हावड़ा और न्यू जलपाईगुड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल, नगालैंड में अफस्पा की अवधि बढ़ी

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड के कुछ हिस्सों में अफस्पा की अवधि 6 महीने के लिए बढ़ा दी गई है। अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी गई है। इससे पहले केंद्र सरकार ने अरुणाचल प्रदेश-नगालैंड के अशांत जिलों में विशेष सशस्त्र बल कानून (अफस्पा) की मियाद पिछले साल सितंबर-अक्तूबर में छह माह के लिए बढ़ा दी थी। इस कानून के तहत गड़बड़ी वाले इलाकों में सुरक्षा बलों को बिना वारंट के जांच, गिरफ्तारी समेत विभिन्न प्रतिबंधात्मक कदम उठाने का अधिकार मिलता है। गृह मंत्रालय ने इन दोनों राज्यों में सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

कर्म सुख भले ही न ला सके, परंतु कर्म के बिना सुख नहीं मिलता।

– डिजरायली

न्यूज गैलरी

कनाडा में खालिस्तानियों ने गांधी की मूर्ति तोड़ी

ओटावा। विदेशों में खालिस्तानियों की भारत विरोधी गतिविधियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब खालिस्तान के समर्थकों ने कनाडा में महात्मा गांधी की मूर्ति को तोड़ दिया और उस पर स्प्रे पेंट से भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लिखे। रिपोर्ट्स के मुताबिक खालिस्तानियों ने भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर कई अपमानजनक बातें भी लिखीं हैं। घटना गुरुवार की बताई जा रही है। महात्मा गांधी की मूर्ति पर -शेष पृष्ठ दो पर

यूएपीए कानून को सुप्रीम कोर्ट ने पलटा

कहा- सरकार को सुने बिना दिया फैसला गलत

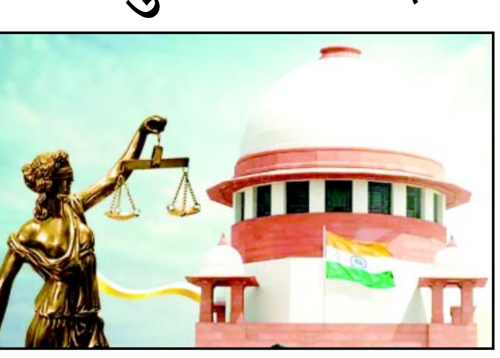

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) कानून के तहत प्रतिबंधित संगठनों की सदस्यता पर अपने ही 12 साल पुराने फैसले को गलत करार दिया। कोर्ट केंद्र और असम सरकार की रिव्यू पिटीशन पर फैसला सुना रहा था। जस्टिस एमआर शाह, सीटी रविकुमार और संजय करोल की बेंच ने 2011 में दिए फैसले को खारिज कर दिया। बेंच ने कहा कि यदि कोई प्रतिबंधित संगठन का सदस्य है तो उसे अपराधी मानते हुए यूएपीए (अनलाफुल एट्रॉसिटीज प्रिवेंशन एक्ट) के तहत कार्रवाई की जा सकती है। यानी उसके खिलाफ भी मुकदमा चलेगा। कोर्ट ने 8 फरवरी को रिव्यू पिटीशन पर सुनवाई शुरू की थी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, सीनियर एडवोकेट संजय पारिख को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस मार्कंडेय काटजू और जस्टिस ज्ञान सुधा की बेंच ने 2011 में अरूप भुइयां बनाम असम सरकार, इंद्र दास बनाम असम सरकार और केरल सरकार बनाम रानीफ केस का फैसला सुनाया था। बेंच ने कहा था कि केवल प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होने से कुछ नहीं होगा। एक व्यक्ति तब तक अपराधी नहीं जब तक कि वह हिंसा का सहारा नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

वाराणसी में होगा देश का पहला रोपवे नेटवर्क : प्रधानमंत्री

वाराणसी। आज यूपी विकास के हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। 25 मार्च को योगी की दूसरी पारी का एक वर्ष पूरा हो रहा है। दो-तीन दिन पहले ही योगी जी ने लगातार सबसे ज्यादा समय तक यूपी के मुख्यमंत्री होने का रिकॉर्ड भी बनाया है। निराशा की पुरानी छवि से बाहर निकलकर यूपी आशा और आकांक्षा की दिशा में बढ़ चला है। सुरक्षा और सुविधा जहां बढ़ती है वहां समृद्धि आना तय है। यही आज उत्तर प्रदेश में होता दिख रहा है। आज यहां जो नए प्रोजेक्ट्स जमीन पर उतरे हैं, वो भी समृद्धि के रास्तों को सशक्त करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वाराणसी में 1,780 करोड़ की 28 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करते हुए बदलते यूपी और बदलते काशी के लिए अपने उद्गार व्यक्त किए। इस अवसर पर पीएम मोदी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चश्मा एवं चेक का वितरण भी किया। बनारसी अंदाज में लोगों को प्रणाम करते हुए पीएम मोदी ने अपने संबोधन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पुरानी पेंशन की मांग के बीच केंद्र ने उठाया बड़ा कदम

सरकारी कर्मचारियों की पेंशन पर कमेटी का होगा गठन

नई दल्लिी। पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारियों द्वारा कई राज्यों में बड़े पैमाने पर विरोध के बीच, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बड़ा ऐलान किया है। शुक्रवार को निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र पेंशन से संबंधित मुद्दों को देखने के लिए एक समिति का गठन करेगी। वित्त विधेयक 2023 को विचार और पारित करने के लिए लोकसभा में पेश करते हुए, सीतारमण ने कहा कि अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे कि सरकारी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं पेंशन के इस मुद्दे को देखने के लिए वित्त सचिव के तहत एक समिति गठित करने का प्रस्ताव करती हूं। सीतारमण ने कहा कि इकसे तहत एक ऐसा तरीका निकाला जाए जिससे आम नागरिकों के संरक्षण के लिए राजकोषीय बुद्धिमत्ता बनाये रखते हुए कर्मचारियों की जरूरत पर ध्यान दिया जाए। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अनेक गैर-भाजपा शासित राज्य सरकारों ने महंगाई भत्ते से जुड़ी पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बदलने का फैसला किया है और कुछ अन्य राज्यों में कर्मचारी संगठन इसकी मांग कर रहे हैं। आपको बता दें कि 2004 से, तत्कालीन प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के अधीन केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना को बंद कर दिया और राष्ट्रीय पेंशन योजना की शुरुआत की। पुरानी व्यवस्था में पेंशन कर्मचारी के अंतिम आहरित वेतन का 50 प्रतिशत होता था और पूरी राशि का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता था। सीतारमण ने कहा कि इस पद्धति को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों, दोनों के अपनाने के लिए तैयार किया जाएगा। एनपीएस परिभाषित अंशदान के आधार पर काम करता है, जहां सरकारी कर्मचारियों को अपने वेतन का 10 प्रतिशत सेवानिवृत्ति निधि में योगदान करना होता है। सरकार पेंशन कॉर्पस के लिए 14 फीसदी तक देती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारों ने केंद्र को पुरानी पेंशन योजना बदलने के अपने फैसले के बारे में सूचित किया है और एनपीएस के तहत जमा निधि में से धन लौटाने का अनुरोध किया है। केंद्र सरकार ने कुछ दिन पहले संसद को सूचित किया था कि वह एक जनवरी, 2004 के बाद भर्ती केंद्र सरकार के कर्मचारियों के संदर्भ में ओपीएस बहाल करने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही।

पंजाब में तेज तूफान ने मचाई तबाही

अबोहर। पंजाब के फाजिल्का-अबोहर इलाके में तेज तूफान आने से भारी तबाही मचने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि गांव मची बकैन वाला में ऐसा चक्रवती तूफान आया कि चंद मिनटों में उसने सब कुछ तहस-नहस कर दिया। तूफान ने मचाई अपनी तबाही के दौरान कई घरों के घर उजाड़ दिए तथा कई घरों की छतें तक उड़ गई। कई लोग मलबे के नीचे दब गए। हालांकि मौके पर स्थानीय लोगों ने मलबे के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला और सरकारी अस्पताल में दाखिल करवाया है। डॉक्टर के मुताबिक अब तक 9 लोग सरकारी अस्पताल में जख्मी हालत में पहुंच चुके हैं जबकि मौके पर पुलिस प्रशासन व सिविल प्रशासन भी पहुंच गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पल भर में आए तूफान ने गांव के कई घरों को तहस-नहस किया है।

ममता बनर्जी से मिले कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी

कोलकाता (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और ओडीशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी से मुलाकात हुई है। शुक्रवार को कुमारस्वामी कोलकाता पहुंचे और कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास पर करीब आधे घंटे तक उनके साथ बैठक की। मुलाकात की तस्वीरें सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से ट्विटर पर डाली गई हैं। जिसमें बताया गया है कि सीएम आवास पर दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जब ममता बनर्जी स्पष्ट कर चुकी हैं कि वह गैर कांग्रेस और गैर भाजपा गठबंधन की कवायद में जुटी हैं। तब कुमारस्वामी से उनकी मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच तीसरे मोर्चे के गठन पर चर्चा हुई। ममता ने कहा है कि क्षेत्रीय पार्टियां अपने-अपने राज्यों में मजबूती से चुनाव लड़ें और राष्ट्रीय दलों को पछाड़ें। कुमारस्वामी ने भी इस पर सहमति जताई है। शुक्रवार शाम विशेष विमान से कोलकाता पहुंचे कुमारस्वामी ने हालांकि मीडिया से कोई बात नहीं की। यहां तक कि मुलाकात के बाद भी दोनों में से किसी नेता ने मीडिया से बात नहीं की। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व ममता ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से कोलकाता में मुलाकात की थी। एक दिन पहले ही ओडीशा जाकर ममता बनर्जी ने नवीन पटनायक से भी भेंट की थी। तृणमूल सूत्रों ने बताया कि ममता बनर्जी जल्द ही देश के दूसरे राज्यों का दौरा करेंगी जहां गैर भाजपा और गैर कांग्रेसी पार्टियों के प्रमुखों से उनकी मुलाकात होनी है। उल्लेखनीय है कि तृणमूल कांग्रेस ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस खुद को विपक्ष का बॉस ना समझे।

ज्योतिकुची में छठ एवं गणगौर घाट का उद्घाटन

गुवाहाटी। असम सरकार की हिंदी भाषी विकास परिषद की पहल पर असम सरकार के सहयोग से वृहत्तर ज्योतिकूची हिंदुस्तानी समिति द्वारा अति सुंदर छठ एवं गणगौर घाट का उद्घाटन आज हिंदी भाषी विकास परिषद के जुगल किशोर पांडे, अखिल भारतीय पारीक महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक श्री भगवान शर्मा,कार्यक्रम संयोजक दिनेश पारीक और नलबाड़ी नगर पालिका के पार्षद निक्की जालान ने फीता काटकर घाट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के राज्य कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, समाजसेवी श्रवण सांगानेरिया, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव चंद्रप्रकाश शर्मा, विप्र फाउंडेशन के सांस्कृतिक सलाहकार संपत मिश्र, मारवाड़ी युवा मंच की पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा, विप्र फाउंडेशन गुवाहाटी महानगर के अध्यक्ष कन्हैया लाल पीपलवा उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक दिनेश पारीक ने बताया कि छठ गणगौर घाट का निर्माण ज्योतिकूची वशिष्ठ नदी के दोनों किनारे पर बनारस के घाट की तर्ज पर किया जा रहा है। यही वशिष्ठ धारा का आगे जाकर वशिष्ठ गंगा की ललिता, संध्या और कांता नाम से संगम होता है। इसी घाट पर गणगौर माता का मंदिर भी निर्माणाधीन है जिस की प्राण प्रतिष्ठा अगले नवरात्र के अवसर पर किया जाएगा। घाट एवं मंदिर निर्माण के साथ ही एक सामुदायिक भवन का निर्माण भी किया जाएगा। इससे पहले सभी अतिथियों ने मिलकर पूजा अर्चना की। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया।

बीटीआर सीड मिशन की लोगो डिजाइनिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ

कोकराझाड़ (हि.स.)। बोडोलैंड टेरिटोरिल काउंसिल (बीटीसी) के कार्यकारी पार्षद विल्सन हासदा ने आज (शुक्रवार) कौशल, रोजगार और उद्यमिता विभाग (सीड), बीटीसी के तहत बीटीआर सीड मिशन के लिए लोगो डिजाइनिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। सर्वश्रेष्ठ विजेता को 50 हजार रुपये के पुरस्कार के साथ ही दो सांत्वना पुरस्कार के रूप में 5 हजार रुपये दियें जाएंगे। यह प्रतियोगिता स्मार्ट बीटीआर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित की जा रही है। सीड मिशन के तहत बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता में बोडो का मानना है कि बीटीआर के सर्वांगीण विकास के लिए लोगों की भागीदारी अनिवार्य है। प्रतियोगिता छुपी हुई प्रतिभाओं को बाहर निकालने का अवसर प्रदान करेगी। आज के इस कार्यक्रम में बीटीसी के कार्यकारी पार्षद रेवरेवा नार्जारी, बीटीसी के कार्यकारी पार्षद अरूप कुमार दे, सीड के सीएचडी प्राणजीत दास, बीटीआर फेलो मिशन के बानरीलांग एस. खारसाती, स्मार्ट बीटीआर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक बिश्वजीत कुमार शर्मा और सीईओ अमरदीप हसदा उपस्थित थे।

No.DJ.XII-7/2018/...E

CORRIGENDUM

{IN RESPECT OF RECRUITMENT FOR THE POST OF 3 (THREE) NOS. OF PEON (GRADE-IV) IN THE ESTABLISHMENT OF THE DISTRICT & SESSIONS JUDGE, DHUBRI}

In continuation of the Advertisement, Dated 03.03.2023 communicated vide Memo No DJ.XII-7/2018/1112-17/E, Dated, Dhubri the 3rd March, 2023, for the post of 3(three) nos. of PEON (Grade-IV) under the establishment of the District & Sessions Judge, Dhubri, all the candidates are hereby informed that the appointment to the aforesaid posts of PEON (Grade-IV) is, subject to, the outcome of the Writ Petition No.W.P.(C) 745/2023.

Mere selection to the post of Peon (Grade-IV) does not, ipso facto, gives right to the candidate for the appointment. The authority reserves the right to fill-up or not to fill-up aforesaid posts, in view of the direction given by the Hon'ble Gauhati High Court in the aforesaid Writ Petition.

Other terms and conditions will remain the same as notified in the earlier advertisement.

For further updates, kindly visit the official website of Dhubri District Judiciary, Dhubri regularly, i.e. (https://dhubrijudiciary.gov.in/recruitment-notice.htm)

-- Janasanyog /D/24106/ 22

District & Sessions Judge
Dhubri

पृष्ठ एक का शेष

राहुल की लोस ...

विधायक पूर्णेश मोदी ने मानहानि का केस कर दिया था। उन्होंने कहा था कि राहुल ने पूरे मोदी समुदाय का अपमान किया है। कांग्रेस ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त किए जाने का विरोध किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि हम कानूनी और राजनीतिक दोनों तरह से इस लड़ाई को लड़ेंगे। कांग्रेस डरने या चुप रहने वाली नहीं है। रमेश ने कहा कि अडाणी प्रकरण में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के बजाय राहुल गांधी को अयोग्य करार दिया गया है। यह गलत है। कांग्रेस कानूनी और राजनीतिक लड़ाई जारी रखेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने आरोप लगाया कि सच की आवाज बुलंद करने के जुर्म में मोदी सरकार ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त करवा दी है। सिंघवी ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि राहुल को सच बोलने की सजा दी गई है। यह कानून से अधिक सियासी मामला है। उन्होंने कहा कि जानबूझकर यह सरकार हर लोकतांत्रिक संस्थाओं को खत्म कर रही है। यह सरकार बोलने की आजादी धीरे-धीरे छीन रही है। राहुल जनहित में मुखर होकर विचार व्यक्त करते रहे हैं। ये बातें सरकार को चुभती थीं। राहुल ने जीएसटी, चीन, नोटबंदी, अडाणी सहित हर मुद्दे पर मुखर होकर आवाज उठाई है। उन्होंने संसद से सड़क तक जनता के मुद्दों को उठाया।

मैं हर कीमत...

और राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि यह कार्रवाई कानून के मुताबिक हुई है। केरल की वायनाड संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत द्वारा वर्ष 2019 के मानहानि के एक मामले में सजा सुनाये जाने के मद्देनजर शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया गया। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उनकी अयोग्यता संबंधी आदेश 23 मार्च से प्रभावी होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि उन्हें (राहुल गांधी) संविधान के अनुच्छेद 102 (1) और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 के तहत अयोग्य घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि सूरत की एक अदालत ने *मोदी उपनाम* संबंधी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि के एक मामले में उन्हें गुरुवार को दोषी ठहराया तथा दो साल के कारावास की सजा सुनाई।

वायनाड चुनाव को ...

आयोग वायनाड सीट पर उपचुनाव कराने पर विचार करेगा। संसद सदस्यता रद्द होने के बाद कहा जा रहा है कि वायनाड सीट पर अगले महीने उपचुनाव का एलान हो सकता है। राहुल गांधी केरल के वायनाड से लोकसभा सांसद थे। अब वो यहां के पूर्व सांसद हो गए हैं। दरअसल, छह महीने से अधिक समय होने की स्थिति में खाली सीट पर उपचुनाव कराना होता है। गुरुवार को सूरत कोर्ट ने *मोदी सरनेम* मामले में राहुल गांधी को दोषी करार देते हुए 2 साल की सजा सुनाई थी। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 102 (1) और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8(3) के तहत राहुल गांधी को अयोग्य घोषित किया गया है। अयोग्य ठहराए जाने पर सांसद को संसद सदस्यता छोड़नी पड़ती है। नियम के मुताबिक, दो साल की सजा मिलने के बाद उसी दिन (23 मार्च 2023) से राहुल गांधी को अयोग्य ठहरा दिया गया। इसके बाद वह छह साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएगे। हालांकि, राहुल गांधी के पास कोर्ट जाने के लिए 30 दिन का वक्त मिला हुआ है। वह इस फैसले को हाईकोर्ट और फिर इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं।

कांग्रेस का राष्ट्रव्यापी ...

राजनीतिक कदम क्या होना चाहिए, इस बारे में (बैठक में) बात हुई। हम यह मुद्दा देशभर में लेकर जायेंगे कि राहुल जी को जानबूझकर अयोग्य ठहरवाया गया है। उन्होंने कहा कि जरा घटनाक्रम समझिये... सात फरवरी को राहुल जी का लोकसभा में भाषण होता है। मानहानि का मामला दायर करने वाले व्यक्ति ने अपनी शिकायत पर स्थगन की अर्जी गुजरात उच्च न्यायालय से 16 फरवरी को वापस ले ली। उन्होंने कहा कि 27 फरवरी से सुनवाई शुरू होती है और 23 मार्च को फैसला आ आ जाता है। रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री गतिशक्ति की बात करते हैं, यह तो अतिगतिशक्ति है। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे को एक जनांदोलन के रूप में आगे ले जाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई का विरोध करने वाले विपक्षी दलों के रुख का स्वागत करती है और आगे उनसे संपर्क में भी रहेगी। केरल की वायनाड संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत द्वारा 2019 के मानहानि के एक मामले में सजा सुनाए जाने के मद्देनजर शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य ठहरा दिया गया। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उनकी अयोग्यता से संबंधित आदेश 23 मार्च से प्रभावी होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि उन्हें (राहुल गांधी) संविधान के अनुच्छेद 102(1) और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-आठ के तहत अयोग्य घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि सूरत की एक अदालत ने *मोदी उपनाम* संबंधी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि के एक मामले में उन्हें गुरुवार को दोषी ठहराया तथा दो साल कारावास की सजा सुनाई थी।

केंद्र पर विपक्षियों का ...

के अनुच्छेद 102 (1) (ई) के प्रावधानों और जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा आठ के तहत लिया गया है। राहुल की लोकसभा सदस्यता रद की जाने के बाद कई विपक्षी नेताओं की टिप्पणी सामने आई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने संसद सदस्य के रूप में राहुल गांधी की अयोग्यता की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ की गई यह कार्रवाई *लोकतंत्र की हत्या* है। ठाकरे ने आगे कहा कि *चोर को चोर कहना* इस देश में अपराध बन गया है और कहा कि यह *तानाशाही के अंत की शुरुआत* है। वहीं, शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कार्रवाई को *प्रतिशोधी और शर्मनाक* बताया है। उन्होंने ट्वीट किया कि यह अयोग्यता एक बार फिर साबित करती है कि हम पिंजरे में बंद लोकतंत्र के दौर में जी रहे हैं। बता दें कि गुजरात की एक निचली अदालत द्वारा मोदी उपनाम के बारे में उनकी टिप्पणी पर मानहानि का दोषी पाए जाने के बाद गांधी ने अपनी लोकसभा सीट गंवा दी है। पूरे देश में डर का माहौल बना रखा है। अब राहुल गांधी की सदस्यता खत्म कर दी। भारत में सबसे कम पढ़ा लिखा और सबसे भ्रष्ट प्रधानमंत्री कोई हुआ है तो वह यही हैं। सुबह से शाम तक उनके दिमाग में यही चलता रहता है कि आज इसे या उसे जेल भेजो।

असम-अरुणाचल सीमा...

से बैठक हुई। पिछले साल नामसाई में दोनों राज्यों के बीच हुई मुख्यमंत्री स्तर की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, सीमा विवाद को हल करने के लिए गठित क्षेत्रीय समिति ने विवादित बालिस, दिपिक, पासो और दिकलमुख गांवों के दौरे के दौरान स्थानीय लोगों के साथ हुई बातचीत और उनकी इच्छाओं और अनिच्छा पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया है। दोनों राज्यों के दोनों मंत्रियों और समिति के अन्य सदस्यों ने क्षेत्र में सीमा विवाद को हल करने के लिए रिपोर्ट को स्वीकार किया और उसे अंतिम रूप दिया। वहीं, मंत्री हजारिका ने बैठक में कहा कि समिति ने नामसाई समझौते के अनुसार क्षेत्रीय समिति को सौंपे गए सीमा मुद्दे को हल करने में सफलता हासिल की है। उल्लेखनीय है कि आज जिस रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया, उसे बालीसो, दिपिक, दिकलमुख और पासो गांवों के स्थानीय निवासियों के विचारों और मंत्री स्तरीय, शासन स्तरीय जांच की रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया गया है। दोनों पक्षों के सदस्य इस संबंध में पूरी तरह से सहमत थे। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व सरमा और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दोनों राज्यों के बीच सीमा मुद्दे को हल करने के लिए पिछले साल नामसाई में मुख्यमंत्री स्तर की बैठक की थी।

असम नागरिक पुरस्कार ...

प्रदान करती है। इस मौके पर पूर्वोत्तर में कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए डॉ तपन सैकिया को असम वैभव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राज्य सरकार ने कृष्णा रॉय, गिल्बर्टसन संगमा, डॉ शशिधर फुकन, नयनमणि सैकिया, बिनॉय कुमार सैकिया को असम सौरव पुरस्कार और श्मशान बंधु (मित्र) धृतिमाला डेका, डॉ देबजीत बर्मन, रुस्तम बसुमतारी, मंजेला, बिनंद हतीबरुवा, अतुल चंद्र बरुवा, कल्याणी राजबंशी, शीला ग्वाला, डॉ योगेश देउरी, पंकजलाल गोगोई, सर्वेश्वर बसुमतारी, मानथांग मार, डॉ ध्रुबज्योति शर्मा, दयाल गोस्वामी और सैयद इफ्तिकार अहमद को असम गौरव पुरस्कार प्रदान किया गया। इन पुरस्कार पाने वालों को राज्य सरकार की ओर से विभिन्न प्रकार की सुविधाएं मिलती हैं, जिसमें सरकारी चिकित्सालय में निःशुल्क चिकित्सा और उपलब्धता के अनुसार पेंइंग केबिन में रहने की सुविधा। राज्य सरकार के आवर्त भन, अतिथिशाला और असम भवन में निःशुल्क रहने की सुविधा। विशिष्ट अतिथ के तौर पर सरकारी कार्यक्रमों में नियमित आमंत्रण। गंभीर रोग के इलाज के लिए 2 लाख रुपए तक की चिकित्सा खर्च की सुविधा। प्रस्तावित यात्रा के 24 घंटे पूर्व अवगत कराने पर असम राज्य परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क भ्रमण की सुविधा शामिल हैं।

कोरोना : देश में ...

मामले सामने आए हैं। वहीं कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 7 हजार 927 हो गई है। तो वहीं कोरोना वायरस से कर्नाटक और गुजरात में एक-एक मौत हुई। जिसके मुताबिक देश में अब तक कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5 लाथ 30 हजार 818 हो गई है। यह आंकड़े सुबह 8 बजे अपडेट किए गए हैं। देश में लगातार बढ़ते कोरोना के मामलों के साथ कोविड के कुल मामले 4.47 करोड़ (4,47,00,667) दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोविड के सक्रिय मामलों में अब कुल संक्रमणों का 0.02 प्रतिशत शामिल है, जबकि राष्ट्रीय कोविड-19 रिकवरी दर 98.79 प्रतिशत दर्ज की गई है। भारत में पिछले 24 घंटों में 1 लाख 05 हजार 316 कोविड टेस्ट के साथ अब तक कोविड का पता लगाने के लिए 92.07 करोड़ कोविड टेस्ट किए जा चुके हैं। हालांकि कोरोनावायरस बीमारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 4 करोड़ 41 लाख 61 हजार 922 हो गई, जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड टीके की 220.65 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। बता दें कि कल भी कोविड के हजार से अधिक मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कल भारत में संक्रमण के 1,300 नए मामले सामने आए थे। जिसके बाद संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,99,418 हो गई थी। वहीं, कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 7,605 पर पहुंच गई थी।

पूर्वोत्तर में 14 अप्रैल...

के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस चलाते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 6 मार्च को कहा था कि प्रतिष्ठित वंदे भारत एक्सप्रेस दिसंबर, 2024 तक सिक्किम के रंगपो पहुंच जाएगी। आपको बता दें, वंदे भारत एक्सप्रेस की अधिकतम व्यावसायिक गति 160 किमी प्रति घंटा है। परीक्षण के दौरान गति 180 किमी प्रति घंटा से अधिक हो गई। चूंकि अधिकांश भारतीय ट्रैक ऐसी उच्च गति का समर्थन करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए ट्रेन को अधिकतम 130 किमी प्रति घंटे की गति से संचालित किया जाता है। एनएफआर के एक अधिकारी ने कहा कि नई गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी ट्रेन अधिकतम 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेगी। अधिकारी ने कहा कि ट्रेन द्वारा ली गई गति रोलिंग स्टॉक क्षमता पर निर्भर करती है, जो वंदे भारत एक्सप्रेस और ट्रैक क्षमता में बहुत अधिक है। विशेष रूप से, राजधानी एक्सप्रेस और शताब्दी एक्सप्रेस भी, उत्तर पूर्व में 110 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलती हैं। 17 मार्च को जारी एक पत्र में, एनएफआर के प्रिंसिपल चीफ मैकेनिकल इंजीनियर ज्योतिंद्र डिगी ने वंदे भारत एक्सप्रेस को सुचारू रूप से चलाने के लिए संबंधित विभागों से विभिन्न संबद्ध सेवाओं को तैयार करने को कहा था।

अरुणाचल, नगालैंड में ...

के हालातों की समीक्षा के बाद अफस्पा की अवधि बढ़ाने का फैसला किया। इस बीच केंद्र ने ऐसे गैर-सरकारी संगठनों के एफसीआरए पंजीकरण की वैधता शुक्रवार को बढ़ा दी, जिनके नवीनीकरण के आवेदन लंबित हैं। फिलहाल इसे 30 सितंबर तक के लिए बढ़ा दिया गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) के मुताबिक, उन एफसीआरए संस्थाओं के पंजीकरण की वैधता, जिनकी वैधता 31 मार्च 2023 तक बढ़ा दी गई थी और जिनका नवीनीकरण आवेदन अभी लंबित है, 30 सितंबर 2023 या नवीनीकरण आवेदन के निपटान की तिथि, जो भी पहले हो, तक मान्य रहेगी। इसने यह भी कहा कि उन संस्थाओं की वैधता जो विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत थीं और जिनकी पांच साल की वैधता अवधि 1 अप्रैल 2023 से 30 सितंबर 2023 के दौरान समाप्त हो रही है, लेकिन उन्होंने इसके लिए आवेदन किया है, समाप्ति से पहले नवीनीकरण के लिए आवेदन करेंगे। पांच साल की वैधता अवधि 30 सितंबर, 2023 तक या नवीनीकरण आवेदन के निपटान तक, जो भी पहले हो, तक विस्तारित रहेगी।

कहा- सरकार को ...

लेता है या लोगों को हिंसा के लिए उकसाता नहीं है, या हिंसा के लिए उकसाकर सार्वजनिक अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश करता है। जस्टिस दीपक मिश्रा और जस्टिस एएम सप्रे की बेंच ने 2014 में इस मामले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया था। तब केंद्र सरकार ने अपील दायर करते हुए कहा था कि सरकार का पक्ष सुने बिना केंद्रीय कानूनों की व्याख्या की गई। अल्फा का सदस्य होने के आरोपी अरूप भुईयां ने टाडा के तहत दायर जमानत अर्जी पर फैसला दिया था। 3 फरवरी 2011 को एससी ने अरूप भुइयां को बरी कर दिया था। जिसे टाडा अदालत ने उसके इकबालिया बयान के आधार पर दोषी ठहराया था। इससे पहले केरल सरकार बनाम रानीफ (2011) केस में यूएपीए के तहत जमानत अर्जी पर फैसला करते हुए उसी बेंच ने यही विचार रखा था। इंद्र दास के मामले में भी इसी बेंच ने यही विचार रखे थे।

वाराणसी में होगा ...

की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आज यहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे का शिलान्यास किया गया है। बनारस के चौतरफा विकास के लिए सैकड़ों करोड़ रुपए के दूसरे प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण व शिलान्यास हुआ है। इसमें पीने का पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, गंगा की साफ सफाई, बाढ़ नियंत्रण, पुलिस सुविधा, खेल सुविधा जैसे अनेक प्रोजेक्ट शामिल हैं। आज यहां बीएचयू में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन मशीन टूल्स डिजाइन का शिलान्यास भी हुआ है। यानी बनारस को एक और विश्वस्तरीय संस्थान मिलने जा रहा है। काशी के विकास की चर्चा आज पूरे देश और दुनिया में हो रही है। जो भी काशी आ रहा है वो यहां से नई ऊर्जा लेकर जा रहा है। 8-9 वर्ष पहले जब काशी के लोगों ने अपने शहर के कायाकल्प का संकल्प लिया था तब कई लोगों को लगता था कि बनारस में कुछ बदलाव नहीं हो पाएगा। काशी के लोगों ने आज अपनी मेहनत से हर आशंका को गलत साबित कर दिया है। उन्होंने काशी की दुनिया भर में हो रही चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि मुझे देश-विदेश में मिलने वाले लोग बताते हैं कि वो किस तरह विश्वनाथ धाम के पुनःर्निमाण से मंत्रमुग्ध हैं। हाल ही में जब दुनिया का सबसे लंबा रिवरक्रूज हमारी काशी से चला तो उसकी भी बहुत चर्चा हुई। आपके इन्हीं प्रयासों की वजह से एक साल के भीतर 7 करोड़ से अधिक पर्यटक काशी आए। ये जो लोग यहां आ रहे हैं वो बनारस में ही तो ठहर रहे हैं, वो कभी पूड़ी कचौड़ी खा रहे हैं, कभी जलेबी, लौंगलता का आनंद ले रहे हैं। वो कभी ठंडाई का मजा ले रहे हैं तो कभी लस्सी का रसपान कर रहे हैं।

कनाडा में खालिस्तानियों ...

खालिस्तानियों ने अपना झंडा भी लगाया। इस 6 फीट ऊंची मूर्ति को साल 2012 में भारत की सरकार ने तोहफे के रूप में कनाडा को दिया था। जिसे वहां के ओंटारियो प्रांत के हेमिल्टन शहर के सिटी हॉल में लगाया गया था। गुरुवार को महात्मा गांधी की मूर्ति तोड़ने का मामला तब सामने आया है जब कनाडा की सरकार खालिस्तानियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने का आश्वासन दे चुकी है। दरअसल, कनाडा के शहर ओटावा में गुरुवार को खालिस्तानियों ने एक प्रदर्शन किया था। इसमें प्रदर्शनकारियों ने एक भारतीय पत्रकार के साथ अभद्रता भी की थी। खालिस्तानियों के प्रदर्शन के चलते भारतीय राजदूत को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में होने वाले प्रोग्राम में जाने का प्लान कैंसिल करना पड़ा था। जिसके बाद कनाडा के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर आश्वासन दिया था कि वो खालिस्तानियों के उपद्रव के खिलाफ सख्त एक्शन लेंगे।

स्वर्वेद भाष्य

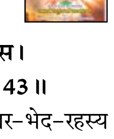

चतुर्थ मंडल **नवम अध्याय**

(संत)

सद्गुरु ऋषि आश्रमन में, सन्त अनेक निवास।
शिक्षा दिक्षा पाय जन, अन्त पृथक कर वास॥ 43॥

शब्दार्थ : (शिक्षा) आचरम, व्यवहार (दिक्षा) सद्गुरु-अंतर-भेद-रहस्य (अंत) समीप (पृथक) अलग (वास) निवास।

भाष्य : सद्गुरुओं के ऋषि-आश्रमों में अनेक संत निवास करते हैं। कोई शिक्षा-दीक्षा पाकर वहां निवास करते हैं, कोई बाहर अंयत्र जाकर भजन-अभ्यास करते हैं। ऋषि-आश्रम सब संतों के ब्रह्मविद्या तत्वज्ञान तथा आभ्यंतर-भेद-साधन-रहस्य जानने का मुख्य केंद्र होता है।

भूमण्डल संसार में, सद्गुरु का बहु धाम।
ब्रह्मविद्या परचार सो, अन्तर गति सत्यनाम॥ 44॥

शब्दार्थ : (भूमण्डल) पृथ्वी-मण्डल (धाम) आश्रम (अन्तर गति) आभ्यन्तर-भेद-गमन-साधन (सत्यनाम) परमप्रभु, सारशब्द।

भाष्य : भूमंडल में ब्रह्मविद्या प्रचार के लिए सद्गुरु के अनेक आश्रय होते हैं, जहां पर सत्यनाम, सत्पुरुष-प्राप्ति के लिए अंतर-साधन-भेद योगमार्ग का उपदेश मितला है।

सीएम ने असम रायफल्स के स्थापना दिवस पर दीं शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा ने शुक्रवार को असम राइफल्स के 188वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि असम राइफल्स, नार्थईस्ट सेंटिनल्स ने हमारे राष्ट्र की सुरक्षा बनाए रखने में अपार योगदान दिया है। भारत की सबसे पुराने अर्धसैनिक बल के सभी रैंकों और उनके परिवारों को 188वें स्थापना दिवस पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि असम राइफल्स भारत का सबसे पुराना अर्धसैनिक बल है। इसकी शुरुआत यह ब्रिटिश शासन में वर्ष 1835 में हुई थी।

ऊपरी असम में विस और लोस क्षेत्र के पुनर्निर्धारण के विरोध में प्रदर्शन

शिवसागर (हि.स.)। असम में विधानसभा और लोकसभा चुनाव क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण में उपरी असम में विधानसभा क्षेत्रों को कम करने के विरोध में ऊपरी असम निर्वाचन क्षेत्र सुरक्षा संयोजक समिति ने विरोध प्रदर्शन किया। शुक्रवार को ऊपरी असम के खिलंजिया (स्थानीय) के राजनीतिक अधिकार को कम करने का आरोप लगाते हुए समिति के लोगों ने जिला उपायुक्त कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। ऊपरी असम के तीन निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण करने के कदम के खिलाफ कई जातीय संगठनों, राजनीतिक दलों और जागरूक व्यक्तियों ने इस प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि निर्वाचन क्षेत्र पुनर्निर्धारण के नाम पर षडयंत्र चल रहा है। उन्होंने कहा कि खिलंजिया के राजनीतिक भविष्य को खतरे में डालने वाली कार्रवाई का कड़ा विरोध किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ऊपरी असम के खुमटाई, आमगुड़ी और लाहौल की खिलोंजिया बहुल विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों को पुनर्निर्धारित कर राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कम कर असमिया राजनीतिक स्थिति को नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका पुरजोर तरीके से विरोध किया जाएगा।

राहुल से राजनीतिक बदला ले रही भाजपा : कांग्रेस

गुवाहाटी (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी नेता राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता रद्द करने के मामले में प्रतिक्रिया देते हुए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा कि गुजरात की एक निचली कोर्ट ने एक मानहानि केस में राहुल गांधी को सजा सुनाई है। इसके फैसले के विरुद्ध हाई कोर्ट में आवेदन करने के लिए 30 दिन का समय है, ऐसे में एक दिन के बाद ही हड़बड़ी में राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता रद्द कर भाजपा ने असहनशीलता का जो परिचय दिया है, उसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष बोरा ने कहाकि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रिय पूंजीपति अडानी की व्यापारिक अनियमितताओं की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे हैं। इसके लिए सदन के अंदर और बाहर आवाज उठाने और स्टेट बैंक व एलआईसी आदि को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए भाजपा की आलोचना करने के लिए राहुल गांधी से राजनीतिक रूप से बदलना लेने के लिए भाजपा ने यह कदम उठाया है। बोरा ने राहुल गांधी को कानूनी लड़ाई की प्रक्रिया शुरू करने का मौका दिए बिना इस तरह का शर्मनाक निर्णय को लेने के लिए भाजपा को घेरा। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा और प्रधानमंत्री के बयानों को भी हवाला दिया। बोरा ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के समर्थन में 28 छोटे-बड़े राजनीतिक दल सड़कों पर उतरे, इससे भाजपा चिंतित थी। इसीलिए भाजपा राहुल गांधी को रोकने के लिए नई साजिश रच रही है, क्योंकि भाजपा जानती है कि देश के वैकल्पिक नेता राहुल गांधी हैं। इसलिए राहुल गांधी को कानूनी बदले की भावना से उनकी लोकसभा की सदस्यता रद्द की गई है ताकि वह संसद में भाजपा से सवाल न कर सकें। बोरा ने कहा कि हम राहुल की उस लड़ाई को जन-जन तक पहुंचाएंगे और देश के संविधान के खिलाफ निरंकुश सत्तारूढ़ भाजपा पार्टी को देश की सत्ता से बेदखल करने के लिए एक व्यापक जन आंदोलन खड़ा करेंगे।

रिश्वत लेते लाट मंडल रंगे हाथ गिरफ्तार

बरपेटा (हि.स.)। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार-विरोधी निदेशालय ने शुक्रवार को बरपेटा जिले के सरुपेटा राजस्व मंडल कार्यालय के लाट मंडल (लेखपाल) नब कुमार चौधरी को तीन हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि लाट मंडल शिकायतकर्ता से उसकी जमीन के बंटवारे की प्रक्रिया के लिए रिश्वत ली थी। बताया गया कि शिकायत मिलने के बाद सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम ने जाल बिछाया था। टीम ने बरपेटा जिले के भवानीपुर चाराली में लाट मंडल नब कुमार चौधरी को शिकायतकर्ता से रिश्वत के रूप में तीन हजार रुपये लेते हुए एक रेस्तरां में रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम ने लाट मंडल से रिश्वत का रुपये बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में एसीबी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है।

नगर निगम के टैक्स बढ़े : ग्वालपाड़ा जिला कांग्रेस ने राज्यपाल को सौंपा स्मारक पत्र

नगरबेड़ा (निसं)। ग्वालपाड़ा जिला कांग्रेस ने कल एक स्मारक पत्र में प्रस्ताव दिया कि असम सरकार को असम के नगर निगम और नगर पालिकाओं के तहत गृह कर के जैसे अन्य करों में अभूतपूर्व दर से वृद्धि हो गया है। ग्वालपाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी ने आरोप लगाया है कि नगर निगम करों में वृद्धि से पहले संभागीय अधिकारियों को हर नगर निगम और नगर पालिका में स्थानीय जनसुनवाई और जन आपत्तियां लेने की जरूरत है। ग्वालपाड़ा जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिगंत कुमार मेधी ने कहा कि सरकार के विशिष्ट विभाग ने जन सुनवाई या जन शिकायतों पर कोई कार्रवाई किए बिना नगरपालिका करों में वृद्धि का प्रस्ताव लिया है। इससे आम आदमी का दैनिक जीवन और कठिन हो जाएगा। उन्होंने स्मारक में कहा कि ऐसे समय में जब महंगाई, बेरोजगारी राज्य के आम लोगों के जीवन में संकट को कम करने की बजाय इस तरह से नगरपालिका करों को बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार की असंवेदनशीलता का संकेत है। ज्ञापन के माध्यम से असम सरकार ने नगरपालिका करों के संबंध में 10 मार्च, 2023 को जारी अधिसूचना और समग्र रूप से नगरपालिका कर बढ़ाने के प्रस्ताव, असम नगरपालिका अधिनियम (1956) का सम्मान करते हुए, नए कर को निर्धारित करने से पहले, संबंधित नगर निगमों और नगर पालिकाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा संचालित किया जाना चाहिए बोलके मांग किया है। ग्वालपाड़ा जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिगंत कुमार मेधी, युवा कांग्रेस नेता हुसैन अहमद मादानी, ग्वालपाड़ा जिला कांग्रेस के आरटीआई सेल के अध्यक्ष हाविल खान, ग्वालपाड़ा जिला कांग्रेस मीडिया सेल के अध्यक्ष जब्बार अली भी मौजूद थे।

सिलचर में अवैध तंबाकू बिक्री के खिलाफ चला अभियान

कछार (हि.स.)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन के तंबाकू सेल ने जिला मुख्यालय शहर सिलचर में अवैध तंबाकू की बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया। सहायक आयुक्त (स्वास्थ्य) जोनाली देवी ने शुक्रवार को यह अभियान चलाया। अभियान में शाखा अधिकारी डॉ. इब्राहिम अली अहमद, डीटीओ, एनटीईपी, डॉ. गुलबहार राज डीएमई, एनएचएम, मौसमी भौमिक, एफएलसी और गुनगुर, रंगीरखाड़ी और तारापुर पुलिस स्टेशनों के पुलिस अधिकारियों शामिल थे। कोटपा की धारा 4,5,6 और 7 एक्ट के तहत जुर्माने के तौर पर 19,900 रुपये वसूले गए। डॉ. इब्राहिम अली ने कोटपा अधिनियम 2003 के संबंध में बताया कि किसी भी सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान न करें। इसके लिए जुर्माना- 200 रुपये तक है। वहीं 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को कोई भी तंबाकू उत्पाद नहीं बेचा जा सकता है। इसके लिए जुर्माना 200 रुपये है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 मीटर के दायरे में कोई तंबाकू उत्पाद नहीं बेचा जा सकता है। इसके लिए जुर्माना- 200 रुपये। निर्धारित चेतावनी संकेतों (चित्रमय और लिखित दोनों) के बिना किसी भी प्रकार का तंबाकू बेचने पर 1,000 से 10,000 रुपये तक का जुर्माना या 1 वर्ष से 5 वर्ष तक कारावास या दोनों का दंड हो सकता है। तंबाकू उत्पादों के लिए कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विज्ञापन सामग्री प्रदर्शित नहीं की जा सकती। इसके लिए 1 हजार से 5 हजार रुपए तक जुर्माना या 2 साल से 5 साल तक की कैद या दोनों हो सकता है।

रंगिया : पीजीडीवाईएसटी छात्रों की इंटर्नशिप सफलतापूर्वक संपन्न

रंगिया। कुमार भास्करवर्मा संस्कृत एवं पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय, नलबाड़ी के पीजीडीवाईएसटी छात्रों की इंटर्नशिप आज सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। रंगिया के अग्रणी स्वस्ति अस्पताल प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में जाने माने प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. हितेंद्र कलिता, योग चिकित्सक योगाचार्य ज्योतिष कलिता, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. चंदन बर्मन और विश्वविद्यालय योग प्रशिक्षक उत्पल दत्त ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में अपना बहुमूल्य भाषण दिया तथा इस मौके पर छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम की मेजबानी योग प्रशिक्षक हिमाश्री कलिता और प्रियंका दास ने की। कार्यक्रम में स्वस्ति अस्पताल में इंटर्नशिप के दौरान छात्रों ने मरीजों के साथ हुए अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में स्वस्ति अस्पताल के प्रबंधक करेंद्र कलिता ने छात्राओं व चिकित्सकों व संसाधन व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

होजाई : विसर्जन के साथ 16 दिवसीय गणगौर पूजा का समापन

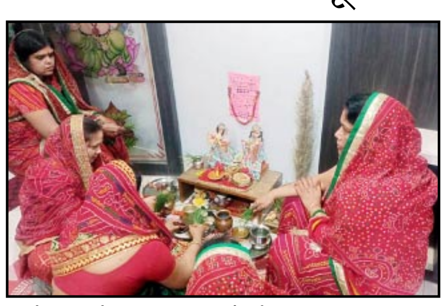

होजाई (होसं)। राजस्थानी लोक संस्कृति का प्रतीक आस्था व उल्लास का पर्व गणगौर आज होजाई में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। होलिका दहन के दूसरे दिन से प्रारंभ इस पर्व को नवविवाहिता महिलाएं कुंवारी कन्या ने धूमधाम से अपने अपने घरों में मनाया। आज प्रात: से ही महिलाओं युवतियों द्वार घरों व स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में ईसर गणगौर (शिव पार्वती) की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर गाए जाने वाले गीतों से राजस्थानी संस्कृति की याद ताजा हो गई। इसके पश्चात ईसर गणगौर को घर में बनाया गया प्रसाद का भोग लगाया गया। उसके बाद सायं के समय मंदिर परिसर से गणगौर माता को शिवबाड़ी घाट में विधि विधान के साथ विसर्जित कर दिया गया। वहीं कई युवतियों व माताओं ने अपने ही घरों में बड़े-बड़े पानी के टब में गणगौर को विसर्जन कर अपनी 16 दिवसीय पूजन का समापन किया।

विश्व टीबी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रंगिया/नगरबेड़ा (निसं)। विश्व क्षय रोग दिवस के मौके पर आज रंगिया शहर के बीच स्थित सिद्धिनाथ शर्मा अस्पताल से संगम संघ प्रांगण तक एक जागरूकता शोभायात्रा निकाली गई । रंगिया अंचल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की आशा कार्यकर्ता, अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता, निबेदिता अकादमी, रंगिया महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, रंगिया प्रयास वेलफेयर सोसाइटी और अन्य संस्थानों की भागीदारी के साथ इस शोभायात्रा का उद्घाटन स्वास्थ्य विभाग, कामरूप जिले के संयुक्त संचालक डॉ. महितोष बनर्जी ने किया। इसके अलावा इस मौके पर सुबह 11 बजे रंगिया संगम संघ प्रांगण में स्वास्थ्य विभाग के पूर्व संयुक्त संचालक डॉ. प्रदीप कुमार मजुमदार की अध्यक्षता में एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में डॉ. अमिय कुमार दास के स्वागत भाषण के बाद कामरूप जिला स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. महितोष बनर्जी और डॉ. अमिय कुमार दास ने क्षय रोग के प्रकोप और गंभीरता के बारे में बताया। बैठक में डॉ. नयनज्योति काकती, डॉ. जोनाकी डेका, डॉ. दीपांकर चेतिया सहित रंगिया महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की प्रोफेसर जयश्री शर्मा ने भी क्षय की भयावहता और जागरूकता पर भाषण दिया। बैठक में कामरूप जिले के अतिरिक्त उपायुक्त कमल बरुआ ने भाग लिया, जिन्होंने क्षय रोग के उन्मूलन के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन योजना के कामरूप जिले के सेवा प्रबंधक आमार प्रयास गोष्ठी की पहल के तहत नगरबेड़ा प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत तुपामारी लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आज विश्व क्षय रोग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य कार्यकर्ता मोहिरुद्दीन की अध्यक्षता में हुई जागरूकता बैठक का उद्देश्य आमार प्रयास गोष्ठी के ब्लॉक समन्वयक आनवार हुसैन ने समझाया। डॉ. जेफरीन नेयंती ने टीबी जीतेंगे, देश हार जीतेगा विषय पर व्याख्यान दिया। दूसरी ओर, जीएनएम जोनाली दास ने तपेदिक से प्रभावित लोगों की पहचान करने में सार्वजनिक प्रतिक्रिया मांगते हुए एक भाषण दिया। बैठक में एएनएम जैस्मीना खातून ने टीबी उन्मूलन योजना के बारे में बताया और लोगों को बताया कि कैसे स्वास्थ्य विभाग घर से खांसी के नमूने एकत्रित कर विभिन्न प्रकार के परीक्षण करके निदान के माध्यम से चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है।

बाल विवाह : धुबड़ी में नुक्कड़ नाटक

धुबड़ी (हि.स.)। राज्य में दैनिक आधार पर बाल विवाह की बढ़ती संख्या के खिलाफ धुबड़ी जिला पुलिस और ग्राम रक्षक वाहिनी (वीडीपी) की पहल पर नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को जागरूक करने की पहल की गई। गोलकगंज में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती नलिया में आज (शुक्रवार) नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। ग्राम सुरक्षा वाहिनी और धुबड़ी जिला पुलिस के सदस्यों द्वारा बाल विवाह के खिलाफ जनता के बीच पिछले कुछ दिनों से कड़ी मेहनत करते हुए नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों में जागरूकता फैलाने की कोशिश की जा रही है। इस अवसर पर मौजूद धुबड़ी जिला की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजी रानी शर्मा ने कहा कि हमारा इरादा कानूनी व्यवस्था से लोगों को असुविधा पहुंचाना नहीं है, हमारा उद्देश्य यह समझना है कि लोग कम उम्र में शादी न करें।

तृतीय लिंग के अधिकारों और सुरक्षा पर विशेष जागरूकता बैठक आयोजित

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले के समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय के सौजन्य तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता निदेशालय, असम के सहयोग से कामरूप जिले के एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में तीसरे लिंग के व्यक्तियों के अधिकारों और सुरक्षा पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जागरुकता कार्यक्रम का संचालन समाज कल्याण विभाग की कार्यवाहक अधिकारी तथा अतिरिक्त उपायुक्त सुजाता गोगोई ने किया। कार्यक्रम में भाषण प्रदान करते हुए कामरूप जिले के प्रभारी समाज कल्याण अधिकारी निशा मोनी कलिता ने तीसरे लिंग के व्यक्तियों के अधिकारों और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए इस कार्यक्रम के आयोजन किए जाने की बात कहीं। जिससे समाज मे उनके सम्मानीय जीवन धारण को सुनिश्चित किया जा सके। असम थर्ड जेंडर वेलफेयर बोर्ड की एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट स्वाति बिधान बरुआ ने तृतीय लिंग व्यक्तियों की परिभाषा, राज्य में इन व्यक्तियों के आंकड़े, सामाजिक सुरक्षा, तृतीय लिंग व्यक्तियों के संरक्षण और अधिकार अधिनियम, 2019, असम राज्य तृतीय लिंग व्यक्तियों के लिए जारी की गई नीति, 2020 आदि के तहत इन व्यक्तियों द्वारा प्राप्त की जाने वाली सामाजिक सुरक्षा, अधिकारों आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने तीसरे लिंग के व्यक्तियों के लिए प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय पोर्टल के बारे में भी बताया। जागरूकता कार्यक्रम में संबंधित संस्थानों से उपस्थित लोगों द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब भी दिए गए। उक्त कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त सुजाता गोगोई ने भी प्रतिभागियों को तीसरे लिंग के व्यक्तियों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपायों पर जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव प्रणामिका गोस्वामी सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

गणगौर तीज महोत्सव का गणगोर विसर्जन मेला संपन्न

गुवाहाटी। महानगर की युवाओं की सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था युवा भारती से सम्बंधित इकाई श्री गणगौर तीज महोत्सव समिति के सौजन्य से लाचित घाट में गणगोर विसर्जन मेला संपन्न हुआ। इस अवसर पर घाट को व्यवस्थित रूप से सजाया गया एवं ब्रह्मपुत्र घाट के निर्माण कार्य के चलते गणगौर की मूर्तियों को ससम्मान विसर्जन हेतु तीज महोत्सव समिति के कार्यकर्ताओं ने ब्रह्मपुत्र में विसर्जित किया। दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले इस विसर्जन मेले में नगर की सैकड़ों सुहागिन महिलाओं ने गणगौर को विसर्जन किया। आयोजन स्थल पर मारवाड़ी युवा मंच की कामाख्या शाखा द्वारा गणगौर सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। मारवाड़ी महिला एकता मंच द्वारा सोलह सिंगार प्रतियोगिता एवं मेहंदी राचणी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। नखराली बाईसा गुवाहाटी द्वारा ननंद भोजाई जोड़ी की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इन सभी

कार्यक्रमों में महिलाओं ने राजस्थानी परंपरा के अनुसार सज धज कर कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग के रूप में श्री राणी सती सत्संग समिति, चेतना लेडीज क्लब, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा, श्री ढाढंण शक्ति महिला समिति, वैद्यनाथ आसाम कांवडिया सेवा समिति, युवा कावड़ संघ,छाजल अमरी शक्ति समिति व मारवाड़ी हॉस्पिटल ने अपना सहयोग दिया। राजस्थानी लोक गायकों द्वारा गणगौर से संबंधित लोक गीतों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य भी किया। मेले में विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा जलपान, चाय आदि की व्यवस्था भी की। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक विवेक सांगानेरिया के अलावा अध्यक्ष विशाल भातरा, सचिव आदर्श शर्मा (बबली), कोषाध्यक्ष संजय मोर, निर्मल शर्मा, मनमोहन सिकरीया, ने उपस्थित रहकर सक्रिय सहयोग दिया। नगर निगम पार्षद प्रमोद स्वामी और सौरव झुनझुनवाला भी इस अवसर पर उपस्थित थे। स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने भी इस आयोजन को व्यवस्थित करने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया। गणगौर तीज महोत्सव समिति द्वारा की गई व्यवस्था की सभी लोगों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इसके साथ ही फैंसी बाजार स्थित सीताराम ठाकुर बाड़ी, पंचायती ठाकुरबाड़ी, दिसपुर स्थित जानकी वल्लभ मंदिर की बड़ी गणगौर को भी विसर्जन स्थल पर लाया गया। जहां महिलाओं ने बड़ी गणगौर की पूजा भी की।

भारत ने 2014 के बाद टीबी के खिलाफ नई सोच और दृष्टिकोण के साथ काम किया : प्रधानमंत्री मोदी

वाराणसी/नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्षय रोग (टीबी) के खिलाफ जनभागीदारी को भारत की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि 2014 के बाद जिस तरह से भारत ने नई सोच और दृष्टिकोण के साथ टीबी के खिलाफ काम करना शुरू किया, वह अभूतपूर्व है। टीबी के खिलाफ इसे वैश्विक लड़ाई का एक नया मॉडल बताते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को यह जानकारी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित वन वर्ल्ड टीबी समिट में अपने विचार रख रहे थे। मोदी ने कहा कि 2014 के बाद से भारत ने जिस नई सोच और अप्रोच के साथ टीबी के खिलाफ काम करना शुरू किया है वह वास्तव में अभूतपूर्व है। भारत के ये प्रयास आज पूरे विश्व को इसलिए भी जानने चाहिए क्योंकि टीबी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई का एक नया मॉडल है। उन्होंने कहा कि बीते नौ वर्षों में भारत ने टीबी के खिलाफ इस लड़ाई में अनेक मोर्चों पर जैसे- जनभागीदारी, पोषण के लिए विशेष अभियान, इलाज के लिए नई रणनीति, तकनीक का भरपूर इस्तेमाल और अच्छी हेल्थ को बढ़ावा देने वाले फिट इंडिया, खेलो इंडिया, योग जैसे अभियान पर एकसाथ काम किया है। प्रधानमंत्री ने टीबी समिट के अपने संसदीय क्षेत्र में आयोजित किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, मेरे लिए ये बहुत खुशी के बात है कि 'वन वर्ल्ड टीबी समिट' काशी में हो रही है। सौभाग्य से मैं काशी का सांसद भी हूं। काशी नगरी शाश्वत धरा है जो हजारों वर्षों से मानवता के प्रयासों और परिश्रम की साक्षी रही है। काशी इस बात की गवाही देती है कि चुनौती चाहे कितनी ही बड़ी क्यों ना हो, जब सबका प्रयास होता है, तो नया रास्ता भी निकलता है। मुझे विश्वास है, टीबी जैसी बीमारी के खिलाफ हमारे वैश्विक संकल्प को काशी एक नई ऊर्जा देगी। पूरी पृथ्वी को अपना परिवार मानने के भारतीय विचार का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक देश के तौर पर भारत की विचारधारा का प्रतिबिंब 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना में झलकता है। ये प्राचीन विचार आज आधुनिक विश्व को एकीकृत दृष्टि दे रहा है, एकीकृत समाधान दे रहा है। इसलिए ही प्रेसिडेंट के तौर पर भारत ने जी-20 समिट की भी थीम रखी है- 'एक दुनिया, एक परिवार, एक भविष्य'! ये थीम एक परिवार के रूप में पूरे विश्व के साझा भविष्य का संकल्प है। टीबी रोगियों की पहचान और उपचार के लिए उठाये गये कदमों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई भी टीबी मरीज इलाज से छूटे नहीं, इसके लिए हमने नई रणनीति पर काम किया। टीबी के मरीजों की स्क्रीनिंग के लिए, उनके ट्रीटमेंट के लिए, हमने उन्हें आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा है। टीबी की मुफ्त जांच के लिए हमने देशभर में लैब्स की संख्या बढ़ाई है। नि-क्षय मित्र पहल को लेकर उन्होंने कहा कि इससे टीबी की चुनौती से लड़ने में बहुत मदद मिली है। टीबी रोगियों के पोषण को बड़ी चुनौती बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए सरकार 2018 में टीबी मरीजों के लिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि टीबी के खिलाफ लड़ाई में भारत ने जनभागीदारी का बहुत बड़ा काम किया है। टीबी मुक्त भारत के अभियान से जुड़ने के लिए देश के लोगों से 'नि-क्षय मित्र' बनने का आह्वान किया था। इस अभियान के बाद करीब-करीब 10 लाख टीबी मरीजों को देश के सामान्य नागरिकों ने गोद लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब वर्ष 2025 तक टीबी खत्म करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। टीबी खत्म करने का ग्लोबल टार्गेट वर्ष 2030 है लेकिन भारत वर्ष 2025 तक टीबी खत्म करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत में टीबी के मरीजों की संख्या कम हो रही है। कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर को टीबी मुक्त अवार्ड से सम्मानित किया गया है। मैं इस सफलता को प्राप्त करने वाले लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले रिमोट का बटन दबाकर टीबी-मुक्त पंचायत पहल के अलावा एक संक्षिप्त टीबी निवारक उपचार (टीपीटी) का आधिकारिक रूप से अखिल भारतीय स्तर पर शुभारंभ किया। मोदी ने टीबी के लिए परिवार केन्द्रित देखभाल मॉडल और भारत की वार्षिक टीबी रिपोर्ट 2023 जारी करने सहित विभिन्न पहलों का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने टीबी के उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति के लिए चुनिंदा राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों और जिलों को प्रमाण पत्र, पदक और राशि देकर पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया स हित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अडाणी मामले पर जेपीसी के गठन से भाग रही है सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार अडाणी समूह पर लगे आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन नहीं करना चाहती। इसलिए मामले से ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित विपक्ष पर तरह-तरह के आरोप लगा रही है। खड़गे ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि भाजपा का यह कहना कि राहुल गांधी ने ओबीसी समाज को अपमानित किया है। यह निराधार और गलत है। राहुल गांधी ने ऐसा कुछ भी नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि पीएनबी व जनता के पैसे लेकर नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चौकसी भागे हैं। ओबीसी वर्ग तो नहीं भागा, फिर उनका अपमान कैसे हुआ? खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार अडाणी महाघोटाले से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। लेकिन विपक्ष की यही मांग है कि इस घोटाले की जांच के लिए जेपीसी बनाई जाए। आज पुनः विपक्षी नेताओं से इस मुद्दे को लेकर संयुक्त रूप से आवाज उठाई है। उल्लेखनीय है कि आज संसद सत्र में भाग लेने से पहले विपक्षी सांसद संसद भवन में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे के दफ्तर में एकत्र हुए। इस दौरान अडाणी समूह पर लगे आरोपों की जांच के लिए जेपीसी के गठन को लेकर विपक्षी दलों ने एकजुटता दिखाई।

राहुल गांधी का अहंकार बड़ा, समझ छोटी : नड्डा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर ओबीसी समाज का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनका अहंकार बड़ा और समझ छोटी है। अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट कर कहा कि सूरत कोर्ट ने राहुल को ओबीसी समाज के प्रति उनके आपत्तिजनक बयान के लिए सजा सुनाई है। परंतु राहुल व कांग्रेस अभी भी अपने अहंकार के चलते लगातार अपने बयान पर अड़े हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का अहंकार बहुत बड़ा और समझ बहुत छोटी है। अपने राजनीतिक लाभ के लिए उन्होंने पूरे ओबीसी समाज का अपमान किया। उन्हें चोर कहा। समाज और कोर्ट द्वारा बार-बार समझाने और माफी मांगने के विकल्प को भी उन्होंने नजरअंदाज किया और लगातार ओबीसी समाज की भावना को ठेस पहुंचाई। इस बीच कांग्रेस आज राहुल गांधी के खिलाफ सूरत कोर्ट के फैसले के विरोध में विजय चौक पर मार्च निकालने जा रही है। इसको लेकर दिल्ली पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि वह किसके खिलाफ मार्च निकाल रही है। राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट ने निर्णय दिया है भाजपा ने नहीं। राहुल गांधी की आदत हो गई है। उन्होंने ओबीसी समाज का अपमान किया है और अब वह माफी भी नहीं मांगना चाह रहे हैं। ओबीसी समाज के अपमान के आरोप पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही है। कांग्रेस हमेशा ओबीसी, एसटी, एससी और अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी रही है।

लोकसभा से पारित हुआ वित्त विधेयक 2023, लोकसभा 27 मार्च तक स्थगित

अजय कुमार

नई दिल्ली। लोकसभा ने विपक्षी दलों के सांसदों की नारेबाजी के बीच शुक्रवार को वित्त विधेयक 2023 पारित कर दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही भारी शोरगुल के बीच लोकसभा में वित्त विधेयक, 2023 सदन के पटल पर रखा। सदन में चर्चा के बाद वित्त विधेयक को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही 27 मार्च, सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वित्त मंत्री ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए केंद्र सरकार के वित्तीय प्रस्तावों को प्रभावी बनाने के लिए लोकसभा में वित्त विधेयक, 2023 पेश किया। लोकसभा से भारी हंगामे के बीच वित्त विधेयक 2023 पारित हो गया। इस दौरान विपक्ष की ओर से लगातार नारेबाजी की जाती रही। नारेबाजी के बीच लोकसभा की कार्यवाही 45 मिनट तक चली और निचले सदन ने वित्त विधेयक को पास कर दिया। सीतारमण ने वित्त विधेयक 2023 पर चर्चा के दौरान सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन से संबंधित मुद्दों पर गौर करने के लिए समिति गठित करने का प्रस्ताव दिया। वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि एलआरएस के तहत विदेशी दौरों के लिए क्रेडिट कार्ड भुगतान पर कब्जा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले को देखने के लिए आरबीआई को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा ने एक दिन पहले गुरुवार को विनियोग विधेयक 2023 पारित कर दिया था। संसद में जारी गतिरोध के बीच लोकसभा से विनियोग विधेयक पारित हो गया। इसके साथ ही लोकसभा ने अलग-अलग मंत्रालयों की अनुदान मांगों को भी अपनी मंजूरी दे दी है। विनियोग विधेयक और अनुदान मांगों का प्रस्ताव पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही 24 मार्च की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी।

इस्लाम का पवित्र महीना रमजान शुरू, पीएम मोदी ने दी लोगों को मुबारकबाद

नई दिल्ली (ईएमएस)। रमजान का पवित्र महीना शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस्लाम में पवित्र माने जाने वाले रमजान की शुक्रवार को लोगों को मुबारकबाद दी। मोदी ने ट्वीट किया कि यह पवित्र महीना हमारे समाज में और एकता एवं सद्भाव लाए। यह गरीबों की मदद करने की अहमियत को बढ़ावा दे। इस पवित्र महीने के दौरान मुस्लिम समुदाय के सदस्य सूरज निकलने से लेकर सूर्यास्त तक न कुछ खाते हैं और न पीते हैं तथा ज्यादा से ज्यादा वक्त अल्लाह की इबादत में लगाते हैं। यह सिलसिला ईद का चांद दिखने तक जारी रहता है।

यूएपीए कानून पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, प्रतिबंधित संस्था का सदस्य होना भी कार्रवाई के दायरे में आएगा

नई दिल्ली। यूएपीए कानून पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला आया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि प्रतिबंधित संस्था का सदस्य होना भी कार्रवाई के दायरे में आएगा। जस्टिस एमआर शाह की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के उस पुराने फैसले को बदला, जिसमें कहा गया था कि सिर्फ सदस्य होना अपराध नहीं। कोर्ट ने यूएपीए की धारा 10(ए)(1) को सही ठहराया है। 2011 में जस्टिस मार्कंडेय काटजू की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय बेंच ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होने भर से कार्रवाई नहीं होगी। 2014 में जस्टिस दीपक मिश्रा की बेंच ने इस मामले को बड़ी बेंच को रेफर कर दिया था। जस्टिस एमआर शाह की अध्यक्षता वाली बेंच ने 9 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

राहुल गांधी लगातार कर रहे ओबीसी समाज का अपमान : भूपेंद्र यादव

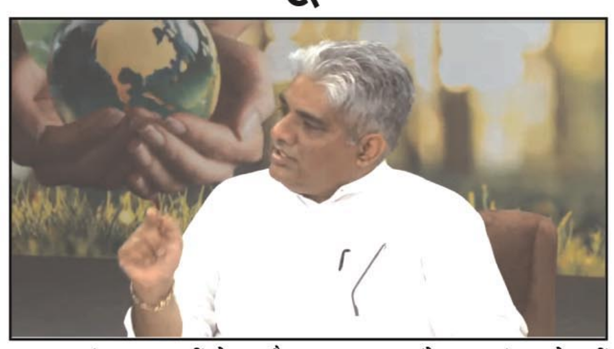

नई दिल्ली, (हि. स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर लगातार ओबीसी समाज का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट के निर्णय पर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया दर्शाती है कि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने संसद को नहीं चलने देने का भी आरोप विपक्ष विशेषकर कांग्रेस पर मढ़ा। अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी का एक चुनावी रैली में दिया गया बयान एक समाज विशेष के खिलाफ था। राहुल गांधी लगातार इस तरह के बयान देते रहे हैं जिससे ओबीसी समाज का अपमान हुआ है। उनका यह बयान भारत जोड़ो नहीं, बल्कि भारत तोड़ो है। इसके बावजूद भी उनका अहंकार कम नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी का राहुल गांधी दुरुपयोग कर रहे हैं।

किसी समाज को गाली देना अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। उन्होंने विपक्ष के इस मुद्दे पर निकाले जा रहे हैं मार्च पर भी सवाल उठाए और कहा कि क्या वह इस अपमान के पक्षधर हैं। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष खासकर कांग्रेस पर संसद को नहीं चलने देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कार्यमंत्रणा समिति में चर्चा होने के बावजूद विपक्ष सदन के बीच में तख्तियां लेकर आता है नारेबाजी करता है और सदन को चलने नहीं देता। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को सूरत की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि के मुकदमे में दो वर्ष की सजा सुनाई है।

एमसीडी ने हाई कोर्ट को बताया- कर्मचारियों को जनवरी तक के वेतन का पूरा भुगतान किया गया

- शिक्षकों व चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की कुछ कैटेगरी में फरवरी माह तक का हुआ भुगतान

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। शिक्षकों और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों के लंबित वेतन मामले पर आज दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट में दावा किया गया कि जिन कर्मचारियों का वेतन सालों से बकाया था, उनमें से ज्यादातर को जनवरी तक का पूरा भुगतान कर दिया गया है। कुछ कैटेगरी में फरवरी माह तक का वेतन भी दिया जा चुका है। कमिश्नर के मुताबिक बाकी बचे लोगों को 31 मार्च तक उनके बकाए वेतन का भुगतान करने की कोशिश गंभीरता से की जा रही है। दिल्ली नगर निगम ने कोर्ट को बताया कि 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक बकाए के भुगतान के लिए निगम ने 1200 करोड़ या संभवतः उससे ज्यादा के लोन के लिए आवेदन किया है। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस बारे में 6 मार्च को दिल्ली नगर निगम को नोटिस जारी एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने शिक्षकों और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने पर दिल्ली नगर निगम से एतराज जताया था। कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम के वकील से कहा कि आपके कमिश्नर ने समय पर वेतन देने का आश्वासन दिया है, ऐसे में शिक्षकों और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों को वेतन क्यों नहीं मिला। याचिकाकताओं की ओर से वकील अशोक अग्रवाल ने कोर्ट को बताया था कि करीब 20 शिक्षकों का वेतन नगर निगम ने जनवरी महीने से नहीं दिया है। उन्होंने कहा था कि न केवल शिक्षकों बल्कि सभी चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों का जनवरी और फरवरी का वेतन भी नहीं किया गया है। वेतन नहीं मिलने से शिक्षकों और कर्मचारियों को गंभीर आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ रहा है।

पीएम मोदी आज कर्नाटक के दौरे पर रहेंगे

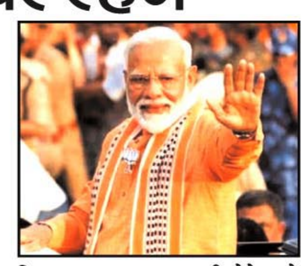

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक दिवसीय दौरे पर कर्नाटक जाएंगे। वह चिक्काबल्लापुर में श्री मधुसूदन साई आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री बैंगलुरु मेट्रो की कृष्णराजपुरा मेट्रो लाइन के लिए व्हाइटफील्ड (कादुगोडी) का भी उद्घाटन करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मेट्रो लाइन आने-जाने में आसानी को बढ़ाएगी और शहर में यातायात की भीड़ को कम करेगी। प्रधानमंत्री मेट्रो में भी सफर करेंगे। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव जल्द ही होने वाले हैं, प्रधानमंत्री ने पिछले दो महीनों में कई बार इस राज्य का दौरा किया है और कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है।

रविवार को एनडीएमसी राहगीर दिवस कार्यक्रम का करेगी आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) दिल्ली पुलिस, राहगिरी फाउंडेशन, एसएनएम और नगारो के सहयोग से 26 मार्च को नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में राहगिरी दिवस कार्यक्रम का आयोजन करेगी। यह आयोजन टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने और शहर में वायु प्रदूषण को कम करने और सभी के लिए सुरक्षित और समावेशी सड़कें सुलभ कराने के संयुक्त प्रयासों का एक हिस्सा है। राहगिरी दिवस कार्यक्रम नागरिकों के लिए सड़कों पर वाहनों के बिना एक दिन का अनुभव करने का एक अनूठा अवसर है। इस दिन यह नागरिकों को परिवहन के वैकल्पिक साधनों जैसे साइकिल चलाना, पैदल चलना और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थायी परिवहन के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देना है।

सीबीआई मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत पर 31 मार्च को फैसला सुनाएगा कोर्ट

- दिल्ली आबकारी घोटाला में राऊज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला के सीबीआई से जुड़े मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने 31 मार्च को फैसला सुनाने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सिसोदिया ने कहा था कि उनके भागने की कोई संभावना नहीं है। वह दिल्ली में रहते हैं, लोकसेवक हैं। सिसोदिया की ओर से पेश वकील दायन कृष्णन ने कहा था कि पत्नी की तबीयत बीते 20 साल से खराब है और देखभाल के लिए कोई नहीं है। उन्होंने सीबीआई की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा था कि वह कानून के दायरे में काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा था कि सिसोदिया का मोबाइल फोन जब्त हो चुका है। दूसरे फोन को लेकर हम जवाब दे चुके हैं। सीबीआई को मिली डिवाइस में सीधे तौर पर सिसोदिया के खिलाफ कुछ नहीं मिला है। दायन कृष्णन ने सिसोदिया की जमानत की मांग करते हुए कहा था कि आबकारी घोटाले के सीबीआई से जुड़े मामले में सभी आरोपितों को जमानत मिल चुकी है। इस मामले में सीबीआई सिर्फ सिसोदिया को परेशान कर रही है। उनके पास इस मामले में अब कुछ नया नहीं है। उन्होंने कहा था कि उपराज्यपाल द्वारा सीबीआई को जांच सौंपे जाने वाले दिन मोबाइल फोन का बदला जाना सिर्फ इत्तफाक भर है। इस मामले में दो पब्लिक सर्वेंट भी आरोपित हैं, जिनको गिरफ्तार भी नहीं किया गया और उनको जमानत मिल चुकी है। सिसोदिया की ओर से वकील मोहित माथुर ने कहा था कि हिरासत की अर्जी में सीबीआई लगातार एक ही बात और आधार बताती रही है। अब उनको न्यायिक हिरासत में रखना उचित नहीं है। उन्होंने रूनू घोष बनाम सीबीआई के फैसले का हवाला दिया। सीबीआई की ओर से दलील देते हुए वकील डीपी सिंह ने कहा कि सिसोदिया 18 मंत्रालय देख रहे थे, जिसमें शिक्षा विभाग के साथ वित्त और आबकारी विभाग भी था। उनको सारी जानकारी थी। सीबीआई ने जमानत का विरोध करते हुए कहा था कि भले ही सिसोदिया के देश छोड़ कर भागने का खतरा न हो, लेकिन जमानत के बाद गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। सिसोदिया प्रभावशाली व्यक्ति हैं और महत्वपूर्ण पद पर हैं, ऐसे में अगर वह बाहर रहते हैं तो जांच को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही मामले से जुड़े सबूतों के साथ भी छेड़छाड़ कर सकते हैं। सिसोदिया फिलहाल ईडी हिरासत में हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

हरियाणा से यमुना में आ रहे अमोनिया को ट्रीट करेगी दिल्ली सरकार

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने हरियाणा से आ रहे यमुना के पानी में भारी मात्रा में मौजूद अमोनिया व अन्य प्रदूषक तत्वों को ट्रीट करने के मामले में आत्म निर्भर बनने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड को अगले छह महीने के अंदर अमोनिया रिमूवल प्लांट लगाकर इस समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता को भरपूर और साफ पानी उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध हैं। हरियाणा के सोनीपत व पानीपत से आने वाले औद्योगिक कचरे से पानी में पैदा हुए अमोनिया को साफ करने के लिए हम जल्द ही तकनीक का इस्तेमाल करेंगे। समीक्षा बैठक में बताया गया कि हरियाणा के ड्रेन नंबर दो और ड्रेन 8 का पानी यमुना में आ रहा है।

यह पानी बहुत ही गंदा है। पानी में भारी मात्रा में अमोनिया की मौजूदगी है, जिसके चलते वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को चलाने में दिक्कत आ रही है। यमुना का पानी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक ले जाने के लिए वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास तालाब बनाया गया है। दिल्ली जल बोर्ड का प्रयास है कि तालाब के पास ही एक इन-सीटू ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाए। इस डेढ़ महीने में मुख्यमंत्री ने यह तीसरी उच्च स्तरीय बैठक की। इससे पहले 15 मार्च को समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को पानी में मौजूद अमोनिया को खत्म करने के लिए अमोनिया रिमूवल प्लांट लगाने के मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड से एक सप्ताह के अंदर इसका पूरा प्लान भी मांगा था। वहीं इसे प्राथमिकता से लेते हुए निर्देश दिए थे कि हरियाणा से आने वाले पानी में मौजूद अमोनिया को ट्रीट किया जाए। इसकी वजह से पानी की आपूर्ति रूकनी नहीं चाहिए।

संसद में सीधे याचिका दाखिल करने के अधिकार की मांग सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने देश के नागरिकों को सीधे संसद में जनहित याचिका दाखिल करने का अधिकार दिये जाने की मांग खारिज कर दी है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि अगर किसी को कोई बात संसद में रखनी है, तो उसे अपने स्थानीय सांसद से बात करनी चाहिए। सीधे संसद को याचिका भेजने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। यह याचिका पंजाब निवासी करण गर्ग ने दायर की थी। याचिकाकर्ता की ओर से वकील रोहन जे अल्वा और अबी पी वर्गीश ने कहा था कि इस प्रकार के प्रावधान होने चाहिए ताकि आम लोगों की आवाज बिना किसी बाधा के संसद में सुनी जा सके। याचिका में कहा गया था कि संविधान की धारा 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धारा 14 और 21 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का पालन होना चाहिए। याचिका में कहा गया था कि संसद और विधानसभाओं के लिए प्रतिनिधि चुनने के बाद एक आम नागरिक के पास भागीदारी का कोई विकल्प नहीं होता है। आम नागरिकों की कानून बनाने में कोई भागीदारी नहीं होती है। ऐसे में आम नागरिक की आवाज याचिका के रूप में संसद के समक्ष पहुंचनी चाहिए।

यूपी में 2024 के चुनाव में कांग्रेस का खाता नहीं खुलेगा : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता व उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कहा कि देश की राजनीति में कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। कांग्रेस देश में भ्रष्टाचारियों की संरक्षक बनकर उभरना चाहती है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेश भाजपा कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के अपमान को भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सदैव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपमान करने का काम किया है। प्रधानमंत्री के पद पर नरेन्द्र मोदी को राहुल गांधी के जीजा, दीदी और मम्मी को सहन नहीं हो रहा है। वह प्रधानमंत्री के पद पर अपना जन्म सिद्ध अधिकार समझते हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के अपमान से देश के 50 प्रतिशत से अधिक पिछड़े वर्ग को घाव लगा था। अदालत ने राहुल गांधी को दोषी करार देकर मरहम लगाने का काम किया है। कांग्रेस ने मोदी के लिए कभी मौत का सौदागर और कभी नीच जैसे शब्दों का प्रयोग कर समाज के वंचित, पिछड़े व गरीब लोगों को अपमानित करने का काम किया। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की मयार्दा का भी ख्याल नहीं रखा। कांग्रेस के युवराज भारत के लोकतंत्र पर भी सवाल उठाते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले नेता बनकर उभरे हैं। कांग्रेस सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। मोदी सरकार ने केन्द्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों में भी पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है। प्रेसवार्ता में भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे और प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

कुछ लोग गरीब और पिछड़े के बेटे को देश के सर्वोच्च पद पर नहीं बैठने देखना चाहते: योगी आदित्यनाथ

-ये लोग देश के बाहर जाते हैं तो यूपी की करते हैं निंदा -भारत का विकास उनको अच्छा नहीं लगता

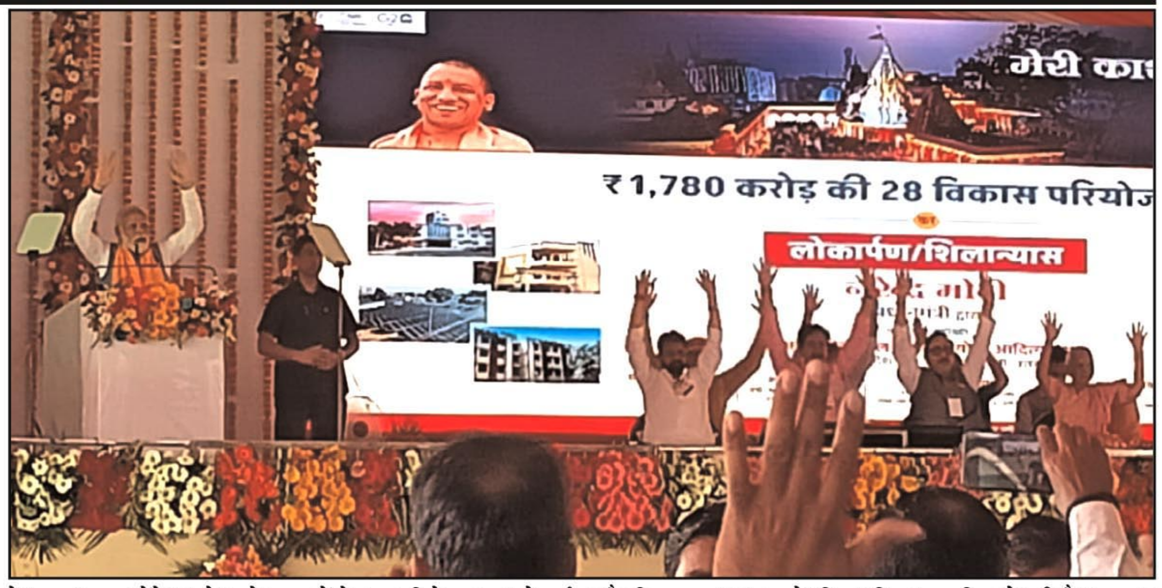

वाराणसी, (हि.स.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी का नाम न लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग जब देश के बाहर जाते हैं तो यूपी की निंदा करते हैं। भारत का विकास उनको अच्छा नहीं लगता है। वह विकास में बैरियर खड़ा करते हैं।

मुख्यमंत्री सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2004 और 2009 में ईवीएम से चुनाव जीतकर और अब जनता का विश्वास खोकर लोग अब ईवीएम को दोषी ठहरा रहे हैं। जब जनता ने उनको मौका दिया तब उन्होंने देश को भाषा, क्षेत्र और जातियों में बांटने का काम किया। अब देश के विकास में बाधा बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल देश ने देखा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से जब न्यायालय ने अपने कृत्यों पर मांफी मांगने को कहा तब उन्होंने कहा कि मैं माफी नहीं मांगूंगा। यह लोग जातियों की बात करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण की भावना के साथ सरकार काम कर रही है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे के साथ देश में काम हो रहा है। दूसरी तरफ वह लोग हैं जो गरीब, वंचित और पिछड़े के बेटे को देश के सर्वोच्च पद पर नहीं बैठने देखना चाहते हैं। देश के गरीब, वंचित शोषित और पिछड़े लोग कांग्रेस से बदला जरूर लेंगे। आने वाले समय में देश की जनता ऐसे लोगों को स्वीकार नहीं करेगी। जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों 1780 करोड़ रुपये की 28 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास होने पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का आभार जताया। प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब भी काशी आते हैं तो काशी के लिए कुछ न कुछ एक नई सौगात लेकर आते हैं। पिछले 9 वर्ष में 35 हजार करोड़ की परियोजना का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी प्राचीन काल से सांस्कृतिक नगरी रही है। लेकिन पिछले 9 वर्षों से काशी का वैश्विक स्तर पर पहुंचना उदाहरण है। उन्होंने कहा कि नव्य और भव्य काशी में जी-20 का आयोजन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में होने जा रहा है। यह कुशल नेतृत्व की देन है कि वैश्विक स्तर पर यूपी की पहचान बढ़ी है। आज भारत दुनिया के सामने एक मिशाल बना है। भारत के लोकतंत्र को अपनाने के लिए दुनिया लालायित हो रही है। जनसभा में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, केन्द्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय, प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल, राज्यमंत्री डॉ. दया शंकर मिश्र दयालु, शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकण्ठ तिवारी,कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, डॉ अवधेश सिंह, टीराम, डॉ सुनील पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या आदि भी मौजूद रहे।

सूदखोरी के चलते हुई थी भूरे की हत्या, दो गिरफ्तार

-घटना मे प्रयुक्त होण्डा सिटी कार बरामद

गाजियाबाद (हि.स.)। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में हुई भूरा हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने कर दिया है पुलिस का कहना है कि सूदखोरी के चलते भोले की हत्या 4 लोगों ने मिलकर की और शव को मसूरी नहर में फेंक दिया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो फरार हैं।कब्जे से घटना मे प्रयुक्त होण्डा सिटी कार बरामद कर ली है। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण रवि कुमार ने बताया कि थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस द्वारा 22मार्च को थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पर वादी रिन्कू पुत्र ब्रह्म सिंह निवासी सैन बिहार ने तहरीर दी थी कि उसके भाई दीपक उर्फ भूरा को पप्पन व उसके तीन साथी कार में डालकर अपहरण कर ले गए। इस सूचना पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक द्वारा तत्काल अभियोग पंजीकृत कर अपहृत व अपहरण करने वाले व्यक्तियों की बरामदगी/गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गयी । उन्होंने बताया कि आज स्वाट टीम ग्रामीण एवं थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस टीम ने उपरोक्त घटना का अनावरण करते हुए मुखबिर की सूचना पर शव बरामद कर 02 अभियुक्त मुकुल व पप्पन को गिरफ्तार किया । जिन्होंने पूछताछ में बताया कि अपने अन्य साथी मुकेश एवं प्रिन्स के साथ मिलकर दीपक उर्फ भूरा को गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी तथा शव को 01 कम्बल में लपेट कर होण्डा सिटी कार की डिग्गी में डालकर हिण्डन नदीं में ईस्टर्न पैरीफेरल के नीचे फैक दिया था । पप्पन व मुकुल द्वारा पूछताछ में बताया कि अभियुक्तगण व मृतक आपस में परिचित/दोस्त हैं । मृतक दीपक उर्फ भूरा का ब्याज का काम करता था। उन्होंने दीपक से रुपये उधार लिये गये थे जो कि मृतक द्वारा ब्याज पर दिये गये थे । मृतक दीपक उर्फ भूरा अभियुक्तगण को रुपयों की वजह से जलील किया करता था । रोज रुपये मांगता था और बेइज्जत करता था । रोज रोज रुपये माँगने से तंग आकर उन्होंने दीपक उर्फ भूरा की हत्या करने की योजना बनाई । योजनाबद्ध तरीके से दीपक उर्फ भूरा की हत्या कर शव को अभियुक्त मुकुल के दोस्त रोहित की होण्डा सिटी कार से ले जाकर हिण्डन नदी में पैरीफेरल एक्सप्रेसवे के पास फेंक दिया था। गिरफ्तार अभियुक्त में पप्पन निवासी मोहल्ला अम्बेडकर नगर थाना विजय नगर तथा मुकुल निवासी मोहल्ला बिहारीपुरा थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक हैं। दोनों को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

अखिलेश यादव ने बीआरडी अस्पताल को लेकर साधा सरकार पर निशाना

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर में बन रहे बीआरडी अस्पताल को लेकर सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर अस्पताल के 14 के बजाए 10 मंजिला बनाए जाने पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि परिवार वालों के लिए बच्चों का क्या महत्व होता है, इस सोच के साथ सपा ने बाल रोग से ग्रसित गोरखपुर में 14 मंजिला बीआरडी अस्पताल को बनाना शुरू किया था, जिसे 2017 में भाजपा सरकार ने घटाकर 10 मंजिला कर दिया। उसका काम अब भी अधूरा है। गोरखपुर को गोद लेने वाला भाजपा में कोई नहीं है क्या।

ऑयल फैक्टरी में धमाके की चपेट में आकर कई मजदूर घायल, मुख्यमंत्री ने घटना पर जताया दुख

कानपुर देहात, (हि.स.)। रनियां थानाक्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में ऑयल बनाने वाली एक फैक्टरी धमाका हुआ। इसमें कई लोग घायल हो गए। दो लोगों के मौत की खबर भी आ रही है, लेकिन कोई अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। रनियां थानाक्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया के पास वैभव एडबिल नाम की फैक्टरी में ऑयल बनाने का काम किया जाता है। गुरुवार की आधी रात को फैक्टरी में अचानक धमाका हो गया। जिसकी सूचना फैक्टरी मालिक ने न पुलिस को दी और न ही फायर ब्रिगेड को। किसी तरह जब शुक्रवार को इस घटना की जानकारी हुई तो पुलिस ने जांच शुरू की। इस दौरान कई तरह की बातें सामने आई हैं। इसमें बताया गया कि फैक्टरी में खाना बनाने वाले सिलेंडर से आग लगी है, जबकि घायलों को इसकी जानकारी ही नहीं है। घटना में दो लोगों की मौत की खबर है, लेकिन खबर लिखे जाने तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद कानपुर देहात में हुए हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को नोटिस जारी करने का दिया निर्देश

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में शुक्रवार को आय से अधिक संपत्ति मामले में आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं प्रमोद कुमार उर्फ विनोद कुमार सहित तीन के मामले की ट्रायल निचली अदालत में अलग-अलग करने को लेकर सीबीआई की क्रिमिनल रिवीजन की सुनवाई हुई। कोर्ट ने मधु कोड़ा एवं प्रमोद कुमार उर्फ विनोद कुमार को नोटिस जारी करने का निर्देश सीबीआई को दिया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 25 अप्रैल निर्धारित की है। सीबीआई की निचली अदालत ने मधु कोड़ा से जुड़े आरसी 5-2010 में तीन आरोपितों मधु कोड़ा प्रमोद कुमार उर्फ विनोद कुमार एवं संजय कुमार चौधरी के केस की ट्रायल अलग-अलग करने के आग्रह को नामंजूर किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। सीबीआई ने कहा है इन तीनों आरोपितों के जांच का दायरा अलग-अलग है। इसलिए इनका निचली अदालत में ट्रायल एक साथ की करने की बजाएं अलग-अलग ट्रायल शुरू किया जाना चाहिए। सीबीआई के इस आग्रह को निचली अदालत ने नहीं माना था, जिसके बाद याचिकाकर्ता सीबीआई ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

एशियन हॉकी फेडरेशन के उपाध्यक्ष चुने गए भोलानाथ सिंह

रांची, (हि.स.)। दक्षिण कोरिया गणराज्य के मुंगयोंग शहर में एशियन हॉकी महासंघ के चुनाव में हॉकी झारखंड के अध्यक्ष सह हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह उपाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। साथ ही उन्हें एशिया महाद्वीप का उभरता हुआ खेल प्रशासक एशिया महादेश अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। भोलानाथ को यह अवार्ड (एफआईएच) विश्व हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैय्यब इकराम एवं (एएचएफ) एशियन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष फुमिओ ओगुरा ने दिया। झारखंड के इतिहास में यह पहला अवसर होगा कि राज्य के किसी खेल संघ के अध्यक्ष या सदस्य को विश्व के किसी महादेश के खेल संघ के उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा झारखंड की बिगन सोय एशियन हॉकी फेडरेशन के एडवाइजरी समिति की सदस्य बनायी गयी हैं। एएचएफ कांग्रेस में झारखंड के सिमडेगा की बेटी अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे को इमेजिंग प्लेयर ऑफ द ईयर एशिया महादेश का अवार्ड (एशिया महादेश का उभरता हुआ सितारा) से सम्मानित किया गया। उन्हें पुरस्कार के तौर पर 1000 डॉलर की राशि प्रदान की गयी। एएचएफ एशियन हॉकी महासंघ के कांग्रेस में शामिल हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरण, हॉकी इंडिया के एक्सक्यूटिव डायरेक्टर आरके श्रीवास्तव और हॉकी इंडिया के अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि यह हमलोगों के लिए बहुत बड़ा सम्मान है। हॉकी झारखंड के उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने कहा कि झारखंड के खेल इतिहास में यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। भोलानाथ सिंह : पलामू जिला अंतर्गत पिपरा अखारा के रहने वाले भोलानाथ सिंह सितंबर 2014 में हॉकी झारखंड के अध्यक्ष पद में निर्वाचित हुए। अपनी कार्य कुशलता से लगातार आगे बढ़ते हुए वे हॉकी इंडिया के सह सचिव एवं उपाध्यक्ष के बाद, अभी कुछ दिनों पहले ही महासचिव बनाये गये। वे अब एशियन हॉकी फेडरेशन के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। सलीमा टेटे: सिमडेगा जिला अंतर्गत सदर प्रखंड बड़की छप्पर गांव की बेटी सलीमा टेटे सुदूरवर्तीय गांवों आयोजित होने वाले खस्सी कप मुर्गा कप हॉकी प्रतियोगिताओं में बांस की हॉकी स्टिक से खेलते हुए विगत 2016 में जूनियर भारतीय महिला टीम से शुरूआत करते हुए अब टोक्यो ओलंपिक, विश्व कप, कोमोनवेल्थ गेम्स सहित कई अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच में भारत की प्रतिनिधित्व कर रही है। बिगन सोय: प. सिंहभूम जिले के बंदगांव की बेटी बिगन सोय ने 2013 जूनियर महिला विश्व कप में भारतीय महिला हॉकी टीम के गोलकीपर से खेलते हुए तीसरे स्थान के लिए खेले गए निर्णायक मैच में पेनल्टी शूटआउट में गेंद रोककर भारत को कांस्य पदक दिलाई है और 2018 से ही हॉकी झारखंड से जुड़कर हॉकी को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है।

पिछड़े समाज की उन्नति कांग्रेस को पसंद नहीं : आदित्य साहू

रांची,(हि.स.)। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी पर कड़ा प्रहार किया। साहू ने राहुल गांधी को न्यायालय द्वारा सुनाई गई सजा पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया के बाद कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। साहू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को पिछड़े समाज की उन्नति, प्रगति, उसका आगे बढ़ना बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चार साल पहले पिछड़ा समाज के खिलाफ सार्वजनिक रूप से जो अपमानजनक बातें की थी, उस संदर्भ में अदालत ने आज उन्हें जो सजा सुनाई है, यह दशार्ता है कि देश का कानून और देश का संविधान सबसे ऊपर है और उसकी नजर में देश के सभी नागरिक समान हैं। अदालत का निर्णय यह भी सिद्ध करता है कि चाहे कोई कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि उसने अपराध किया है तो उसे सजा जरूर मिलेगी। अदालत द्वारा सजा सुनाने के बावजूद जिस तरह से राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के नेता उन अपमानजनक बातों को सही ठहरा रहे हैं, वह बताने के लिए काफी है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं की मंशा क्या है और तेली समाज सहित सभी ओबीसी समाज के बारे में उनकी सोच क्या है। राहुल गांधी अभी भी राजशाही सोच से बाहर नहीं निकले हैं? राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता यदि मानते हैं कि वे अपने ही देश के नागरिक को अपशब्द कह सकते हैं तो किसी को भी देश के संविधान ने अपने सम्मान की रक्षा के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का अधिकार दिया है।

टीबी मुक्त कॉर्पोरेशन बनेगा इंडियन ऑयल, राष्ट्र अभियान में करें सहयोग : आर.के. झा

बेगूसराय, (हि.स.)। बरौनी रिफाइनरी द्वारा विश्व टीबी दिवस पर शुक्रवार को तपेदिक के लक्षणों पर बेगूसराय वासियों को शिक्षित और प्रेरित कर इसके शुरूआती संकेत, निदान, उपचार और देखभाल के लिए सामूहिक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा ने कार्यपालक निदेशक (तकनीकी) सत्य प्रकाश, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) जी.आर.के. मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. प्रशांत राऊत तथा मुख्य महाप्रबंधक (टीएस एवं एचएसई) एस.जी. वेंकटेश की उपस्थिति में रिफाइनरी टाउनशिप में बीआर अस्पताल से वॉकथॉन के साथ किया। इस अवसर पर टीबी जागरूकता पर पोस्टर का भी विमोचन किया गया। अभियान को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में संदेश को प्रसारित करने के लिए विशेष रूप से बीआर में तैनात बड़ी संख्या में अनुबंध श्रमिकों को लक्षित करने के लिए टीबी मुक्त अभियान जागरूकता रथ को बीआर अस्पताल से रवाना किया गया। यह रथ रिफाइनरी के आसपास के क्षेत्र में सात पंचायतों, बेगूसराय सदर और रिफाइनरी टाउनशिप में जागरूकता फैलाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आर.के. झा ने कहा कि टीबी एक वायरल बीमारी है और इसे स्वस्थ जीवन के लिए जड़ से मिटाना अनिवार्य है। इंडियन ऑयल ने एक टीबी मुक्त कॉर्पोरेशन होने का निर्णय लिया है। पहले चरण में सभी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कवर किया गया है। दूसरे चरण में हम अनुबंध श्रमिकों को लक्षित कर रहे हैं और इसके लिए पिछले एक महीने से एक बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सभी हितधारक राष्ट्र के इस अभियान में समर्थन करें और कहें कि "हां, हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं।

कॉर्पोरेट संचार प्रबंधक अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि बरौनी रिफाइनरी द्वारा विश्व टीबी दिवस के हिस्से के रूप में एक सप्ताह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें स्कूलों में जागरूकता, नुक्कड़ नाटक, मुफ्त परीक्षण शिविर और पत्रक का वितरण होगा। आज टाउनशिप निवासियों के लिए मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. प्रशांत राऊत द्वारा कल्याण केंद्र में योग सत्र भी आयोजित किया गया।

करोड़ों का ठगी करने वाला पांच साइबर अपराधी चढ़े पुलिस के हत्थे

नवादा (हि स)। नवादा जिले के काशीचक थाना क्षेत्र के बजरंग बिगहा गांव से शुक्रवार को पुलिस ने 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया ।ये लोग लोन दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी का काम किया है। बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बजरंग बीघा गांव में साइबर अपराधियों के द्वारा ठगी का काम किया जा रहा है ।सूचना मिलने के बाद टीम गठित कर छापेमारी की गई ।छापेमारी के दौरान दो साइबर अपराधी नीतीश कुमार व सौरभ कुमार को गिरफ्तार किया गया। दोनों के निशानदेही पर मुन्ना कुमार,चिन्टु कुमार, राजीव कुमार को गिरफ्तार किया गया। अपराधियों के पास से मोबाइल, डायरी व कई पेज में प्रिंटेड कस्टमर डाटा बरामद किये गये हैं। गिरफ्तार अपराधियों में बजरंग बिगहा गांव के उपेन्द्र प्रसाद का लड़का नीतीश कुमार व धनेश्वर महतो का बेटा सौरभ कुमार,चन्द्रिका महतो, स्वर्गीय प्रयाग महतो का बेटा राजीव कुमार, सिंटू कुमार शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक गुप्त सूचना पर कार्रवाई की गयी। पुलिस ने साइबर अपराधियों के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जिसने समाज के भोले वाले लोगों को ऋण दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी की है। एसपी गौरव मंगला ने बताया कि साइबर अपराधियों की सूचना जल्द उन्हें दे।

टीबी मुक्त कॉर्पोरेशन बनेगा इंडियन ऑयल, राष्ट्र अभियान में करें सहयोग : आर.के. झा

बेगूसराय,(हि.स.)। बरौनी रिफाइनरी द्वारा विश्व टीबी दिवस पर शुक्रवार को तपेदिक के लक्षणों पर बेगूसराय वासियों को शिक्षित और प्रेरित कर इसके शुरूआती संकेत, निदान, उपचार और देखभाल के लिए सामूहिक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा ने कार्यपालक निदेशक (तकनीकी) सत्य प्रकाश, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) जी.आर.के. मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. प्रशांत राऊत तथा मुख्य महाप्रबंधक (टीएस एवं एचएसई) एस.जी. वेंकटेश की उपस्थिति में रिफाइनरी टाउनशिप में बीआर अस्पताल से वॉकथॉन के साथ किया। इस अवसर पर टीबी जागरूकता पर पोस्टर का भी विमोचन किया गया। अभियान को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में संदेश को प्रसारित करने के लिए विशेष रूप से बीआर में तैनात बड़ी संख्या में अनुबंध श्रमिकों को लक्षित करने के लिए टीबी मुक्त अभियान जागरूकता रथ को बीआर अस्पताल से रवाना किया गया। यह रथ रिफाइनरी के आसपास के क्षेत्र में सात पंचायतों, बेगूसराय सदर और रिफाइनरी टाउनशिप में जागरूकता फैलाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आर.के. झा ने कहा कि टीबी एक वायरल बीमारी है और इसे स्वस्थ जीवन के लिए जड़ से मिटाना अनिवार्य है। इंडियन ऑयल ने एक टीबी मुक्त कॉर्पोरेशन होने का निर्णय लिया है। पहले चरण में सभी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कवर किया गया है। दूसरे चरण में हम अनुबंध श्रमिकों को लक्षित कर रहे हैं और इसके लिए पिछले एक महीने से एक बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सभी हितधारक राष्ट्र के इस अभियान में समर्थन करें और कहें कि "हां, हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं। कॉर्पोरेट संचार प्रबंधक अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि बरौनी रिफाइनरी द्वारा विश्व टीबी दिवस के हिस्से के रूप में एक सप्ताह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें स्कूलों में जागरूकता, नुक्कड़ नाटक, मुफ्त परीक्षण शिविर और पत्रक का वितरण होगा। आज टाउनशिप निवासियों के लिए मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. प्रशांत राऊत द्वारा कल्याण केंद्र में योग सत्र भी आयोजित किया गया।

संपादकीय

आत्मनिर्भर अस्तित्व के लिए

आत्मनिर्भर पर्वतीय राज्य को अपने प्राकृतिक संसाधनों के लिए लडऩा और राष्ट्रीय अनुपात पर जमी बर्फ को अपने पक्ष में हटाने को संघर्ष करना ही पड़ेगा। हिमाचल ने वाटर सेस के जरिए अपनी आर्थिकी के आत्मबल को जिस पटरी पर रखा है, वहां पंजाब व हरियाणा की मूंछें तनी हुई नजर आ रही हैं। आश्चर्य यह कि जो पंजाब कल तक हिमाचल की नदियों से निकले पानी की बूंदों पर हरियाणा के अधिकार पर ताला लगाने की हर मुमकिन कोशिश करता रहा है, उसे भी हिमाचल के आत्मनिर्भर अस्तित्व पर एतराज है। यह जलविवाद नहीं है और न ही पंजाब पुनर्गठन की आत्मा से कोई धोखा। सबसे पहले तो यही कि किसी सरकार ने पानी में बहती आर्थिकी को निचोडऩे की हिम्मत दिखाई है। अगर गौर से देखें तो पर्वतीय राज्यों को समझने में केंद्रीय नीतियों का भी दोष रहा है। आज तक न तो पानी को कच्चा माल स्वीकार करके रायल्टी तय हुई और न ही पर्वतीय जिम्मेदारियों व लेनदारियों के एवज में केंद्र सरकारों ने न्याय किया। हिमाचली अधिकारों की बात सर्वप्रथम शांता कुमार ने दिल्ली मार्च के माध्यम से उठाई थी, तो प्रेम कुमार धूमल के समय में आया औद्योगिक पैकेज एक खूबसूरत पैगाम रहा। विद्युत उत्पादन में मिलने वाली मुफ्त बिजली जरूर एक सांचे की तरह हिमाचल को आश्रय देती है, लेकिन आगे बढऩे के लिए इनसाफ की डगर पानी से निकलेगी या जंगल के बदले वित्तीय भरपाई का कोई फार्मूला ढूंढना पड़ेगा। आश्चर्य यह कि हिमाचल वाटर सेस उन विद्युत इकाइयों से हासिल करना चाहता है जो प्रदेश की धरती पर स्थापित होने के बदले पहले ही हजारों लोगों को उजाड़ चुकी हैं। यह कैसे संभव हो सकता है कि उजड़े तो हिमाचल, लेकिन मालामाल केवल पड़ोसी राज्य ही होते रहें। पौंग डैम का ही उदाहरण लें, तो इससे एक यूनिट बिजली भी हिमाचल को नहीं मिली। यह कैसा दस्तूर कि सतलुज, ब्यास या रावी में बाढ़ आए तो हमारी, लेकिन इसके बदले पड़ोसी राज्यों के अधिकार बरकरार रहेंगे। आज भी पंजाब पुनर्गठन की लकीरों में फंसे हिमाचल का 7.19 प्रतिशत हिस्सा इसलिए गुम है क्योंकि न तो प्रदेश सरकारों ने संघर्ष को अंजाम तक पहुंचाया है और न ही केंद्र ने ईमानदारी से प्रदेश के साथ इनसाफ किया। अब तो पर्वतीय राज्यों की वित्तीय मदद से पूरी तरह 90:10 की औसत से योजनाओं-परियोजनाओं के पोषण से भी केंद्र न-नुकर करने लगा है। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में वित्तीय पोषण की 50:50 प्रतिशत की शर्त से हिमाचल का शहरी विकास अवरुद्ध हुआ है। पड़ोसी राज्यों से जमीन जैसे मसले अगर नहीं सुलझे तो इसलिए भी कि केंद्र ने हमें महत्त्व ही नहीं दिया या हमारा प्रतिनिधित्व संसद में सोया रहा। देश के लिए कुर्बानियों का इतिहास रचने वाले हिमाचल को न तो सैन्य संस्थान मिले और न ही आज तक राष्ट्रीय निर्माण योजनाओं में पूर्ण अधिकार मिले। सिर्फ एक बार जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने राज्य को औद्योगिक पैकेज दिया था, तब लगने लगा था कि इसके मार्फत प्रदेश आर्थिक आधार पर खड़ा हो पाएगा, लेकिन बड़े राज्यों के विरोध के कारण यह भी अधूरे संकल्प के साथ समाप्त हो गया। हमारा मानना है कि प्रदेश को आर्थिक तौर पर आगे बढऩे के लिए सबसे पहले उस ताक-झांक को छोडऩा होगा, जो केवल केंद्रीय रहमोकर्म पर पल्लवित होती रही है। दूसरी ओर वित्तीय संरचना के आर्थिक संचार के लिए कठिन विकल्प चुनने होंगे और तीसरे युवा पीढ़ी को गैर सरकारी सोच व स्वरोजगार से आत्मनिर्भर बनने का माहौल व प्रोत्साहन देना होगा। एक पानी पर सेस लगा कर हिमाचल को पता चल गया कि उसे 'पप्पू' बना कर रखने वाली प्रवृत्तियां किस तरह व्यवहार करती हैं। हमें आत्मनिर्भर होने के लिए एक नई जमीन व वातावरण चाहिए और यह केवल जंगलों की मिलकीयत से मिलेगा। हम प्रदेश की 70 फीसदी जमीन जंगलों को देकर हासिल क्या कर रहे हैं। सिर्फ यही कि चारे की कमी ने पशुओं को आवारा बना दिया या बंदरों ने जंगल से बाहर निकल कर हमारा जीवन उजाड़ दिया।

> विद्युत उत्पादन में मिलने वाली मुफ्त बिजली जरूर एक सांचे की तरह हिमाचल को आश्रय देती है, लेकिन आगे बढ़ने के लिए इनसाफ की डगर पानी से निकलेगी या जंगल के बदले वित्तीय भरपाई का कोई फार्मूला ढूंढना पड़ेगा। आश्चर्य यह कि हिमाचल वाटर सेस उन विद्युत इकाइयों से हासिल करना चाहता है जो प्रदेश की धरती पर स्थापित होने के बदले पहले ही हजारों लोगों को उजाड़ चुकी हैं। यह कैसे संभव हो सकता है कि उजड़े तो हिमाचल, लेकिन मालामाल केवल पड़ोसी राज्य ही होते रहें। पौंग डैम का ही उदाहरण लें, तो इससे एक यूनिट बिजली भी हिमाचल को नहीं मिली।

बोध कथा

अन्याय का प्रतिरोध

महर्षि कश्यप धर्मशास्त्रों के अध्ययन में लगे रहते थे । वह अपने आश्रम के शिष्यों को उपदेश देते थे कि धर्म का स्वयं पालन करना चाहिए तथा यदि कोई धर्म के विरुद्ध किसी का उत्पीड़न करता है, तो उस दुष्ट से उसकी रक्षा के लिए तत्पर रहना चाहिए। अन्याय सहन करना घोर पाप है । एक दिन महर्षि कश्यप के पुत्र महोत्कट काशी नरेश के पुत्र का विवाह संपन्न कराने जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने धूम्राक्ष राक्षस को एक दिव्य शस्त्र के साथ देखा । धूम्राक्ष ने काशी क्षेत्र में आतंक फैला रखा था। ऋषि महोत्कट को पिता का उपदेश याद आ गया। उन्होंने राक्षस धूम्राक्ष को चुनौती दे डाली तथा शस्त्र छीनकर उसी से उसका वध कर डाला। पता चलते ही धूम्राक्ष के पुत्र जघन और मनु ने महोत्कट ऋषि को काशी नरेश के महल में घेर लिया। ऋषि ने अपने तेज से इन राक्षसों का भी वध कर डाला। काशी के एक विद्वान पंडित ने ऋषि से कहा, 'आप ऋषि हैं। आपको धर्म-कर्म में ही रत रहना चाहिए। आपको धूम्राक्ष से बैर मोल लेने की क्या आवश्यकता थीं ?' महोत्कट ने कहा, 'साधु-संतों और ऋषियों का यह कर्तव्य भी होता है कि वे अधर्म और अन्याय को मूक बने रहकर सहन न करें। मैंने राक्षसों का संहार कर धर्म का ही पालन किया है।' काशी नरेश के पुत्र का विवाह कराकर वह अपने आश्रम लौट गए।

अमृत कलश

क्षमा और क्रोध

भीतर क्षमा हो, तो क्षमा निकलेगी। क्रोध हो, तो क्रोध निकलेगा । इस बात को एक मौलिक सूत्र की तरह अपने रदय में लिख कर रख छोड़ें कि जो आपके भीतर है, वही निकलेगा । हम मित्र उनको कहते हैं- नासमझी हमारी हद की है - हम मित्र उनको कहते हैंङ्क जो हमारे भीतर नहीं है, उसका हमें दर्शन कराते रहते हैं। और हम शत्रु उनको कहते हैं - नासमझी हमारी हद की है-कि जो हमारे भीतर है, उसका दर्शन कराएं, तो हम उन्हें शत्रु मान लेते हैं ! अगर कोई गाली दे और भीतर क्रोध आए, तो उसे धन्यवाद देना कि उसने एक अवसर दिया, परिस्थिति बनाई, जिसमें आपका क्रोध आपको दिखाई पड़ा। और अगर कोई व्यक्ति गाली देने वाले को भी धन्यवाद दे पाए, तो एक दिन उसके भीतर क्षमा की शक्ति पैदा होगी। वह क्षमा पाजिटिव है । वह क्षमा किसी क्रोध का पछतावा नहीं है; किसी क्रोध के लिए मांगी गई माफी नहीं है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आप क्रोध करना, तो माफी मत मांगना। लेकिन उस माफी को कृष्ण की क्षमा मत समझना । कृष्ण की क्षमा कोई और बात है । कृष्ण कहते हैं, क्षमा मैं हूं, सत्य मैं हूं, इंद्रियों का वश में करना मैं हूं, मन का निग्रह मैं हूं । मन का निग्रह, इंद्रियों को वश में करना - इस संबंध में थोड़ी-सी बात खयाल में ले लें। एक, व्यापक रूप से गलत धारणा हमारे भीतर है । जब भी हम सोचते हैं, इंद्रियों को वश में करना, तो कोई संघर्ष, कोई युद्ध, कोई लड़ाई, कोई भीतरी कलह का खयाल आता है । जब भी हम सोचते हैं, मन का निग्रह करना, तो कोई जबरदस्ती, कोई दमन, कोई रिप्रेशन करने का खयाल मन में आता है । वे बड़े गलत खयाल हैं । और जो व्यक्ति भी अपनी इंद्रियों को दुश्मन की तरह वश में करने जाएगा, वह मुसीबत में पड़ेगा। वह मालिक तो कभी न हो पाएगा, विक्षिप्त हो सकता है । और जो व्यक्ति जबरदस्ती अपने मन को ठोंक-पीटकर वश में करने की चेष्टा में लगेगा, उसका मन विद्रोही हो जाएगा, मन बगावती हो जाएगा; और मन उसे ऐसी जगह ले जाने लगेगा, जहां-जहां वह चाहता है कि मन न जाए। जहां-जहां चाहेगा कि न जाए मन, वहां-वहां जाने लगेगा। जहां-जहां रोकेगा मन, मन वहां-वहां और भी बहने लगेगा।

दुनिया के खुश देशों के आकलन में त्रुटि की पूरी संभावनाएं होने को दर्शाता है

सवालों के घेरे में हैं खुशहाल देशों की रैंकिंग

ललित गर्ग

> फिर भी एक बड़ा सवाल है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं। यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति–निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं। भारत सरकार इस रिपोर्ट को कितनी गंभीरता से लेती है, यह देखने वाली बात है। वैसे इस सूचकांक के अलावा भी जो दो अन्य सर्वे जारी हुए हैं, जिनमें एक कंसल्टिंग फर्म हैप्पीप्लस की 'द स्टेट ऑफ हैप्पीनेस 2023' रिपोर्ट के अनुसार, देश में करीब 35 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 2022 में नकारात्मकता और दुख का अनुभव किया है, यानी 65 प्रतिशत भारतीय लोग अपेक्षाकृत खुश हैं।

साल 2023 के लिए 'ग्लोबल हैप्पीनेस इंडेक्स' जारी कर दिया गया है, जिसमें फिनलैंड ने लगातार छठीं बार सर्वोच्च स्थान पाया है। यह बात भी गौर करने की है कि तीन अंकों का सुधार करके भारत इसमें 136वें स्थान पर पहुंचा है, जो आश्चर्यकारी है। इस सूची को जारी करने में अवश्य ही कोई पूर्वाग्रह या आग्रह दिखाई देता है। क्योंकि ऋण की गुहार लगाता एवं त्राहिमाम करता पाकिस्तान 103वें स्थान पर है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि शीर्ष 20 देशों की सूची में एशिया का एक भी देश शामिल नहीं है। कुछ ऐसी ही विडंबनाएं एवं विसंगतियां भी हैं, जो इस सूचकांक के महत्व को घटा देती हैं। जो दुनिया के खुश देशों के आकलन में त्रुटि की पूरी संभावनाएं होने को दर्शाता है। अनेक सवाल खड़े करती है यह खुशहाल देशों की रैंकिंग। चीन में लोगों को धार्मिक-आर्थिक आजादी भी सही ढंग से नहीं मिली है, पर वह 82वें स्थान पर है। नेपाल 85वें, तो बांग्लादेश 99वें स्थान पर है। आर्थिक रूप से बदहाल श्रीलंका 126वें स्थान पर है। ऐसे में, भारत की 136वीं रैंकिंग किसी को अचंभित कर सकती है, इस आकलन की गुणवत्ता एवं निष्पक्षता पर सवाल भी खड़े कर सकती है। हैप्पीनेस इंडेक्स में किसी देश की स्थिति जानने के लिए उसकी जीडीपी, वहां जीवन की गुणवत्ता और जीवन प्रत्याशा का देखा जाता है। इस साल में रैंकिंग में 150 से ज्यादा देशों के इन डाटा का अध्ययन करने के बाद सूची तैयार की गई है। इस बार 2020 से 2022 तक देशों के औसत जीवन मूल्यांकन के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। दो अन्य मोर्चों पर खुशहाली को मापने की कोशिश हुई है जिसमें भारत की इतनी बुरी हालात को नहीं दर्शाया गया है। फिर भी एक बड़ा सवाल है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं। यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं। भारत सरकार इस रिपोर्ट को कितनी गंभीरता से लेती है, यह देखने वाली बात है। वैसे इस सूचकांक के अलावा भी जो दो अन्य सर्वे जारी हुए हैं, जिनमें एक कंसल्टिंग फर्म हैप्पीप्लस की 'द स्टेट ऑफ हैप्पीनेस 2023' रिपोर्ट के अनुसार, देश में करीब 35 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 2022 में नकारात्मकता और दुख का अनुभव किया है, यानी 65 प्रतिशत भारतीय लोग अपेक्षाकृत खुश हैं। यह रिपोर्ट 36 राज्यों व

केंद्रशासित क्षेत्रों के 14 हजार लोगों की प्रतिक्रिया के आधार पर तैयार की गई है। एक अन्य सर्वे भी है, जिसके अनुसार, भारत में कम से कम 84 प्रतिशत लोगों ने खुश होने का दावा किया है। जीवन संतुष्टि पर आधारित यह 'इप्सोस ग्लोबल हैप्पीनेस सर्वे' बताता है कि दुनिया भर में 73 प्रतिशत लोग संतुष्ट हैं। वैसे दुख या खुशी एक ऐसी अवस्था है, जिस पर किसी सर्वे के जरिये एकमत नहीं हुआ जा सकता। फिर भी, ऐसी सूचियों से सकारात्मक प्रेरणा लेते हुए प्रसन्न समाज की संरचना के लिये तमाम तरह के प्रयास करने में ही भलाई है। खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है, यह टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, भरोसा, सामाजिक सहयोग, परोपकार, दान भावना, स्वतंत्रता और उदारता आदि को आधार बनाती है। रिपोर्ट का मकसद विभिन्न देशों के शासकों को आईना दिखाना है कि उनकी नीतियां लोगों की जिंदगी खुशहाल बनाने में कोई भूमिका निभा रही हैं या नहीं ? हमारा शीर्ष नेतृत्व आजादी के बाद से ही निरन्तर आदर्शवाद और अच्छाई का झूठ रचते हुए सच्चे आदर्शवाद के प्रकट होने की असंभव कामना करता रहा है, इसी से जीवन की समस्याएं सघन होती गयी है, नकारात्मकता का व्यूह मजबूत होता गया है, खुशी एवं प्रसन्न जीवन का लक्ष्य अधूरा ही रहा है, इनसे बाहर निकलना असंभव-सा होता जा रहा है। दूषित और दमघोंटू वातावरण में आदमी अपने आपको टूटा-टूटा सा अनुभव कर रहा है। आर्थिक असंतुलन, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था एवं भ्रष्टाचार उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित कर रहा है। ऐसे जटिल हालातों में इंसान कैसे खुशहाल जीवन जी सकता है ? इन गहन अंधेरों से बाहर निकलते हुए विगत एक दशक में सरकारों के कामकाज एवं नीतियों से एक आशावाद झलका है, कोरोना महामारी से निपटने में भी वर्तमान सरकारों की सकारात्मक भूमिका रही है। इसी से एक और खास बात सामने आयी है वह यह है कि तीन साल की महामारी का समग्रता में भारत की खुशी पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। भारत में खुशहाली को बढ़ावा देने में यहां की जनसंख्या सबसे बड़ी बाधा है। भारत जैसे विशाल और असमान विकास वाले देश के लिए 136वां स्थान कितना मायने रखता है ? भारत में कई तरह का भारत है, एक अमीर व खुशहाल भारत है, तो उसमें एक गरीब भारत भी है। गरीब भारत भी विकास कर रहा है, लेकिन आबादी इतनी ज्यादा है कि अभी देश को समग्रता में खुशहाल देशों में अव्वल स्थान बनाने में वक्त लगेगा। सबसे खुशहाल देश फिनलैंड की आबादी महज 55 लाख है, उसके लिए विकास आसान है। भारत के मुम्बई, दिल्ली, कोलकता शहर में इसमें कहीं ज्यादा लोग रहते हैं। खुश देशों की सूची में दूसरे स्थान रहे डेनामार्क में 58.6 लाख लोग रहते हैं, तीसरे स्थान पर रहे देश आइसलैंड में तो महज 3.73 लाख लोग होते हैं। वैसे भी खुशी महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो ? अधिकतर लोग छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है। खुशी एवं प्रसन्नता हम सबकी जरूरत है, लेकिन प्रश्न है कि क्या हमारी यह जरूरत पूरी हो पा रही है, ताजा आकलन से तो यही सिद्ध हो रहा है कि हम खुशी एवं प्रसन्नता के मामले में लगातार पिछड़ रहे हैं। विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि हमारा भारतीय समाज एवं यहां के लोग अपने ज्यादातर पड़ोसी समाजों से कम खुश है। खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं से मापा जाता है। लेकिन खुशियां का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं कंकाली दी है।

किस्सा अमृतपाल का

> अमृतपाल सिंह के भाषणों की तार्किक व्याख्या कर उसे अकादमिक रूप में पेश करना उसी गिरोह का काम था जो उसने बखूबी निभाया और निभा रहा है। इस बार अमृतपाल सिंह और उसको पंजाब के मैदान में उतारने वाले लोगों ने इस बात का ध्यान रखा कि सारा खेल जन कल्याण के नाम पर खेला जाए। यही कारण है कि अभियान नशा मुक्ति केन्द्रों के आवरण में ही छेड़ा गया। इन केन्द्रों को धार्मिक स्थानों से संचालित किया गया। लेकिन समय रहते अमृतपाल सिंह ने अपने सारे अभियान का बाटम लाईन खुद ही स्पष्ट कर दी थी कि मैं अपने आप को भारतीय नागरिक नहीं मानता हूं। उसका आभामंडल स्थापित करने के लिए सार्वजनिक रूप से हथियारों का प्रदर्शन करते हुए, एक जत्था निरंतर साथ चलता रहता था। इससे आम जनता में यह भ्रम फैलता है कि सरकार स्वयं ही इस नए समूह से भयभीत रहती है।

अमृतपाल सिंह के किस्से का पटाक्षेप अभी तक नहीं हुआ है। यानी वह अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। कहा जा रहा है कि पुलिस उसे ढूंढ रही है। इसमें तो कोई संशय नहीं कि देर-सवेर वह पकड़ में आ ही जाएगा। कहा जा रहा है कि अमृतपाल सिंह जिस समय दुबई में वाहन चलाने का काम कर रहा था तभी वह विदेशी एजेंसियों की पकड़ में आ गया था। अमृतपाल सिंह के व्यवहार, चाल-ढाल और भाषा से अन्दाज़ा लगाया जा सकता है कि विदेशी एजेंसियों ने उसे प्रशिक्षित करने में काफी समय खपाया है। लेकिन एक प्रश्न सहज ही उठाया जा सकता है कि कुछ लोग प्रश्न करते हैं कि यदि यह काम विदेशी एजेंसियों का ही होता तो वे कनाडा-अमेरिका से किसी अच्छे पढ़े लिखे व्यक्ति पर दांव लगातीं। दरअसल पंजाब में इन विदेशी एजेंसियों ने पंजाब में जिस काम को अंजाम देना है, उसके लिए ग्रामीण पृष्ठभूमि का कोई अर्ध शिक्षित रस्टिक व्यक्तित्व का व्यक्ति ही उपयोगी हो सकता है। उस ढांचे में अमृतपाल सिंह ही फिट बैठ सकता था। इस आन्दोलन में विदेशी एजेंसियां चाहती हैं कि उन द्वारा निर्माण किए गए हीरो के पीछे गांव के उस युवा को जोडऩा है जो एडवेंचरिजम से जल्दी प्रभावित हो जाता हो। अच्छी तरह प्रशिक्षित अमृतपाल सिंह ही इसके लिए सर्वाधिक उपयुक्त हो सकता था। लेकिन असली प्रश्न यह है कि जब कुछ विदेशी एजेंसियां इस सारे अभियान में लगी हुईं थीं, उस समय इसकी भनक हमारी एजेंसियों को क्यों नहीं लगी? आखिर यह सारा प्रशिक्षण और रणनीति कुछ महीनों में तो बनी नहीं होगी। एक बात और आश्चर्यचकित करती है कि अमृतपाल सिंह को कवरिंग फायर प्रदान करने के लिए बुद्धिजीवियों का एक पूरा गिरोह योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा था। अमृतपाल सिंह के भाषणों की तार्किक व्याख्या कर उसे अकादमिक रूप में पेश करना उसी गिरोह का काम था जो उसने बखूबी निभाया और निभा रहा है । इस बार अमृतपाल सिंह और उसको पंजाब के मैदान में उतारने वाले लोगों ने इस बात का ध्यान रखा कि सारा खेल जन कल्याण के नाम पर खेला जाए। यही कारण है कि अभियान नशा मुक्ति केन्द्रों के आवरण में ही छेड़ा गया। इन केन्द्रों को धार्मिक स्थानों से संचालित किया गया। लेकिन समय रहते अमृतपाल सिंह ने अपने सारे अभियान का बाटम लाईन खुद ही स्पष्ट कर दी थी कि मैं अपने आप को भारतीय नागरिक नहीं मानता हूं। उसका आभामंडल स्थापित करने के लिए सार्वजनिक रूप से हथियारों का प्रदर्शन करते हुए, एक जत्था निरंतर साथ चलता रहता था। इससे आम जनता में यह भ्रम फैलता है कि सरकार स्वयं ही इस नए समूह से भयभीत रहती है। सरकार के इस रवैए से नौकरशाही संकेत ग्रहण करती है। इसका उदाहरण तो सामने है ही। पंजाब के मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री के आचरण और भाषा से संकेत लेते हुए प्रधानमंत्री की सुरक्षा से ही समझौता कर लिया था। जो नौकरशाही अपने स्वार्थ के लिए प्रधानमंत्री की सुरक्षा से खिलवाड़ कर सकती है, उसके लिए आम पंजाबियों की सुरक्षा भला क्या मायना रखती होगी। जो लोग अमृतपाल सिंह को आगे करके सारा खेल खेल रहे थे, उनकी रणनीति में एक ऐसा पत्ता भी था जिसके चलते 'चित्त भी मेरी और पट भी मेरी' वाला मामला बनता था। अजनाला में वह खेल उन्होंने श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी की पालकी को आगे करते किया। अजनाला थाने पर कब्जा करने का यह सारा प्रकरण इसी पद्धति से हुआ। पुलिस गोली चला देती तो बेअदबी का मामला बनता था। इस काम के लिए पुलिस को उत्तेजित भी किया गया। यदि पुलिस इसके बाद भी उत्तेजित नहीं होती तब थाने पर कब्जा तो पक्का ही था । दोनों स्थितियों में लाभ यह सारी व्यूह रचना करने वालों को ही होता और ऐसा हुआ भी। सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले से उनके परिवार में उपजी निराशा और आम जनता में उत्पन्न भय को 'वारिस पंजाब दे' के साथ जोड़ कर एक नई लहर उत्पन्न करने का गहरा षड्यन्त्र था। हैरत की बात यह है कि आम आदमी पार्टी की सरकार मूसेवाला की निर्मम हत्या के बाद भी गैंगस्टरों पर काबू नहीं पा सकी। उसके पिता ने सार्वजनिक रूप से नाम लेकर कुछ लोगों के नाम लिए लेकिन सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंगी। सरकार के इस व्यवहार से आम आदमी पार्टी पर ही इस मामले को लेकर शक की सुई घूमने लगी कि कहीं यह पार्टी इस हत्या का किसी न किसी प्रकार से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश तो नहीं कर रही ? सरकार की इस अकर्मण्यता से दुखी बलकौर सिंह से अमृतपाल सिंह के लोगों ने भी यदि सम्पर्क कर लिया हो तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। सिद्धू मूसेवाला की बरसी पर उसके माता-पिता की बातों से यही लगता था कि सरकार यदि कुछ नहीं करती तो वे कहां जाएं ? इतिहास गवाह है कि ऐसे मौके पर गैंग आशा बंधाने चले जाते हैं। लेकिन इस प्रश्न का उत्तर तो भगवन्त सिंह मान को देना ही होगा कि क्या पुलिस में से ही किसी ने अमृतपाल सिंह को चलाने वालों को पुलिस के अभियान की ख़बर दे दी थी ? फिलहाल जांच पड़ताल के बाद इस पूरे षड्यन्त्र की जितनी परतें खुलती जा रही हैं, उससे इतना तो पता चलता ही है कि पंजाब में इस अभियान का आधार नहीं है। विदेशों से संचालित गिरोह, विदेश से ही ज्यादा हलचल कर रहा है। भारत सरकार को यह तो पूछना ही चाहिए कि अमेरिका, कनाडा व लंदन की सरकारें इस अभियान को हवा क्यों दे रही हैं ? यह राजनयिक शिष्टाचार व नियमों के खिलाफ है। पाकिस्तान को भी चेतावनी दी जानी चाहिए। अमृतपाल के संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से बताए गए हैं। पाकिस्तान भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रोत्साहन देता रहा है। इसलिए इस बार उसे कड़ी चेतावनी दी जाए। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में पक्के सुरक्षा बंदोबस्त करने होंगे। हमें किसी आतंकवादी घटना का इंतजार करने के बजाय पहले से ही कड़े सुरक्षा प्रबंध करने हैं।

देश दुनीया से

खेल सामान की खरीद में पारदर्शिता बरतें

खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। खेलों की बुनियादी जरूरत से जुड़े विषय पर पहले भी कई बार इस कॉलम के माध्यम से सचेत करवाया जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडिय़ों को मिले ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडिय़ों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इंसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरे हैं। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपये का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देखे जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम्म एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपये का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। ये खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल-खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महविद्यालय को दी जा रही है, जहां भी खेल सामान खरीदना हो वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों। जिस संस्थान को सामग्री मिले वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया।

> खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडिय़ों के साथ–साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है।

नागरिक बोध

लगा पोस्टर, निकली सियासत

राजधानी दिल्ली की दीवारों पर अचानक कुछ पोस्टर चिपका दिए गए-'मोदी हटाओ, देश बचाओ।' यह कोई देश-विरोध का नारा नहीं है और न ही चुनावी मौसम में अप्रत्याशित माना जा सकता है। भारतीय लोकतंत्र में ऐसे नारों और पोस्टरों की परंपरा नेहरू-कालखंड से रही है। 1962 में भारत-चीन युद्ध जारी था, लेकिन तब विपक्षी जनसंघ ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के खिलाफ नारों और पोस्टरों का अभियान छेड़ा था। आपातकाल के दौरान जयप्रकाश नारायण ने यह भी नारा दिया था-'इंदिरा हटाओ, देश बचाओ।' उस दौर में पोस्टर ही नहीं छापे गए, बल्कि काली स्याही से दीवारों पर भी नारे लिखे गए। भारतीय राजनीति में और भी उदाहरण होंगे, लेकिन दिल्ली में प्रधानमंत्री-विरोधी पोस्टर नजर आए, तो पुलिस ने करीब 140 प्राथमिकियां दर्ज कर लीं और 30 से अधिक लोगों को गिरफ्तार भी किया। यह सिलसिला अभी जारी है। यकीनन प्राथमिकी के संदर्भ में ये आंकड़े अभूतपूर्व हैं, क्योंकि पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराना टेढ़ी खीर है। पहले और अब की राजनीति में फर्क इतना ही है कि 2009 में एक कानून बनाया गया था। उसके मुताबिक, किसी भी पोस्टर पर प्रिंटिंग प्रेस और प्रकाशक का नाम छापना अनिवार्य है और पोस्टरों की संख्या सार्वजनिक करना भी लाजिमी है। ऐसा नहीं करना 'अपराध' माना जाता है। कुछ घंटों तक यह रहस्य बना रहा कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ पोस्टर-अभियान किसने छेड़ा है ? लेकिन 'आम आदमी पार्टी' (आप) के दफ्तर से पोस्टरों से भरी एक वैन निकल रही थी, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। बाद में 'आप' के कुछ मंत्रीनुमा नेताओं ने भी कबूल किया कि पोस्टर 'आप' ने ही छपवाए हैं। यह प्रधानमंत्री का विरोध-अभियान है, क्योंकि उन्होंने देश को ठगा है और अपने वायदे पूरे नहीं किए हैं। 'आप' ने यह मौका जानबूझ कर चुना है, क्योंकि पोस्टर कांड के अगले ही दिन 23 मार्च को भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव सरीखे क्रांतिकारियों का 'शहीदी दिवस' था।

इक्काडोर में पत्रकारों को भेजे जा रहे पेनड्राइव बम: कम्प्यूटर में लगाते ही हो जाता है धमाका, पहली बार हमले का ऐसा तरीका सामने आया

क्यूटो।
साउथ अमेरिका के देश इक्काडोर में पत्रकारों को विस्फोटक पेनड्राइव भेजी जा रही हैं। पत्रकार जैसे ही पेनड्राइव को अपने लैपटॉप या डेस्कटॉप में लगाते हैं, वो फट जाती है। इक्काडोर में 5 से ज्यादा पत्रकारों को ये पेनड्राइव भेजी गई हैं। 20 मार्च को इक्काडोर के स्थानीय टीवी चैनल इक्काविसा के ऑफिस में एक धमाका हुआ था। जांच हुई तो पता चला कि एक पत्रकार लेनिन आर्टिएडा को ये पेनड्राइव भेजी गई थी। उसने जैसे ही इसे अपने लैपटॉप में लगाया, धमाका हो गया। धमाके में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

पुलिस को एक संदिग्ध पर शक – जर्नलिस्ट लेनिन आर्टिएडा क्राइम और करप्शन से जुड़ी इन्वेस्टिगेटिव खबरों के लिए जाने जाते हैं। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध की पहचान की है। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की गई है। पुलिस के मुताबिक, हमले का ऐसा तरीका पहली बार देखा गया है।

पूरा आरडीएक्स फटता तो धमाका बड़ा होता – इक्काविसा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस पेनड्राइव के अंदर एक कैप्सूल था, जिसमें आरडीएक्स भरा हुआ था। धमाके के दौरान पेनड्राइव में मौजूद आधा आरडीएक्स ही फटा था। अगर पूरा आरडीएक्स फटा होता तो धमाका कहीं ज्यादा बड़ा होता। माना जा रहा है कि कम्प्यूटर में पेनड्राइव लगाने पर आरडीएक्स को इलेक्ट्रिक चार्ज मिल गया। इससे वो एक्टिवेट होकर फट गया। फंडामीडियोज एनजीओ के मुताबिक, टीसी, रेडियो एक्सा और टेलीयामाजोनस नाम के 3 और चैनल के पत्रकारों को विस्फोटक पेनड्राइव मिली थी। उन्होंने भी पेनड्राइव कम्प्यूटर में लगाई लेकिन वो नहीं फटी। पुलिस ने कहा कि ये पेनड्राइव कम्प्यूटर की बजाय अडाप्टर में लगाई गई थीं। इससे आरडीएक्स को पर्याप्त इलेक्ट्रिक चार्ज नहीं मिल पाया और धमाका नहीं हुआ। जांच कर रहे अधिकारियों ने बताया कि टेलीयामाजोनस चैनल के जर्नरिस्ट मिल्टन पेरेज को पैकेज में पेनड्राइव के साथ एक नोट भी मिला।

न्यूज ब्रीफ

नॉर्थ कोरिया ने टेस्ट किया अंडर-वॉटर न्यूक्लियर ड्रोनः लॉन्च से पहले 59 घंटे पानी में रखा, इससे लाई जा सकती है रेडियोएक्टिव सुनामी

प्योंगयांग। नॉर्थ कोरिया ने मिसाइलों के बाद अब अंडर वॉटर न्यूक्लियर ड्रोन का सफल परीक्षण किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक नॉर्थ कोरिया की मिलिट्री ने एक ऐसा न्यूक्लियर ड्रोन तैयार किया है जो रेडियो एक्टिव सुनामी लाने के साथ-साथ दूसरे देशों के पोर्ट्स, यानी बंदरगाहों को आसानी से तबाह कर सकता है। 21 से 23 मार्च के बीच हुई न्यूक्लियर ड्रोन की टेस्टिंग को खुद नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने मॉनिटर किया। न्यूक्लियर ड्रोन को फायर करने से पहले उसे साउथ हमयोंग प्रोविंस के पास समुद्र में 260 से 490 फीट नीचे 59 घंटे और 12 मिनट तक रखा गया था। नॉर्थ कोरिया ने अपने नए अंडर वॉटर न्यूक्लियर ड्रोन को हाइल नाम दिया है। जिसका मतलब कोरियन भाषा में सुनामी होता है। बताया कि इस रेडियोएक्टिव न्यूक्लियर ड्रोन को आसानी से किसी भी पोर्ट पर तैनात किया जा सकता है। अंडर वॉटर न्यूक्लियर ड्रोन को साल 2012 से तैयार किया जा रहा था। पिछले दो सालों में इससे जुड़े 50 टेस्ट किए जा चुके थे। इसकी टेस्टिंग के दौरान किम जोंग उन ने कहा कि ये ड्रोन अमेरिका और साउथ कोरिया को हमारी चेतावनी है। उन्हें ये पता होना चाहिए कि नॉर्थ कोरिया अपनी सुरक्षा के लिए हर तरह से तैयार है। नॉर्थ कोरिया ने अकेले मार्च के महीने में अब तक 6 मिसाइलों की टेस्टिंग की है। बुधवार को ही 4 क्रूज मिसाइलों का टेस्ट किया गया था। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के इस महीने में लगातार इस तरह से मिसाइलों का टेस्ट करने के पीछे साउथ कोरिया और अमेरिका की ज्वाइंट मिलिट्री एक्सरसाइज है। जो पांच साल बाद हो रही है। नॉर्थ कोरिया इसे भड़काऊ हरकत बता रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में बोले केंद्रीय मंत्रीः जल क्षेत्र में 19 लाख 73 हजार करोड़ रुपये निवेश करेगा भारत, ये बातें भी कहीं

संयुक्त राष्ट। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संयुक्त राष्ट को बताया कि भारत ने जल क्षेत्र में 240 अरब डॉलर से अधिक यानी 19 लाख 73 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश करने का फैसला लिया है। इसके जरिए भूजल स्तर को बेहतर करने की कोशिश होगी और दुनिया के सबसे बड़े बांध पुनर्वास कार्यक्रम को लागू किया जाएगा। शेखावत ने संयुक्त राष्ट जल सम्मेलन 2023 को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जल सुरक्षा सुनिश्चित करने और सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने की दिशा में भारत में किए जा रहे महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों और प्रयासों पर प्रकाश डाला। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, हमने निजी इनोवेटर्स, स्टार्ट-अप्स और जल-उपयोगकर्ता संघों के साथ साझेदारी में सरकारी संसाधनों के माध्यम से जल क्षेत्र में 240 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। भारत स्वच्छता और पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दो प्रमुख मिशनों को लागू कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत जल भंडारण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए दुनिया में सबसे बड़ा बांध पुनर्वास कार्यक्रम लागू कर रहा है। शोखावत ने कहा, देश के अनूठे भूगोल के कारण, भारत दुनिया में भूजल के सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से एक है। हालांकि, आज हम भूजल स्तर को बहाल करने और ग्रामीण जल सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से मांग और आपूर्ति पक्ष के हस्तक्षेप को जोड़कर जागरूक समुदाय बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

उइगरों के मुद्दे पर डोलकुन ईसा को यूएनएचआरसी में बोलने से चीन ने रोका, फिर ऐसे मिली मंजूरी

संयुक्त राष्ट। संयुक्त राष्ट मानवाधिकार परिषद में एक बार फिर से चीन ने उइगर मुसलमानों का मुद्दा उठने से रोकने की कोशिश की। यूएनएचआरसी में जब उइगर कांग्रेस के अध्यक्ष डोल्कन ईसा बोलने के लिए उठे तो चीन ने इसका विरोध शुरू कर दिया। चीनी राजनयिक ने कहा कि डोल्कन ईसा तथाकथित एनजीओ का प्रतिनिधि नहीं है। चीनी राजनयिक ने डोल्कन ईसा को चीन विरोधी और अलगाववादी, हिंसक तत्व कहा। यूएनएचआरसी में चीनी राजनयिक ने अध्यक्ष को संबोधित करते हुए कहा, हमारे पास उस वक्ता की योग्यता को चुनौती देने का कारण है। वह तथाकथित एनजीओ का प्रतिनिधि नहीं है, फिर भी खुद को मानवाधिकार रक्षक बताता है। बल्कि, वह चीन विरोधी और अलगाववादी और हिंसक तत्व है।

फ्रांस में पेंशन बिल के विरोध में हिंसा

बस स्टॉप-दुकानों में तोड़फोड़, 35 लाख लोग सड़कों पर उतरे ; मैक्रों बोले- बिल देश हित में

पेरिस।
फ्रांस में पेंशन रिफॉर्म बिल के खिलाफ गुरुवार को अलग-अलग शहरों में 200 से ज्यादा प्रदर्शन हुए। करीब 35 लाख लोग मैक्रों सरकार के फैसले के खिलाफ सड़कों पर उतरे। राजधानी पेरिस में करीब 8 लाख लोगों ने मार्च निकाला। देर रात कई प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प भी हुई। बोर्डो शहर में गुस्साए लोगों ने सिटी हॉल के मेन गेट पर आग लगा दी। यूनियन की तरफ से प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथ में झंडे, पोस्टर और बैनर थे। इस पर पेंशन बिल और मैक्रों विरोधी नारे लिखे हुए थे।

रिटायरमेंट उम्र 62 से बढ़ाकर 64 करने के विरोध में चल रहे प्रदर्शन के दौरान ज्यादातर शहरों में स्कूल और कॉलेज बंद रहे। कुछ शहरों में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बस स्टॉप, होर्डिंग, दुकान की खिड़कियों और न्यूजपेपर स्टॉल्स पर तोड़फोड़ भी की। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डारमैनिन ने बताया कि झड़प में करीब 441 पुलिसकर्मी घायल हुए। वहीं प्रदर्शनकारियों में से करीब 457 लोगों को हिरासत में लिया गया।

मैंक्रों बोले- लोगों को बिल की जरूरत नहीं समझा पाए

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था- मुझे इस बिल का कोई अफसोस नहीं है। हम देश हित के लिए जरूरी है। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगी। मुझे सिर्फ एक बात का दुख है कि मैं फ्रांस के लोगों को इस बिल की जरूरत नहीं समझा पाया। कोरोना के बाद देश में महंगाई बढ़ गई है। इसी वजह से हमें इस बिल की जरूरत है।

9 वोटों के अंतर से सरकार ने जीता था अविश्वास प्रस्ताव

इससे पहले 20 मार्च को सरकार के खिलाफ संसद में 2 अविश्वास प्रस्ताव लाए गए थे। ये दोनों ही प्रस्ताव मैक्रों सरकार ने जीत लिए थे। हालांकि, इनमें से एक में सरकार ने सिर्फ 9 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। दूसरी तरफ, संसद में बिल पास होने के बाद इसे कानून की शक्ल दे दी गई। बिल के तहत फ्रांस में रिटायरमेंट एज 64 से बढ़ाकर 66 साल कर दी गई।

बिना वोटिंग पास हुआ था बिल

16 मार्च को फ्रांस की नेशनल असेंबली में प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने संवैधानिक ताकत का इस्तेमाल करते हुए बिना वोटिंग के ही बिल पास करवा दिया था। पीएम ने आर्टिकल 49.3 का इस्तेमाल किया जिसके तहत बहुमत न होने पर सरकार के पास बिना वोटिंग के बिल पास कराने का अधिकार है। इसके बाद विपक्षी नेता मरीन ले पेन ने इमैनुएल मैक्रों की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात कही थी।

अब 43 साल काम करना जरूरी

फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक, नई पेंशन योजना के तहत रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने का फैसला लिया गया। इस योजना के तहत पूरी पेंशन के लिए जरूरी न्यूनतम सेवा काल की अवधि भी बढ़ा दी गई है। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने बताया कि नई पेंशन योजना के प्रस्तावों के तहत 2027 से लोगों को पूरी पेंशन लेने के लिए कुल 43 साल काम करना होगा। अभी तक न्यूनतम सेवा काल 42 साल था। सरकार इसे फ्रांस की शेयर-आउट पेंशन सिस्टम की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में बता रही है। सरकार का कहना है कि काम करने वालों और सेवानिवृत्त लोगों के बीच का अनुपात तेजी से कम हो रहा है। जिसे देखते हुए रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। ज्यादातर यूरोपियन कंट्रीज ने रिटायरमेंट एज बढ़ाई है। इटली और जर्मनी में रिटायरमेंट की उम्र 67 साल है। स्पेन में ये 65 साल है। ब्रिटेन में रिटायरमेंट की उम्र 66 साल है। वहीं फ्रांस के लोग अपने पेंशन रिफॉर्म बिल से खासतौर पर जुड़े हुए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि एक लंबी लड़ाई लड़ने पर सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद नेशनल रेजिस्टेंस काउंसिल ये कानून लेकर आया था। पेंशन रिफॉर्म बिल को लेकर इससे पहले 1995 और 2010 में भी प्रदर्शन हो चुके हैं।

पीटीआई के सोशल मीडिया हेड का अपहरण, इमरान खान ने पुलिस प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई चेयरमेन इमरान खान ने उनकी पार्टी के कार्यकर्ता को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की आलोचना की है और पंजाब और इस्लामाबाद पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बता दें कि पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के सोशल मीडिया हेड अजहर माशवानी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इमरान खान ने आरोप लगाए कि पुलिस ने माशवानी का अपहरण किया है।

इमरान खान ने पुलिस प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

पीटीआई चीफ इमरान खान ने ट्वीट करते हुए पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इमरान खान ने लिखा कि बहुत हुआ! पंजाब और इस्लामाबाद की पुलिस सभी नियमों को बेशर्मी के साथ तोड़ रही है और पीटीआई कार्यकर्ताओं को निशाना बना रही हैं। आज अजहर माशवानी को दोपहर में लाहौर से उठा लिया गया और वह कहां है, इसकी भी जानकारी नहीं है। इससे पहले 18 मार्च को भी पुलिस ने सीनेटर शिबली फराज और ओमर सुल्तान को बुरी तरह पीटा था।

इमरान खान ने लिखा कि हसन नियाजी को भी जमानत मिलने के तुरंत बाद हिरासत में ले लिया गया था और उन पर नए चार्ज लगा दिए गए थे ताकि उन्हें जेल में बंद रखा जा सके। इमरान खान ने कहा कि मैं पंजाब पुलिस के आईजी और अन्य अधिकारियों की तस्वीरें उनके आपराधिक व्यवहार के चलते मानवाधिकार संगठनों को भेज रहा हूं। ताकि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन उनकी पहचान कर सकें, जो गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लेने वालों, अवैध रूप से लोगों के घरों में घुसने वालों और हिरासत में प्रताड़ित करने वालों की पहचान कर सकें।

पीटीआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ दबिश जारी

पीटीआई के नेता और पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने भी अजहर माशवानी को हिरासत में लेने की आलोचना की। उन्होंने मांग की कि अजहर को कोर्ट में पेश किया जाए और उनके खिलाफ लगे आरोपों की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाए। बता दें कि बीते हफ्ते में भी रावलपिंडी की पुलिस ने रात में दबिश देकर 30 से ज्यादा पीटीआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था।

चीन से संबंध पर टिकटॉक के सीईओ से हुई लंबी पूछताछ, भारत के प्रतिबंध को काल्पनिक और सैद्धांतिक बताया

वाशिंगटन।
अमेरिका की बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और टिकटॉक कंपनी पर चीनी सरकार के संभावित प्रभाव के बीच टिकटॉक के सीईओ शाउ जी च्यू ने गुरुवार को अमेरिकी कांग्रेस के सामने गवाही दी। कांग्रेस समिति के समक्ष शाउ जी च्यू की यह पहली उपस्थिति है। दरअसल, चीनी सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर आरोप है कि वह अपने डाटा चीन की सेना- पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को मुहैया कराता है। अमेरिकी हाउस एनर्जी एंड कॉमर्स कमेटी से प्रतिकूल पूछताछ का सामना करना पड़ा। पूछताछ के दौरान च्यू ने बार-बार यह जताने की कोशिशि की कि उनकी कंपनी टिकटॉक अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए वास्तविक रूप से कार्रवाई कर रही है। चार घंटे की लंबी सुनवाई के दौरान च्यू ने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि चीनी प्रौद्योगिकी कंपनी बाइटडांस के स्वामित्व वाले टिकटॉक एप लंबे समय से कहता आ रहा है कि यह चीनी सरकार के साथ डाटा साझा नहीं करता है और यह अमेरिका में अपने 15 करोड़ उपयोगकर्ताओं के लिए जोखिम पैदा नहीं करता है और न ही चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अपना डाटा साझा करता है। अमेरिकी सांसद डेब्बी लेस्को ने पूछताछ के दौरान भारत और अन्य देशों का हवाला दिया, जिन्होंने हाल ही में किसी न किसी रूप में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया है। लेस्को ने च्यू से पूछा, यह (टिकटॉक) एक ऐसा उपकरण है जो अंततः चीनी सरकार के नियंत्रण में है इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है, ये सभी देश जो टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा रहे हैं और हमारे एफबीआई निदेशक गलत कैसे हो सकते हैं च्यू ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि बताए गए बहुत सारे जोखिम काल्पनिक और सैद्धांतिक जोखिम हैं। मुझे इस बारे में कोई सबूत नहीं मिला है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की रिपब्लिकन महिला सांसद डेब्बी लेस्को ने एक बार फिर दोहराया और भारत द्वारा लगाए गए प्रतिबंध पर जोर दिया। भारत ने 2020 में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया था। मार्च में फोर्ब्स के एक लेख में खुलासा किया गया था कि किस तरह टिकटॉक का इस्तेमाल करने वाले भारतीय नागरिकों का डाटा कंपनी और उसकी बीजिंग स्थित पैरेंट कंपनी बाइटडांस के कर्मचारियों तक पहुंचाया जा रहा है।

अमेरिकी प्रेस क्लब में खुली पाकिस्तानियों की पोल, कश्मीर पर चर्चा के समय धक्के देकर बाहर निकाले गए

वाशिंगटन।
अमेरिका के वाशिंगटन डीसी स्थित प्रेस क्लब में शनिवार को पाकिस्तानियों ने खुद से अपनी पोल खोल दी। दाने-दाने को मोहताज पाकिस्तानी कहीं भी बाज नहीं आते। शनिवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ। यहां वॉशिंगटन डीसी स्थित प्रेस क्लब में कश्मीर के बदलाव विषय पर चर्चा हो रही थी। इसका आयोजन इंटरनेशनल सेंटर फॉर पीस स्टडीज की तरफ से किया गया था। बताया जाता है कि इस दौरान कश्मीर के रहने वाले कुछ लोगों को बुलाया गया था। उन्होंने अपने भाषण में केंद्र सरकार द्वारा कश्मीर में किए जा रहे विकास कार्यों और अच्छे बदलावों की तारीफ करनी शुरू कर दी। बस फिर क्या था... वहां मौजूद कुछ पाकिस्तानी अफसरों को ये तारीफ रास नहीं आई। उन्होंने बीच कार्यक्रम में हंगामा करना शुरू कर दिया। जिसके बाद उन्हें कार्यक्रम से धक्के मारकर बाहर कर दिया गया।

भारतीयों ने ऐसे दिया जवाब – वाशिंगटन डीसी प्रेस क्लब में इंटरनेशनल सेंटर फॉर पीस स्टडीज ने कश्मीर – फ्रॉम टर्मोइल टू विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की थी। इस पैनलिस्ट में जम्मू कश्मीर वर्कर्स पार्टी के अध्यक्ष मीर जुनैद और जम्मू कश्मीर में बारामुला नगर परिषद के अध्यक्ष तौसीफ रैना भी शामिल थे। मीर जब अपनी बात रख रहे थे, तभी कुछ पाकिस्तानी खड़े होकर हंगामा करने लगे। इसका एक वीडियो ट्विटर पर शेयर हुआ है। इस वीडियो में एक पाकिस्तानी शख्स बेहद गुस्से में दिख रहा है। उसे कुछ लोग धक्के देकर निकाल रहे हैं। इस दौरान पाकिस्तानी चिल्लाते हुए जाता है कि फ्रीडम ऑफ स्पीच का गला घोंटा जा रहा है। पाकिस्तानी शख्स की इस हरकत का कश्मीर के वक्ताओं ने तुरंत जवाब दिया। वीडियो में वक्ता को कहते हुए सुना जा सकता है कि भगवान तुम्हें सद्बुद्धि दें। पूरे दर्शकों ने आज आपका असली चेहरा देख लिया। हमने कश्मीर में जो देखा, हमने आज वाशिंगटन में जो देखा और आज पूरी दुनिया ने देख लिया कि ये लोग कितने क्रूर हैं। ऑडियंस देख रहा है कि कश्मीर की बर्बादी के पीछे तुम लोग ही हो। यही लोग हैं, जो जम्मू कश्मीर का माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं। इसपर हॉल में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठती है।

कश्मीर का पुनर्जन्म हुआ – मीर जुनैद ने विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि कश्मीर का शांति, समृद्धि और प्रगति की भूमि के रूप में पुनर्जन्म हुआ है। जम्मू और कश्मीर ने कई बदलाव देखे हैं जो इसे विरोध की स्थिति से एक प्रगतिशील केंद्र शासित प्रदेश में ले गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान पर हमला करते हुए कहा, हमें अब विवादास्पद बयानबाजी से परे देखना होगा। जो देश वैश्विक मंचों पर दुनिया को बेवकूफ बनाने का ढोल पीट रहे हैं, उनका कश्मीर की शांति, प्रगति और समृद्धि से कोई लेना-देना नहीं है। इस तथ्य को स्वीकार करें कि कश्मीर उनके लिए एक अस्तित्वगत समस्या है।

इजराइली पीएम को अब सुप्रीम कोर्ट भी नहीं हटा सकेगा

नेतन्याहू के खिलाफ करप्शन केस में फैसले से पहले बिल पास, विपक्ष बोला- तानाशाही

तेल अवीव।
इजराइल में गुरुवार को सरकार ने एक नया बिल पास किया। इसके तहत अब सुप्रीम कोर्ट भी प्रधानमंत्री को पद से नहीं हटा सकेगा। प्रधानमंत्री के फिजिकली या मेंटली अनफिट होने पर सिर्फ सरकार ही उन्हें अयोग्य घोषित करके अस्थायी तौर पर हटा सकती है। इसके लिए भी तीन-चौथाई सांसदों का समर्थन जरूरी होगा। इसके अलावा देश के प्रधानमंत्री संसद को जानकारी देकर खुद इस्तीफा दे सकते हैं। इसके लिए उन्हें दो-तिहाई सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी। इजराइल की संसद में लंबी बहस के बाद ये बिल 61-47 वोटों के अंतर से पारित हुआ।

पीएम नेतन्याहू पर चल रहे हैं 3 करप्शन केस – विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया कि ये कानून पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को बचाने के लिए बनाया गया है। दरअसल नेतन्याहू के ऊपर 3 करप्शन केस चल रहे हैं। इनमें रिश्वत लेने, अपने खास लोगों से महंगे तोहफे लेने और मीडिया कंपनियों से सरकार के पक्ष में खबरें दिखाने की डील करने के आरोप हैं। इसके अलावा इजराइल में ज्युडीशियल रिफॉर्म को लेकर भी नेतन्याहू सरकार संकट में है।

ज्यूडीशियल रिफॉर्म बिल पर घिरी सरकार – ज्युडीशियल रिफॉर्म बिल के तहत संसद को एससी के फैसलों को पलटने का अधिकार मिल जाएगा। इसे लेकर देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। 2020 के एग्रीमेंट के तहत नेतन्याहू खुद इस बिल से जुड़े कामों में इनवॉल्व नहीं हो सकते हैं। इस बिल के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शन को देखते हुए फरवरी में अटॉर्नी जनरल बहराव मियारा ने नेतन्याहू को पद से हटाने के संकेत दिए थे।

खुद को जेल जाने से बचा रहे नेतन्याहू – विपक्षी पार्टी के लीडर येर लापिद ने कहा- सरकार ने चोरों की तरह रात में बिल पास कराया है। इससे साबित होता है कि नेतन्याहू को जनता से नहीं बल्कि सिर्फ खुद से मतलब है। हम हाईकोर्ट में इसके खिलाफ पिटीशन लगाएंगे। इजराइल में लोकतंत्र है। हम इसे नेतन्याहू की तानाशाही में नहीं बदलने देंगे। वहीं लेबर लीडर मेरव मिखेली ने कहा- ये कानून सिर्फ नेतन्याहू को जेल जाने से बचाने के लिए बनाया गया है। हम इसके खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे।

मंत्रियों से जुड़े फैसलों में दखल नहीं दे पाएगी अदालत – नेतन्याहू सरकार एक और बिल लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत अदालत सरकार में मिनिस्टर बनाने या हटाने में कोई दखल नहीं दे पाएगी। दरअसल, इजराइल की अटॉर्नी जनरल बहराव मियारा ने जनवरी में नेतन्याहू को अपने खास मंत्री आर्ये डेरी को पद से हटाने के लिए मजबूर किया था। उन पर कई आर्थिक अपराधों को लेकर हाईकोर्ट में केस चल रहा था। नए बिल के बाद नेतन्याहू सरकार में डेरी की वापसी मुमकिन हो जाएगी।

बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री बांटने के आरोप में भारतीय नागरिक दोषी, कोर्ट ने सुनाई 188 महीने की सजा

वॉशिंगटन। एक 34 वर्षीय भारतीय नागरिक को अमेरिका की अदालत ने बच्चों के यौन शोषण को बढ़ावा देने के मामले में दोषी ठहराया है। अदालत ने दोषी व्यक्ति को 188 महीने जेल की सजा सुनाई है। भारतीय नागरिक एक क्रूज शिप का कर्मचारी है और उस पर बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री को बांटने का आरोप सिद्ध हुआ है। अमेरिका के न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। बता दें कि एंजेलो विक्टर फर्नांडिज, गोवा का निवासी है और फिलहाल अमेरिका में एक क्रूज शिप पर नौकरी कर रहा था। आरोप है कि एंजेलो ने साल 2022 में डेनियल स्कॉट क्रो नामक व्यक्ति बच्चों के यौन शोषण से संबंधित 13 वीडियो सोशल मीडिया एप के माध्यम से भेजे थे। फर्नांडिज ने मैसेज में ये भी कहा था कि वह क्रूज शिप पर यात्रा के दौरान बच्चों के यौन शोषण का भी इंतजाम कर देगा। ये संदेश ही फर्नांडिज के खिलाफ अहम सबूत साबित हुए। सरकारी वकील ने ये भी बताया कि एक अन्य व्यक्ति के साथ भी मैसेजिंग एप पर बातचीत के दौरान फर्नांडिज ने दावा किया था कि वह शारीरिक संबंध बनाने के लिए नाबालिग बच्चों का इंतजाम कर सकता है।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म करना तानाशाही का एक और उदाहरण : गहलोत

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मानहानि केस में लोकसभा सदस्यता खत्म किए जाने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार और भाजपा को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म करना तानाशाही का एक और उदाहरण है। भाजपा ये ना भूले कि यही तरीका उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ भी अपनाया था और मुंह की खानी पड़ी। राहुल गांधी देश की आवाज हैं जो इस तानाशाही के खिलाफ अब और मजबूत होगी। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म किए जाने के निर्णय से नाराज सीएम गहलोत ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में राहुल ने महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और हिंसा का मुद्दा उठाया। इन पर ध्यान देने की जगह भाजपा सरकार राहुल जी के खिलाफ दमनकारी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि ये समझ के परे है कि भाजपा नीरव मोदी और ललित मोदी जैसे बेइमानों के समर्थन

में क्यों खड़ी हो रही है? भाजपा को बताना चाहिए कि गरीबों के हक को लूटकर विदेश भागने वाले नीरव मोदी, ललित मोदी चोर नहीं हैं? इससे पूर्व दिल्ली रवाना होने से पहले जयपुर में मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा कि लोअर कोर्ट के फैसले के बाद आगे हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट है। इतनी क्या जल्दी थी कि आपने इस तरह का फैसला कर लिया। अचानक इतने बड़े नेता की लोकसभा मेंबरशिप खत्म कर दी जिसका पूरे देश में एक मैसेज है जिसके बड़ी संख्या में समर्थक हैं। लोग इन्हें बक्शने वाले नहीं है। सीएम ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे देश में भय का माहौल बना रखा है। ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स ज्यादती कर रहे हैं। न्यायपालिका- चुनाव आयोग तक दबाव में है। पूरे देश का मिजाज बता रहा कि सरकार की मंशा ठीक नहीं है। यह तानाशाही प्रवृत्ति है। संसद चल नहीं पा रही है, क्या एक सांसद बोल नहीं सकता, जब वह सफाई देता है तो सत्तापक्ष वाले हंगामा करते हैं, यह देश में पहली बार हो रहा है। गहलोत ने कहा कि सत्ता पक्ष जब खुद ही पार्लियामेंट को डिस्टर्ब कर रहा है तो यहां कैसे डेमोक्रेसी रहेगी। जब से भारत जोड़ो यात्रा हुई है पूरे देश में महंगाई, बेरोजगारी का मैसेज गया। हिंसा मुक्त भारत, प्रेम-मोहब्बत और भाई-चारे से रहने का संदेश दिया। तब से सरकार घबराई हुई है। कोई न कोई बहाना करके यह प्रयास किया जा रहा है कि संसद के अंदर कांग्रेस और विपक्ष के लोग बोल नहीं पाए। सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार को यह भारी पड़ेगा। इंदिरा गांधी को भी इन लोगों ने तंग किया था। उन्हें संसद से निष्कासित कर दिया था। बाद में ऐसी आंधी चली कि इंदिरा गांधी भारी बहुमत से जीती। आज जो केंद्र कर रहा है। इस तानाशाही को जनता पसंद नहीं करेगी और 2024, के लोकसभा चुनावों में जनता इन्हें सबक सिखाएगी। हिंदू-मुस्लिम करके आपने दो चुनाव जीत लिए। अब जनता इसको लाइक नहीं करती। कुछ सीमा के बाद जनता मनमानी पसंद नहीं करती। इंदिरा गांधी- अटल बिहारी जैसी नेता चुनाव हार गए थे। गहलोत ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सलाह देते हुए कहा कि मोदी को चाहिए कि वह सलाहकारों के चक्कर में नहीं आएं। इनके नेता कह रहे हैं कि राहुल ने ओबीसी का अपमान कर दिया। राहुल गांधी सब वर्गों की इज्जत करते हैं। मोदी जी खुद ओबीसी से हैं, जिस तरह का बर्ताव राहुल के साथ किया उसे देश का ओबीसी बर्दाश्त नहीं करेगा।

फिरोजपुर में सड़क हादसा, तीन अध्यापकों और चालक की मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के फिरोजपुर में आज सुबह गांव खई फेम के पास सड़क हादसे में चालक और तीन अध्यापकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह शिक्षक हमेशा की तरह फिरोजपुर से जिला तरनतारन जिले के स्कूलों में वाहन से पढ़ाने जा रहे थे। बताया गया है कि तूफान वाहन में सात -आठ शिक्षक सवार थे। उनका वाहन फिरोजपुर-फाजिल्का रोड (लाखों के बेहराम थाना) पर खाई फेम के पास टेंपो ट्रैवलर से टकरा गया। हादसे में तीन शिक्षकों और चालक की मौत हो गई, जबकि बाकी शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों व आसपास के लोगों ने घायल शिक्षकों को अस्पताल में भर्ती कराया। इस संबंध में बहराम थानाध्यक्ष बचन सिंह ने बताया कि खाई के पास भीषण सड़क हादसा हुआ है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

राहुल गांधी बहादुर और ईमानदार हैं : हरमोहिंदर सिंह चड्ढा

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के पूर्व विधानसभा स्पीकर हरमोहिंदर सिंह चड्ढा शुक्रवार को हरियाणा की पूर्व संसदीय सचिव कृष्णा पंडित के निवास स्थान पर पहुंचे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि आज केंद्र में बैठी भाजपा सरकार विपक्ष को खत्म करने पर तुली हुई है। आज लोकतंत्र व्यवस्था में विपक्ष और जनता की आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मीडिया, विपक्ष या आमजन अगर किसी सरकार की किसी बात से सहमत नही है, तो बोलने नहीं दिया जाता। अगर कोई कुछ बोलता है तो उसके पीछे सरकारी एजेंसी लगा दी जाती है। उसे सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 50 साल के शासन में ऐसा कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि आज राजनीति का स्तर गिर रहा है। हम इसकी घोर निंदा करते हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि ससंद के अंदर कांग्रेस और विपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता। उनके माइक बंद कर दिया जाते हैं। उनके सवाल हटा दिए जाते है। उन्होंने कहा कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा के शीर्ष विपक्ष को इसलिए भी खत्म करना चाहते हैं कि उनकी तानाशाही कल को बरकरार रहें। जनता की आवाज को उठाना विपक्ष का काम होता है। आज सरकार महंगाई, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों से ध्यान भटका कर धर्म और जा की राजनीति कर देश को बांटने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सदस्यता रद्द होने से कांग्रेस कमजोर नही होगी।

बेहतर शिक्षा से ही मजबूत होती है लोकतंत्र की नींव : मुख्यमंत्री

टोंक (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि बेहतर शिक्षा से ही लोकतंत्र की नींव मजबूत होती है। हमारी सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए योजनाएं बनाई हैं। राज्य सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 1935 में स्थापित वनस्थली विद्यापीठ महिला शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श संस्थान के रूप में खड़ा है। गहलोत शुक्रवार को टोंक जिले में वनस्थली विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के 87वें वार्षिकोत्सव समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने छात्राओं की परेड का निरीक्षण कर सलामी ली तथा झंडारोहण कर वार्षिकोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। गहलोत ने विश्वविद्यालय परिसर का अवलोकन किया तथा परिसर में स्थित शांताबाई शिक्षा कुटीर व गांधी घर का निरीक्षण किया। इस दौरान विश्वविद्यालय की छात्राओं ने तिलक लगाकर व सूत की माला पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनस्थली विद्यापीठ देश में सर्वोच्च संस्थानों में अपना स्थान रखता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री प. जवाहर लाल नेहरू यहां आए एवं संस्थान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हम सभी इस संस्थान में आकर गौरवान्वित महसूस करते है। मैं इस विद्यापीठ के संस्थापक व राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री प. हीरालाल शास्त्री को नमन करता हूं, जिन्होंने देशभर की बालिकाओं को यहां पढ़ने का अवसर प्रदान किया।

टैक्स जमा न करने पर नगर निगम ने की 20 इकाइयां सील

फरीदाबाद (हिंस)। निगमायुक्त जितेंद्र कुमार के निर्देश पर नगर निगम फरीदाबाद के अधिकारियों ने सीलिंग ड्राइव एक बार फिर शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में शुक्रवार को 20 इकाइयों को सील किया गया, जिसके अंतर्गत एनआईटी जोन-2 में पांच वह इकाईयां भी शामिल हैं, जिन पर करीब 21.17 लाख रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। ओल्ड फरीदाबाद जोन-1 में 15 इकाइयों को सील किया, जिन पर करीब 31.73 लाख रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। जानकारी मिली है कि यदि इन इकाइयों के बकायादारों ने समय रहते अपने बकाया जमा नहीं कराया तो नगर निगम सील की गई इकाइयों की सार्वजनिक नीलामी करने की कारवाई कर सकता है। निगमायुक्त ने करदाताओं से अपील की है कि कठोर कारवाई से बचने के लिए सभी अपने-अपने बकाया राशि की अदायगी तुरंत करें। निगमायुक्त ने बताया कि नगर निगम इस प्रकार की सीलिंग की कार्यवाही करती रहेगी। इसके साथ-साथ आयुक्त नगर निगम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी बकायादारों से सम्पति कर 31 मार्च 2023 तक वसूल किया जाए और जो बकाया कर जमा नहीं करते हैं, उनके विरुद्ध नगर निगम अधिनियम 1994 के तहत वसूली की कार्यवाही नियमानुसार सुनिश्चित की जाए।

जब कोई राजा घमंडी हो जाता है तो वह रावण बन जाता है : अशोक

यमुनानगर (हिंस)। जब कोई राजा घमंडी हो जाता है तो वह रावण बन जाता है। यह बात कांग्रेस के यमुनानगर जिला प्रभारी अशोक अरोड़ा ने कही। वे शुक्रवार को यमुनानगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच आगामी 2 अप्रैल को होने वाली रैली की तैयारियों को लेकर न्यौता देने पहुंचे थे। अशोक अरोड़ा ने कहा कि आज प्रजातंत्र के मायने खत्म हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी को कोर्ट के द्वारा सजा के दौरान अपील करने का 30 दिन का समय दिया गया है तो लोकसभा स्पीकर को भी 30 दिन तक का इंतजार करना चाहिए था। लेकिन उन्होंने केंद्र सरकार के दबाव में यह फैसला देकर अपनी संवैधानिक पद की गरिमा को खत्म किया है। उन्होंने कहा कि आज देश में कहीं भी जनता की आवाज को लेकर अगर विपक्ष या मीडिया उठाता है तो उसे जेल भेज दिया जाता है। यह पूरी तरह से तानाशाही है। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को उठाने के लिए ही विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा व राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा की अगुवाई में यह कार्यक्रम किए जा रहे हैं। आने वाली 2 अप्रैल को जगाधरी अनाज मंडी में यह

एक विशाल रैली के रूप में कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सड़कें टूटी हुई है। प्रदेश में नशा बढ़ता जा रहा है। बेरोजगारी में हरियाणा नंबर वन है और भ्रष्टाचार अपने चरम सीमा पर है। खनन में संत्री से लेकर मंत्रियों तक की भागीदारी हो रही है। उन्होंने कहा कि जनता आगामी 2024 के चुनाव का इंतजार कर रही है। कांग्रेसी एकजुट है और भाजपा को जनता सत्ता से बाहर करेगी। एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। इस मौके पर कांग्रेस के रादौर से विधायक बीएल सैनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहें।

पाकिस्तान ने ड्रोन के जरिए की घुसपैठ की कोशिश

चंडीगढ़ (हिंस)। पाकिस्तान ने देररात एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय सीमा से भारत में घुसपैठ की कोशिश की। डेरा बाबा नानक स्थित बीएसएफ की मेटला चौकी पर गश्त कर रहे बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तान के ड्रोन की हरकत देख। 54 राउंड फायरिंग की। बीएसएफ के इसके बाद सुबह तलाशी अभियान के दौरान पांच पिस्तौल, 10 मैगजीन बरामद किए गए। उल्लेखनीय है कि भारतीय सीमा पर पाकिस्तान के ड्रोन लगातार घुसपैठ का प्रयास करते रहते हैं।

फरहान अख्तर ने राजस्थान सरकार की फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति की सराहना की

जयपुर (हिंस)। फरहान अख्तर ने राजस्थान में अपनी अगली बड़ी फिल्म *जी ले जरा* की शूटिंग में गहरी दिलचस्पी दिखाई है और राजस्थान सरकार की फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति की सराहना की है। बॉलीवुड अभिनेता और फिल्म निर्माता फरहान अख्तर ने 24 मार्च 2023 को जयपुर में गायत्री राठौड, प्रमुख सचिव पर्यटन, राजस्थान सरकार से मुलाकात की। फरहान ने फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति शुरू करने के लिए राजस्थान सरकार की सराहना की है, जिसका उद्देश्य राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना है। नीति यह सुनिश्चित करती है कि राजस्थान फिल्म निर्माताओं के लिए एक पसंदीदा स्थान बने और उन्हें राज्य में अपनी फिल्मों की शूटिंग

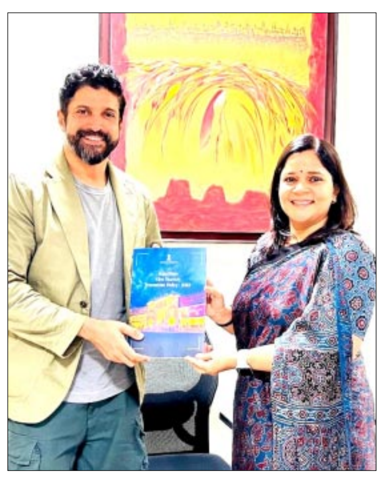

करने के लिए प्रोत्साहित करे। इस कदम से राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, लोक संगीत, कला और हस्तशिल्प की सुंदरता को प्रदर्शित करके पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। फरहान अख्तर, जो हाल ही में अपनी आगामी फिल्म के लिए राजस्थान आ हुए है, अपने अनुभव के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति सराहनीय है। यह न केवल फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देगी बल्कि राज्य में और अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगी। मैं राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रभावित हूं और मुझे पसंद आएगा। गायत्री राठौर, प्रमुख सचिव पर्यटन, राजस्थान सरकार ने कहा कि प्राकृतिक सुंदरता, आकर्षक इतिहास और विविध संस्कृति के मामले में राज्य के पास देने के लिए बहुत कुछ है। मेरा मानना है कि यहां एक फिल्म की शूटिंग करना एक समृद्ध अनुभव होगा। अपने सुरम्य किलों, महलों और रंगीन बाजारों के साथ, राजस्थान हमेशा फिल्म निर्माताओं के लिए पसंदीदा स्थान रहा है। फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति का उद्देश्य राज्य में फिल्मों की निर्बाध शूटिंग की सुविधा देकर इस क्षमता का लाभ उठाना है। यह फिल्म निर्माताओं और प्रोडक्शन हाउस को संबंधित अधिकारियों से अनुमति और मंजूरी प्राप्त करने और राज्य में विभिन्न फिल्मांकन स्थानों तक पहुंच प्रदान करने में सहायता प्रदान करता है।

कुट्टू के आटे की गुणवत्ता को लेकर कई दुकानों पर छापेमारी

फतेहाबाद (हिंस)। सीएम फ्लाइंग और खाद्य सुरक्षा अधिकारी की संयुक्त टीम ने बाजार में कुट्टू के आटे की गुणवत्ता की जांच को लेकर शुक्रवार को शहर में कई दुकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी की सूचना मिलते ही किरयाणा दुकानदारों में हडकंप मच गया। कई दुकानदारों ने टीम पहुंचने से पहले ही अपनी दुकानों से कुट्टू के आटे को गायब कर दिया। दरअसल, सोनीपत में कुट्टू के आटा के सेवन से कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ने के बाद सीएम फ्लाइंग और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाया है। शुक्रवार को फूड सेफ्टी अधिकारी डॉ. भंवर सिंह, सीएम फ्लाइंग के सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह व कुलदीप सिंह की टीम ने हंस

मार्केट स्थित कई किरयाणा की दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान दुकानदारों से कुट्टू के आटे को लेकर पूछताछ की गई लेकिन टीम को पूरी मार्केट में किसी भी दुकान पर कुट्टू का आटा नहीं मिला। एक दुकान पर एक लिफाफे में कुछ मात्रा में कुट्टू का आटा मिला लेकिन दुकानदार का कहना था कि यह आटा ग्राहक की डिमांड पर कहीं से लाकर दिया गया है। टीम ने इसे जब्त कर लिया और सामंक के आटे के सैंपल लिए गए। फूड सेफ्टी अधिकारी डॉ. भंवर सिंह ने बताया कि सोनीपत मामले के बाद शहर की दुकानों पर में चेकिंग की गई है लेकिन शहर में कुट्टू का आटा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कुट्टू का आटा बेचना कोई गुनाह नहीं है, लेकिन इसे मिलावट करके व गलत तरीके से स्टोर करने या फिर खराब कंडीशन में बेचना गलत है। इसी को लेकर चेकिंग की जा रही है। उल्लेखनीय है कि नवरात्र में व्रत रखने वाले श्रद्धालु कुट्टू के आटे को खाने में प्रयोग करते हैं। सोनीपत में गत दिवस कुट्टू के आटे के सेवन से कई लोगों को फूड प्वॉयजनिंग की शिकायत हुई थी। इसके बाद प्रदेशभर में कुट्टू के आटे की जांच को लेकर विशेष अभियान शुरू किया गया है।

भारतीय सेना ने शहीद दिवस का किया आयोजन

जम्मू (हिंस)। राष्ट्र की सेवा में वीर शहीदों द्वारा दिए गए बलिदान का सम्मान करने के लिए शहीद दिवस के अवसर पर भारतीय सेना ने रियासी के माहौर में शुक्रवार को शहीदों के परिवारों के साथ घर-घर जाकर बातचीत की। आयोजन के दौरान सेना ने नीलमा देवी पत्नी स्वर्गीय सिपाही रतन सिंह, 163 इन्फ बीएन टीए के साथ बातचीत की। उन्होंने 26 नवंबर 2020 को श्रीनगर के खुशीपुरा में आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। इसके अलावा जेकेपी के दिवंगत एसपीओ मोहन सिंह और दिवंगत एसपीओ जलाल दीन के परिवारों के साथ बातचीत की गई और शहीदों की वीरता को सलाम किया गया।

No-SBC/CS/2022-23/18/225

EXPRESSION OF INTEREST FOR CONSULTANCY SERVICE

On behalf of the Governor of Assam, the Superintending Engincer, P.W.D,Silchar Building Circle Re- invites "Expression of Interest" (EOI) from of empanelled Architect / Architectural firms (Category — A, B & C) under Assam P.W.D (Building),who are registered with Council of Architecture and having wide experience in the relevant field of work in North-Eastern region for the following projects:-

Sl. No.	Group No.	Name of Work	Total Approx. project cost considered
1	1	1. Construction of Mini Stadium at Dwarbond, Dholai in Cachar District	11.97041 Crore
2	2	2. Construction of Mini Stadium at Lakhipur, District Cachar.	10.87115 Crore
3	3	3. Construction of Mini Stadium at Ram Krishna Nagar under Ratabari LAC, (District Karimganj), Assam.	13.07118 Crore
4	4	4. Construction of Mini Stadium at Uttar Sapenjuri, Patherkandi LAC District Karimganj, Assam	13.07296 Crore

The details may be seen in the **Notice Inviting Proposal** for the consultancy services along with the Terms of Reference (TOR) in the P.W.D **portal assamtenders.gov.in.** The validity period of the RFP shall be 180 days from the date of submission.

The Bidders must be registered with the **E-tendering system (ETS) of the Govt. of Assam.(website: http//assamtenders.gov.in).** The Superintending Engineer, P.W.D, Silchar Building Circle reserves the right to accept or reject any or all proposals without showing any reasons what so ever.

Note:

1. Any modification of Tender may be seen in the PWD portal www.assumtenders.gov.in.
2. **Interested Architect must have to oblain one certificate regarding site visit of the proposed work from the Executive Engineer, PWD Silchar, Sonai Dholai Territorial Building Division, Silchar for the work under Group No 1, Executive Engineer, P.W.D., Udharbond, Lakhipur, Barkhola and Katigora Bullding Division, Cachar Assam for the work under Group No 2 and the Executive Engineer, PWD, Karimganj District Territorial Building Division, Karimganj for the works under Group No3 & 4 and .The bidder must submit the certificate in hard copy and through online also.**
3. **Architect must submit af least 1(one) work order of an amount of Rs 10.00 Crore in Barak Valley.**
4. **Bidder must have to altend in the Office of the undersigned at the time of submission of hard copy of Bid. Any other authorized person having authority letter from the concerned bidder will not be allowed for submission of hard copy of Bid.**

Sd/-
Superintending Engineer, P.W.D,
Silchar Building Circle, Silchar

-- Janasanyog /C/23737/22

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया वर्ष प्रतिपदा उत्सव

बीकानेर (हिंस)। जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा वर्ष प्रतिपदा उत्सव मनाया गया। मंच पर विभाग संघचालक बीकानेर टेकचंद बरडिया, महानगर संघचालक कन्हैया लाल एवं प्रांत प्रचारक जोधपुर प्रांत योगेंद्र कुमार रहे। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा द्वारा हाल ही में पारित प्रस्ताव के वाचन के बाद अवतरण एवं काव्य गीत हुआ। योगेंद्र कुमार ने नव वर्ष विक्रम संवत 2080 और युगाब्द 5125 शुभकामनाएं देते हुए काल गणना के अनुसार सृष्टि के प्रथम दिन पौराणिक ऐतिहासिक प्राकृतिक दृष्टि से नव वर्ष का महत्व समझाया। स्वतंत्रता आंदोलन में डॉक्टर एवं संघ के योगदान के साथ संघ की स्थापना की आवश्यकता उद्देश्य एवं कार्य विस्तार के बारे में भी जानकारी दी। संघ के द्वारा चरित्रवान शक्ति संपन्न राष्ट्रभक्त स्वयंसेवकों का शाखाओं द्वारा निर्माण कर समाज जीवन की सभी समस्याओं का समाधान एवं समाज

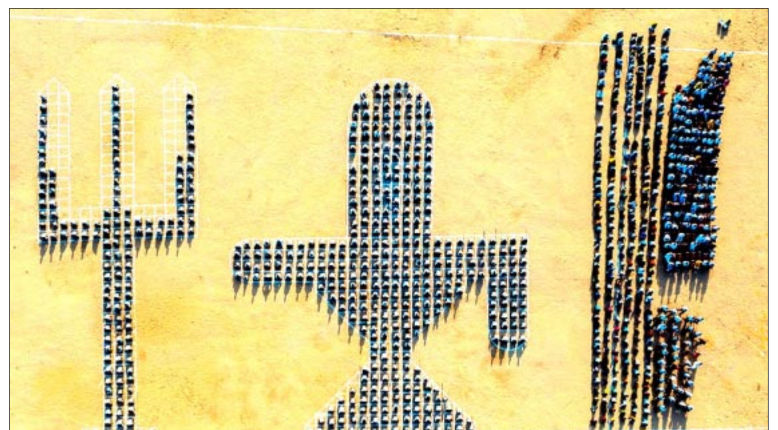

को एकजुट बनाने पर बल दिया। संघ जाति, भाषा, पंथ, मत, मान्यताओं से ऊपर उठकर एक सूत्र में बंधा राष्ट्र समाज बनाने के लिए 98 वर्षों से प्रयत्नरत है। वर्तमान समस्याएं जल संरक्षण, पर्यावरण, प्लास्टिक, गौ सेवा आदि पर सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने पर बल दिया। हर गांव में एक कुआं, एक श्मशान, एक मंदिर की अवधारणा तथा सबके सुख की कामना के साथ विश्वकल्याण की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विश्व पटल पर भारत के बदलते स्वरूप, स्वभाव और भूमिका की जानकारी दी। संघ कार्य वर्तमान में भारत के 60 हजार से अधिक गांव व शहरों में चल रहा है तथा विश्व के लगभग 44 देशों में विविध नामों से कार्य कर रहा है। 2025 शताब्दी वर्ष तक एक लाख गांवों तक संघ की शाखाएं पहुंचाने का लक्ष्य बनाकर कार्य करने का आव्हान किया। संघ कार्य की स्वीकार्यता और समाज का सहयोग स्पष्ट करता है कि संघ का मार्ग कल्याण का है, विश्व शांति का है, और सभी समस्याओं के समाधान का है। हमें मान, अपमान, यश, अपयश से ऊपर उठकर कार्य करना होगा। सर्वे भवंतु सुखिनः तथा वसुधैव कुटुंबकम के भाव के साथ एकजुट होकर कार्य विस्तार करना होगा।

जीडीपी की तुलना में निवेश 12 फीसदी घटा, बचत में भी 6 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली।

देश में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में निवेश और बचत दोनों में पिछले 11 वर्षों में तेज गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2011 में निवेश जहां 39.8 फीसदी था वहीं 2022 में यह 12 फीसदी गिरकर 31.4 फीसदी पर आ गया है। इस दौरान, सकल बचत भी 36.9 फीसदी से घटकर 30.2 फीसदी पर आ गई है।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) कौशिक बसु ने आंकड़ों का हवाला देते हुए ट्विटर पर कहा कि सरकारी आंकड़े दिखाते हैं कि वित्त वर्ष 2022 में निवेश में कुछ सुधार दिखा है। यह सही भी है। लेकिन, कुछ आंकड़े दिखाते हैं कि इस दौरान जीडीपी के अनुपात में निवेश और बचत में भारी गिरावट आई है। इससे रोजगार के सृजन और लंबे समय में आर्थिक विकास दर पर बुरा असर होगा। हम नौकरशाह हैं, इसलिए हमें यह महसूस हो रहा है। इसलिए नीति निर्माताओं को इस पर सही फैसला लेना होगा।

2014 के बाद 34 फीसदी से नीचे रहा निवेश – आंकड़ों के मुताबिक, 2012 में निवेश घटकर 39 और बचत 34.6 फीसदी रह गई। 2013 में ये क्रमश: 38.7 और 33.9 फीसदी रह गई। 2014 में यह और गिरकर 33.8 और 32.1 फीसदी पर आ गई। उसके बाद से निवेश की दर 34 फीसदी से नीचे और बचत की दर 33 फीसदी से नीचे रही। वित्त वर्ष 2015 में निवेश की दर 33.5 फीसदी और बचत की दर 32.2 फीसदी, 2016 में 32.1 फीसदी और 31.1 फीसदी रही थी।

रुपये में और कमजोरी से धीमी हो सकती है अर्थव्यवस्था की रफ्तार – एशिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं में कमजोरी का जोखिम बढ़ना चिंताजनक है। सबसे ज्यादा खतरा भारत पर है। अगर रुपया ऐसे ही कमजोर होता रहा तो एशिया की सबसे अच्छी प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत की जीडीपी की रफ्तार पर ब्रेक लग सकता है।

मूडीज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय मुद्रा में करीब एक साल से उतार–चढ़ाव जारी है। प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से रुपया कई बार नए सार्वकालिक निचले स्तर तक गिरा है। अक्तूबर, 2022 में यह पहली बार 83 से भी नीचे आ गया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आयातित वस्तुओं की उच्च लागत से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और फेड रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति से रुपये में गिरावट शुरू हुई। सख्त मौद्रिक नीति के बीच बेहतर रिटर्न के लिए निवेशक अमेरिका जैसे स्थिर बाजारों का रुख कर सकते हैं।

आरबीआई को लेने पड़ सकते हैं कड़े फैसले – मूडीज ने कहा, अगर रुपये की स्थिति मजबूत नहीं होती है तो घरेलू मुद्रा को और अधिक टूटने से बचाने के लिए आरबीआई को मजबूरन सख्त फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसे में अनुमान है कि केंद्रीय बैंक अप्रैल में होने वाली बैठक में नीतिगत दर में फिर बढ़ोतरी कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मूल के स्टारबक्स सीईओ स्टोर्स में बरिस्ता बनकर कॉफी सर्व करेंगे

नई दिल्ली । स्टारबक्स के भारतीय मूल के सीईओ सीईओ लक्ष्मण नरसिम्हन ने कहा है कि वे कंपनी के स्टोर में महीने में एक बार बरिस्ता (वह व्यक्ति जो कॉफी सर्व करता है) के रूप में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वे ऐसा कंपनी की संस्कृति के करीब रहने, ग्राहकों की परेशानियों को समझने और अवसरों की पहचान करने के लिए करेंगे। 55 साल के नरिसम्हन सिएटल स्थित कॉफी कंपनी के सोमवार को सीईओ चुने गए हैं। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती होवार्ड स्कल्ज से तय समय से लगभग दो हफ्ते पहले की अपना कार्यभार ले लिया है। गुरुवार को कर्मचारियों को भेजे एक पत्र में भारतीय अमेरिकी बिजनेस एग्जीक्यूटिव ने कहा कि वे हमेशा कंपनी के साझेदारों और उसकी संस्कृति के मजबूत पैरोकार बने रहेंगे। भारत के पुणे में जन्मे नरसिम्हन बीते वर्ष अक्तूबर महीने में स्टारबक्स के अंतरिम सीईओ के रूप में नामित किए गए थे। उसके बाद उन्होंने कंपनी को समझने में अपना समय बिताया और बरिस्ता प्रमाण पत्र अर्जित किया। इसे हासिल करने के लिए कंपनी के स्टोर्स में 40 घंटे के प्रशिक्षण की जरूरत होती है।

सरकारी कर्मियों के पेंशन से जुड़े मुद्दों पर विचार के लिए बनेगी समिति, बोलीं वित्त मंत्री

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन से संबंधित मुद्दों पर गौर करने और राजकोषीय विवेक बनाए रखते हुए कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने का दृष्टिकोण विकसित करने के लिए एक समिति गठित करने का प्रस्ताव दिया है। वित्त विधेयक 2023 को लोकसभा में चर्चा और पारित कराने के लिए पेश करते हुए मंत्री ने कहा कि रिजर्व बैंक विदेश दौरों के दौरान क्रेडिट कार्ड से हुए भुगतान के उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत नहीं आने के मसले को देखेगा। सीतारमण ने कहा कि इस बात के अभ्यावेदन मिले हैं कि सरकारी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं पेंशन के इस मुद्दे पर गौर करने और आम नागरिकों की रक्षा के लिए राजकोषीय विवेक बनाए रखते हुए कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्त सचिव के नेतृत्व में एक समिति गठित करने का प्रस्ताव रखती हूं। इस दृष्टिकोण को केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को अपनाने के लिए डिजाइन किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि यह संज्ञान में आया है कि क्रेडिट कार्ड के माध्यम से विदेशी दौरों के लिए भुगतान एलआरएस के तहत नहीं लिया जा रहा है। ऐसे में इस तरह के भुगतान स्त्रोतों पर कर संग्रह नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा, रिजर्व बैंक से कहा गया है कि वह विदेशी दौरों के दौरान क्रेडिट कार्ड से भुगतान को एलआरएस और स्रोत पर कर संग्रह के दायरे में लाए। बता दें कि शुक्रवार को सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सदस्य सदन के बीचोंबीच आकर अदाणी समूह की कंपनियों के खिलाफ आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग करते हुए नारेबाजी कर रहे थे।

बिना पंजीकरण सोशल मीडिया पर शेयर की खरीद-बिक्री की सलाह देने वालों पर सेबी सख्त, चार कंपनियों पर कार्रवाई

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने सोशल मीडिया पर गैर–पंजीकृत निवेश सलाहकारों पर शिकंजा कसना शुरू किया है। कम–से–कम चार कंपनियों पर कार्रवाई की गई है। ये कंपनियां निवेशकों को शेयरों की खरीद–बिक्री की सलाह दे रही थीं। नियमों के मुताबिक, इन कंपनियों पर प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है। साथ ही इस तरह की गलत सलाह से जो भी कमाई की गई है, उसे भी लौटाना पड़ सकता है। हालांकि, अभी सेबी इन सबकी जांच कर रहा है। सेबी ने एक साल में ऐसे चार आदेश पास किए हैं। इनका मकसद खुदरा निवेशकों को बचाना है और ऐसे गैर–पंजीकृत लोगों की वित्तीय सलाहों पर नकेल कसना है। नियमों के मुताबिक, शेयरों की खरीद फरोख्त की सलाह वही दे सकते हैं, जो सेबी में पंजीकृत हैं।सेबी के मुताबिक, देश के फ्यूचर एंड ऑप्शन (एफएंडओ) बाजार में खुदरा निवेशकों की संख्या वित्त वर्ष 2018–19 से 2021–22 के बीच 500 फीसदी बढ़ गई है।

अडाणी के बाद हिंडनबर्ग के निशाने पर अमेरिकी कंपनी

जैक डॉर्सी की ब्लॉक इंक पर फ्रॉड के आरोप, नेटवर्थ 4 हजार करोड़ रुपए कम हुई

नई दिल्ली ।

अमेरिका की शॉर्टसेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप के बाद अब ट्विटर के को–फाउंडर जैक डॉर्सी की कंपनी ब्लॉक के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की है। हिंडनबर्ग ने इस रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि डॉर्सी की पेमेंट कंपनी ब्लॉक इंक ने अपने कंज्यूमर्स और सरकार के साथ फ्रॉड किया है। हिंडनबर्ग ने 2 साल की इन्वेस्टिगेशन के बाद ये रिपोर्ट पब्लिश की है। रिपोर्ट में ये कहा गया है कि कोरोना महामारी के दौरान फ्रॉड के कारण ब्लॉक के शेयरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी देखी गई। इसके बाद जैक डॉर्सी और टॉप एग्जीक्यूटिव जेम्स मैककेल्वे ने कलेक्टिवली 1 बिलियन डॉलर यानी करीब 8 हजार करोड़ रुपए के शेयर के स्टॉक बेच दिए।

वहीं हिंडनबर्ग ने कहा, ब्लॉक इंक जिन लोगों की मदद करने का दावा करती है, कंपनी ने सिस्टमैटिक रूप से उन्हीं लोगों का फायदा उठाया है। ब्लॉक इंक ने अपने यूजर्स की संख्या भी बढ़ा–चढ़ाकर दिखाई है। कंपनी ने एक्टिव यूजर्स का मेट्रिक्स फर्जी अकाउंट्स से भर दिया। साथ ही कंपनी ने ऐप पर यूजर्स लाने में किए गए खर्च को काफी कम करके बताया है।

ब्लॉक इंक के शेयर में करीब 15प्रतिशत की गिरावट – हिंडनबर्ग ने कहा कि उसने ब्लॉक के शेयरों में शॉर्ट–पोजिशन ले रखी है, यानी उसने कंपनी के शेयरों में गिरावट पर दांव लगाया है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद ब्लॉक इंक के शेयर में करीब 15प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। हिंडनबर्ग ने कहा, केवल फंडामेंटल बेसिस पर, हम ब्लॉक के शेयरों में 65प्रतिशत से 75प्रतिशत के बीच गिरावट देखते हैं।

डॉर्सी की नेटवर्थ में 4 हजार करोड़े रुपए की गिरावट – शेयरों में गिरावट के कारण डॉर्सी की नेटवर्थ में 52.6 करोड़ डॉलर यानी करीब 4 हजार करोड़ रुपए की गिरावट आई है, जो मई के बाद से एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। ब्लूमबर्ग इंडेक्स के अनुसार, 11प्रतिशत की गिरावट के बाद अब उनकी नेटवर्थ 4.4 बिलियन डॉलर है।

सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने वालों की मदद की – हिंडनबर्ग के अनुसार पेमेंट कंपनी ब्लॉक ने कोविड के दौरान फर्जीवाड़ा करके सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने वालों की मदद की। सबसे बड़ी गड़बड़ी ये रही कि कंपनी के कैश ऐप ने कई लोगों को एक ही अकाउंट में सरकार की तरफ से मिलने वाली सहायता लेने दी। जैक डॉर्सी ने ब्लॉक इंक को 2009 में बनाया था। यह कंपनी मर्चेंट्स और कंज्यूमर्स के लिए पेमेंट और मोबाइल बैंकिंग सर्विसेस प्रोवाइड करती है। इस कंपनी को पहले स्क्वायर के नाम से जाना जाता था। ब्लॉक इंक का मार्केट कैप 44 बिलियन डॉलर यानी 3.61 लाख करोड़ रुपए है।

रिपोर्ट में भारतीय मूल की अमृता आहूजा का भी नाम – हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में भारतीय मूल की अमृता अहूजा का नाम भी लिया गया है। अमृता ब्लॉक इंक की चीफ फाईंशियल ऑफिसर यानी सीएफओ हैं। उन पर भी ब्लाक इंक के शेयरों में लाखों डॉलर की हेराफेरी का आरोप लगाया गया है। अमृता की लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, वह पिछले चार साल और तीन महीने से ब्लॉक इंक के साथ हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक उनके माता–पिता भारतीय प्रवासी हैं जिनका क्लीवलैंड में एक डे–केयर सेंटर है। अमृता ने अपने करियर की शुरुआत साल 2001 में मॉर्गन स्टेनली के साथ एक बैंकर के तौर पर की। साल 2019 में वो ब्लॉक इंक के साथ जुड़ीं। इससे पहले, अमृता वॉल्ट डिजनी कंपनी और एक्टिविजन ब्लिजार्ड जैसी कंपनियों में स्ट्रैटजी और फाइनेंस के रोल्स में काम कर चुकी हैं। उन्होंने वीडियो गेम बनाने वाली कंपनी एक्टिविजन ब्लिजार्ड के साथ काम करते हुए कॉल ऑफ ड्यूटी, कैंडी क्रश, वर्ल्ड ऑफ वॉरक्राफ्ट जैसे गेम्स तैयार किए।

जैक डॉर्सी की पेमेंट फर्म से जुड़ी 4 बातें – जैक डॉर्सी ने फर्म को स्क्वायर नाम से 2009 में लॉन्च किया था। फर्म क्रेडिट कार्ड रीडर प्रोवाइड करती थी। इसे मोबाइल फोन में प्लग किया जा सकता था। इसने पेमेंट करने के लिए टैबलेट कंप्यूटरों का पॉइंट–ऑफ–सेल सिस्टम के रूप में इस्तेमाल संभव बनाया। 2013 में स्क्वायर कैश को मोबाइल सर्विस पेमेंट कंपनी वेनमो के कॉम्पिटिटर के रूप में लॉन्च किया गया था। बाद में इसका नाम बदलकर कैश ऐप कर दिया गया। इसका इस्तेमाल ग्राहक फंड ट्रांसफर करने के लिए कर सकते थे। 2014 में कंपनी ने शॉर्ट टर्म लोन की सर्विस शुरू की और 2017 में स्क्वायर ने कैश कार्ड पेश किया। यह एक प्रीपेड डेबिट कार्ड था। 2018 में, कैश ऐप ने यूजर्स को प्लेटफॉर्म पर बिटकॉइन में ट्रेड करने की सर्विस दी। अगले साल, कंपनी ने फ्री स्टॉक ट्रेडिंग की सुविधा जोड़ी। 2021 में 30 बिलियन डॉलर में ऑस्ट्रेलिया के आफ्टरपे का अधिग्रहण करने के बाद कंपनी ने बाय नाउ पे लेटर का ऑप्शन जोड़ा। उसी साल दिसंबर में स्क्वायर का नाम ब्लॉक के रूप में रिब्रांड किया गया। ब्लॉक इंक से पहले हिंडनबर्ग ने अडाणी ग्रुप के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की थी। करीब 2 महीने पहले 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद से अडाणी ग्रुप के शेयरों में काफी उतार–चढ़ाव देखने को मिला था।

कच्चा तेल 10 माह में 20 रुपये सस्ता, पर नहीं घटीं पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई राहत नहीं मिल रही है। जून, 2022 से लेकर इस साल मार्च तक यानी 10 महीने में कच्चे तेल की कीमत 58.80 रुपये से घटकर 38.70 रुपये प्रति लीटर रह गई।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में पेट्रोल 96.70 रुपये और डीजल 89.60 रुपये लीटर पर स्थिर रहा। वैश्विक बाजार में भी पिछले सप्ताह क्रूड 71 डॉलर बैरल के नीचे आ गया, जो इसका 15 महीने का निचला स्तर है पेट्रोल–डीजल की कीमतों को समान रखने के बाद भी तीन प्रमुख तेल कंपनियों को अप्रैल से सितंबर, 2022 के बीच 21,201 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इसकी भरपाई के लिए सरकार ने इस दौरान इन कंपनियों को 22,000 करोड़ रुपये की पूंजी भी दी। तीन साल पहले 28 रुपये प्रति लीटर था मूल भाव : भारत में अप्रैल, 2020 में पेट्रोल का मूल भाव 28 रुपये लीटर और डीजल का 31.5 रुपये लीटर था। अब दोनों 57 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस अवधि में घरेलू बाजार में कच्चा तेल 13.4 रुपये से बढ़कर 38.7 रुपये लीटर पर पहुंच गया।

कंपनियों ने बेतहाशा बढ़ाए दाम

रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर, 2020 से जून, 2021 के बीच कच्चे तेल की कीमतें 50 से 72 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर रहीं। जून, 2021 से मार्च, 2022 के बीच कीमत 73 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 98 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। मार्च, 2022 से जून, 2022 के बीच कच्चा तेल रिकॉर्ड 119.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था। इस दौरान, घरेलू तेल कंपनियों ने कीमतों में कई बार बेतहाशा वृद्धि की। एक समय तो देश के कई हिस्सों में पेट्रोल 120 रुपये लीटर बिक रहा था, जबकि इसकी औसत कीमत करीब 100 रुपये थी। इसके बाद कीमतों में मामूली कटौती हुई, तब से यह 96 रुपये प्रति लीटर के आसपास ही है।

आयकर विभाग ने करदाताओं के लिए लॉन्च किया नया एप, टीडीएस व टीसीएस की जानकारी मोबाइल पर ही मिलेगी

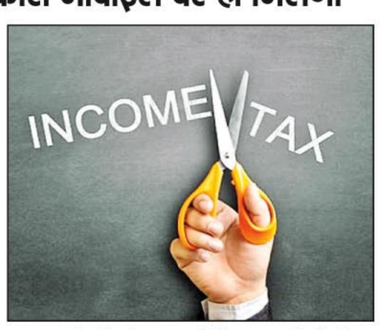

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग ने एआईएस एप लॉन्च कर करदाताओं को एक नई राहत दी है। इस एप का इस्तेमाल कर टैक्सपेयर्स अपने टीडीएस व टीसीएस की विवरणी समेत ब्याज, लाभांश और शेयर सौदों से जुड़ी सारी जानकारी अपने मोबाइल पर ही देख सकेंगे। साथ ही उन्हें विभाग की सेवाओं पर अपनी राय देने का भी विकल्प मिलेगा।

करदाता इस मोबाइल एप के जरिए वार्षिक सूचना विवरण और करदाता सूचना ब्यौरा की जानकारी ले सकेंगे। ये सेवाएं आयकर विभाग की ओर से नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। करदाता मोबाइल एप को गूगल प्ले स्टोर और एप स्टोर से इंस्टॉल कर सकेंगे।

इस एप को इंस्टॉल करने के बाद करदाताओं को इस पर अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके लिए उन्हें अपना पैन नंबर उपलब्ध कराना होगा। इसके बाद आयकर विभाग के ई–फाइलिंग पोर्टल पर उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ईमेल पर एक ओटीपी भेजा जाएगा। इसकी प्रविष्टि कर वे अपने अकाउंट को ऑथेंटिकेट कर सकेंगे। इस प्रक्रिया के बाद करदाताता एप पर अपनी गोपनियता सुनिश्चित करने के लिए चार डिजिट का पिन नंबर सेट कर सकेंगे।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि एप का उद्देश्य करदाताओं को एआईएस और टीआईएस के बारे में जानकारी देना है। यह करदाताओं को विभिन्न स्त्रोतों से से उपलब्ध जानकारी उनके मोबाइल पर ही उपलब्ध कराएगा। आयकर विभाग ने कहा है कि एआईएस एप को लॉन्च करने का उद्देश्य विभाग कर की प्रक्रिया को सुगम बनाना और करदाताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करना है।

दिल्ली आए अजय बंगा कोरोना संक्रमित हुए: पीएम मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण से मुलाकात कैंसिल, रिपोर्ट आने के बाद आइसोलेट किया

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड बैंक के प्रेसिडेंट पद के उम्मीदवार अजय बंगा कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। वे दिल्ली आए थे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही कोरोना की रूटीन जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद उनकी सभी मीटिंग को कैंसिल कर दिया गया है। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि बंगा का दिल्ली आने के पहले कोविड टेस्ट किया गया था, तब उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। उनमें कोरोना के कोई भी लक्षण नहीं है, लेकिन पॉजिटिव पाए जाने के बाद स्थानीय दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए उन्हें आइसोलेट कर दिया गया है।

बता दें कि भारत में पिछले दो हफ्तों में देश में इन्फ्लूएंजा और कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। देश में कोरोना के 1134 नए मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही सक्रिय मामलों की संख्या 7,026 हो गई है।

अफ्रीका, यूरोप और लैटिन अमेरिका की यात्रा के बाद भारत पहुंचे बंगा

बंगा तीन हफ्ते के वैश्विक दौरे के अंतिम पड़ाव में भारत पहुंचे हैं। उनकी दिल्ली यात्रा का अंतिम दिन है। इससे पहले वह अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं, जहां वह गवर्नमेंट ऑफिसर्स, एंटरप्रेन्योर्स, बिजनेस लीडर्स, डेवलपमेंट एक्सपर्ट और नोबेल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

अध्यक्ष पद के लिए नॉमिनेट होने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति

अजय बंगा वर्ल्ड बैंक के नए प्रेसिडेंट बन सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें पिछले महीने नॉमिनेट किया था। वे इसके लिए नॉमिनेट होने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं। वर्ल्ड बैंक के वर्तमान प्रेसिडेंट डेविड मालपास के अप्रैल 2024 से पहले ही पद छोड़ने के ऐलान के बाद उन्हें नॉमिनेट किया गया। इस वक्त 63 साल के भारतीय–अमेरिकी बंगा प्राइवेट इक्विटी फंड जनरल अटलांटिक के वाइस चेयरमैन हैं।

फॉर्च्यून ने शक्तिशाली उद्योगपति-2012 चुना

अजय बंगा 1996 में सिटी ग्रुप के मार्केटिंग हेड बने। 2000 में सिटी फाइनेंशियल के प्रमुख नियुक्त किए गए। 2009 में मास्टरकार्ड के सीईओ बने और अपनी मार्केटिंग रणनीतियों से मास्टरकार्ड को युवाओं में इतना लोकप्रिय बना दिया कि यह स्टेटस सिंबल बन गया। 2016 में बंगा को पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया।

अब वॉलमार्ट में भी छंटनी

कंपनी ने सैकड़ों कर्मियों से 90 दिन में नई नौकरी ढूंढ़ने को कहा

नई दिल्ली ।

ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट ने श्रमिकों को 90 दिनों के भीतर नई नौकरी खोजने के लिए कहा है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने मीडिया से इसकी पुष्टी की है। प्रवक्ता ने कहा कि पेड्रिकटाउन, न्यू जर्सी में लगभग 200 श्रमिक और टेक्सास के फोर्ट वर्थ, कैलिफोर्निया के चिनो, फ्लोरिडा के डेवनपोर्ट और पेंसिल्वेनिया के बेथलहम में सैकड़ों अन्य कर्मचारियों को रात्रि और साप्ताहांत की शिफ्ट में कटौती के कारण छंटनी का सामना करना पड़ा है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उथल–पुथल का कारण बन सकता है कंपनी का फैसला – वॉलमार्ट की ओर से लिया गया छंटनी का यह फैसला कंपनी के व्यापक आकार को देखते हुए अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उथल–पुथल का कारण बन सकता है। कई अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इस साल अर्थव्यवस्था को मंदी का सामना करना पड़ सकता है। चैलेंजर, ग्रे और क्रिसमस की मार्च की रिपोर्ट के अनुसार आगामी मंदी की आशंका के कारण खुदरा विक्रेता 2023 में अब तक 17,456 नौकरियों की कटौती कर चुके हैं। बता दें कि पिछले साल इस अवधि में महज 761 लोगों की नौकरी गई थी।

कंपनी बोली– प्रभावित कर्मियों की नौकरी तलाश करने में मदद करेंगे – अमेजन, नीमन मार्कस और लिडल जैसी खुदरा कंपनियों ने बड़े पैमाने पर अपने कॉरपोरेट कर्मचारी घटाए हैं। वॉलमार्ट ने एक बयान में कहा, हमने हाल ही में ग्राहकों के भविष्य की जरूरतों के लिए बेहतर तैयारी करने के उद्देश्य से मानव संसाधन की संख्या में बदलाव किया है। वॉलमार्ट ने अपने बयान में कहा है कि वह नई नौकरी खोजने में प्रभावित सहयोगियों के साथ मिलकर काम करेगा।

कंपनी ने ऑटोमेशन पर निवेश करने का बनाया है प्लान – प्रवक्ता ने कहा कि प्रभावित श्रमिकों को जोलिएट, इलिनोइस और लैंकेस्टर, टेक्सास सहित कंपनी के अन्य ब्रांचों में नौकरी खोजने के लिए 90 दिनों तक भुगतान करेगा। कंपनी ने इन स्थानों पर उच्च तकनीक ई–कॉमर्स वितरण केंद्र खोले हैं। वॉलमार्ट पिछले कुछ वर्षों से स्वचालन में भारी निवेश कर रहा है। कंपनी नैप जैसी कंपनियों के साथ साझेदारी कर रहा है ताकि ई–कॉमर्स ऑर्डर को पूरा करने करने के लिए कर्मचारियों की संख्या को 12 से घटाकर पांच करने में मदद मिल सके। कंपनी परिचालन की इस प्रकिया को उदाहरण के लिए न्यू जर्सी के पेड्रिकटाउन स्थित ब्रांच में लागू किया है।

उच्च कर्ज वृद्धि के बावजूद छोटे कारोबारियों के फंसे ऋण में 12.5 फीसदी की आई कमी, 24 फीसदी बढ़ा वितरण

मुंबई। उच्च कर्ज वृद्धि के बावजूद चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई–सितंबर, 2022) में छोटे कारोबारियों की गैर–निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में गिरावट देखी गई। ट्रांसयूनियन सिबिल की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) का एनपीए सितंबर, 2022 तक एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 12.5 फीसदी घट गया। कर्ज की सूचना देने वाली कंपनी ने कहा, दूसरी तिमाही में कुल कर्ज वितरण (कर्ज का नवीकरण शामिल नहीं) 24 फीसदी बढ़ गया। इसमें प्रमुख योगदान सूक्ष्म उद्योग क्षेत्र का रहा, जिनके कर्ज में 54 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली है इस क्षेत्र पर कुल एक लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। कंपनी ने बताया कि सूक्ष्म श्रेणी के उद्योगों में कर्ज के औसत आकार में 34 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई इसके अलावा, लघु श्रेणी के उद्योगों में जुलाई–सितंबर, 2022 तिमाही के दौरान कर्ज का औसत आकार चार फीसदी तक बढ़ गया।

वरुण और जान्हवी की बवाल 6 अक्टूबर को रिलीज होगी

साजिद नाडियाडवाला और नितेश तिवारी ने बवाल की रिलीज डेट का किया एलान, इस दिन देगी थिएटर्स में दस्तक वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर बवाल को लेकर लगातार दर्शकों के बीच बातें हो रही है। ये छि-छोरे (जिसने बेस्ट हिंदी फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता) के साथ सफल पारी दर्ज करा चुके फिल्म निमार्ता साजिद नाडियाडवाला और नितेश तिवारी का साथ में अगला प्रोजेक्ट है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के एक्साइटमेंट लेवल को बरकरार रखते हुए अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। ये फिल्म 6 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ पुरस्कार विजेता निर्माता-निर्देशक की जोड़ी फिर से साथ आई है, जिसमें वरुण और जान्हवी की नई जोड़ी पहली बार एक दूसरे के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेगी। जनता का भरपूर मनोरंजन करने वाली यह फिल्म अपने शानदार कंटेंट के साथ दर्शकों को सिनेमाघरों की तरफ खींचने का वादा करती है। बवाल का निर्माण नाडियाडवाला ग्रैंडसन के बैनर तले साजिद नाडियाडवाला द्वारा किया गया है और यह अर्थस्काई पिक्चर्स द्वारा सह-निर्मित है।

शादी करने जा रहे बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन कहते हैं कि बॉलीवुड में एक बाद एक सबके बैंड बज रहे हैं, सारे घोड़ी चढ़ रहे हैं, सबके विकेट गिट रहे हैं। लेकिन एक विकेट अब तक नहीं गिरा। कार्तिक आर्यन के इस वीडियो ने फैन्स को काफी एक्साइटिड कर दिया है। कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में कार्तिक आर्यन, मंच के स्टेज पर ढोल-नगाड़ों के साथ एंट्री करते हैं और अपनी शादी का ऐलान करते हैं। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो एक इवेंट का है, जहां कार्तिक काफी मजेदार अंदाज में अपनी शादी की बात करते दिख रहे हैं। कार्तिक कहते हैं, हंसते-हंसते, सबको नमस्ते। आप सब सोच रहे होंगे मैं यहां बैंड बाजा लेकर क्यों आया हूं। तो जवाब है- एफओएमओ, फियर ऑफ मिसिंग आउट। अब देखिए ना बॉलीवुड में एक बाद एक सबके बैंड बज रहे हैं, सारे घोड़ी चढ़ रहे हैं, सबके विकेट गिट रहे हैं। लेकिन एक विकेट अब तक नहीं गिरा। वीडियो में आगे कार्तिक कहते हैं, ऐलिजिबल सिंगल क्लब में आखिर रह कौन गया। मैं, लेकिन अब मौसम बदल रहा है। मैंने भी सोचा शादी का लड्डू खाकर देख ही लेता लूं। प्यार का पंचनामा तो कर लिया, अब शादी का पंचनामा भी कर लेता हूं। इसलिए सबके सामने मंच को साक्षी मानकर आज मैं अपने सारे फैंस और इंडस्ट्री को ये न्यूज देना चाहता हूं कि कार्तिक आर्यन शादी करने जा रहा हूं। कार्तिक आर्यन की बातों से अवॉर्ड फंक्शन में मौजूद सेलिब्रिटीज खूब हंसते हैं। कार्तिक आर्यन की फिल्मों के लिए फैन्स एक्साइटिड रहते हैं।

ओटीटी सीरीज कॉल मी बे में मुख्य भूमिका निभाएंगी अनन्या पांडे

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज कॉल मी बे में मुख्य भूमिका निभाएंगी। अभिनेता वरुण धवन ने एक मजेदार वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने गुरुवार को आगामी श्रृंखला में अनन्या पांडे को बे के रूप में पेश किया। वीडियो में अनन्या वरुण को फैशन की बारीकियों पर कुछ कहते हुए दिखाई देती हैं। सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। कॉल मी बे एक अरबपति फैशनिस्टा बे (अनन्या पांडे द्वारा अभिनीत) की कहानी है, जिसे उसके अमीर परिवार ने सेक्स स्कैंडल के कारण त्याग दिया है। फिर वो अकेली पड़ जाती है और कई पूर्वाग्रहों के इर्द-गिर्द अपनी यात्रा में खुद को खोजती है। शो के प्रोड्यूसर करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा हैं और निर्देशन कॉलिन डी कुन्हा ने किया है। इशिता मोइत्रा द्वारा रचित सीरीज जल्द ही प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी।

बिग बी ने शहंशाह की प्रतिष्ठित जैकेट गिफ्ट की दोस्त को

मुंबई (ईएमएस)। सन 1988 में आई अपनी फिल्म शहंशाह की प्रतिष्ठित जैकेट बिगबी यानि अमिताभ बच्चन ने सऊदी अरब में रहने वाले अपने दोस्त को उपहार में दी। सिने अभिनेता का दोस्त ने भी ट्विटर पर उपहार के लिए शुक्रिया अदा किया। इसके बच्चन के दोस्त ने ट्वीट किया: बच्चन आप न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए एक सम्मान हैं। आपके द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। अपने दोस्त के संदेश को री-ट्वीट करते हुए, बिग बी ने लिखा: मेरे प्यारे दोस्त । मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि आपने फिल्म शहंशाह में पहनी हुई जैकेट का उपहार स्वीकार किया है, किसी दिन मैं आपको बता सकता हूं कि मैं इसे कैसे हासिल कर पाया। आपको मेरा प्यार। 1988 में रिलीज हुई इस फिल्म में अमिताभ ने दोहरी भूमिका निभाई थी। उन्होंने विजय कुमार श्रीवास्तव की भूमिका निभाई, जो दिन में एक भ्रष्ट पुलिस इंस्पेक्टर और रात में न्याय का चौकीदार होता है। फिल्म में मीनाक्षी शेषाद्री, प्राण, अरुणा ईरानी, प्रेम चोपड़ा, अमरीश पुरी, कादर खान, सुप्रिया पाठक और अवतार गिल भी हैं। वह अगली बार प्रोजेक्ट के में दिखाई देंगे। इससे पहले मार्च में हैदराबाद में प्रोजेक्ट के की शूटिंग के दौरान अमिताभ को चोट लग गई थी। अभिनेता ने अपने हेल्थ अपडेट को अपने ब्लॉग पर साझा किया। हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में डॉक्टर से सलाह और सीटी स्कैन कराने के बाद वे मुंबई के लिए रवाना हो गए, जहां वे अपने घर पर आराम कर रहे हैं। 80 वर्षीय इस फिल्म के एक एक्शन सीक्वेंस के दौरान उनकी दाहिनी पसली की मांसपेशियों में चोट लग गई थी। उन्होंने लिखा कि इस घटना के बाद फिल्म की शूटिंग टाल दी गई।

सहज धुनों के लिए जाने जाते थे संगीतकार रविशंकर

हिन्दी फि ल्म संगीत के ऐसे परिश्रमी संगीतकार रवि रविशंकर शर्मा उर्फ. रवि हिन्दी फि ल्म संगीत के ऐसे परिश्रमी संगीतकार के रूप में याद किये जाते हैं, जिनकी सहज धुनों ने सफलता के बड़े कीर्तिमान स्थापित किए। रवि का आगमन भी बेहद रोचक तरीके से उनके हिन्दी ज्ञान के चलते फि ल्मों की दुनिया में हुआ था। अपने शुरूआती दौर में हेमन्त कुमार जैसे बड़े संगीतकार के सहायक के रूप में वो फि ल्म संगीत की दुनिया से जुड़े। हेमन्त कुमार उनकी अच्छी हिन्दी के कारण उन्हें पण्डित जी कहते थे और उनकी हिन्दी पर मजबूत पकड़ के चलते अपने गीतों के लिए जरूरी सलाह भी लिया करते थे। यह जानना सुखद है कि बचपन से संगीत के प्रति आसक्त रहे रवि, हेमन्त कुमार के साथ बतौर सहायक जिन फि ल्मों से जुड़े रहे, उनमें शर्त, नागिन, दुर्गेशनन्दिनी और एक ही रास्ता जैसी महत्वपूर्ण फि ल्में शामिल हैं। रवि के बारे में जो महत्वपूर्ण बातें उन्हें एक सफल संगीतकार बनाती हैं, उनमें तमाम ऐसी चीजें भी शामिल रही हैं, जो उस दौर के अन्य बड़े संगीतकारों के यहाँ मुश्किल से मिलती थीं। वही यह कि वे ऐसे संगीतकार रहे, जिनकी मित्रता सभी खेमे के लोगों से सामान्य आत्मीय धरातल पर रहीं या कि उनके लिए हर गायक-गायिका का एक ही स्तर पर सम्मानजनक स्थान रहा या फिर उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता बैनर और निर्देशक की रहती थी कि निर्देशक जैसी धुन और संरचना अपनी फि ल्मों के लिए चाहता था, वे वैसा ही करने की हरसंभव और ईमानदार कोशिश करते थे।

स्वतंत्र संगीतकार – रवि की रचनात्मक-यात्रा हेमंत कुमार से आरंभ होकर, स्वतंत्र संगीतकार के रूप में काम दिलाने के लिए देवेंद्र गोयल तक जाती है, जिनकी फि ल्म वचन (1955) से बतौर संगीतकार उन्होने अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद इस राहगुजर में प्रमुख रूप से एसडी नारंग, रामानंद सागर, ए ए नाडियाडवाला, एस एस वासन, ए वी मय्यपन, बी आर चोपड़ा, वासु मेनन, शिवाजी गणेशन एवं गुरुदत्त के नाम शामिल होते जाते हैं। एक स्वतंत्र संगीतकार के रूप में रची गई लगभग अस्सी फि ल्मों में से कुछ फि ल्में इस तरह हैं- घूंघट (1960), घराना (1961), गृहस्थी (1963), औरत (1967), समाज को बदल डालो (1970), भरोसा (1963), खानदान (1965) एवं नई रोशनी (1967), दो कलियाँ (1968) एवं मेहरबान (1967)1 अलग से बीआर चोपड़ा की ढेरों फि ल्मों का नाम लिया जाना चाहिए, जिनमें गुमराह (1963), वक्त (1965), हमराज (1967), आदमी और इंसान (1969), धुंध (1973), निकाह (1982), आज की आवाज (1984), तवायफ (1985 निमार्ता आर. सी. कुमार), दहलीज (1986) और अवाम (1987) प्रमुख हैं।

लता के मुकाबले आशा भोंसले के लिए ज्यादा खूबसूरत ढंग से बनाईं तर्जें.रवि ने लता मंगेशकर के मुकाबले आशा भोंसले के लिए ज्यादा खूबसूरत ढंग से तर्जें.बनाईं। आशा भोंसले के गीतों की विरासत में हमेशा ओपी नैय्यर और आरडी बर्मन का नाम लिया जाता है, मगर जल्दी रवि के योगदान की चर्चा नहीं होती।

व्यक्तित्व का कोमल पक्ष – आशा भोंसले की विविधतापूर्ण संगीत के धरातल का मूल्यांकन हम रवि की उन श्रेष्ठतम धुनों से कर सकते हैं, जो उनके संगीतकार व्यक्तित्व का एक अलग ही कोमल पक्ष को व्यक्त करती हैं।

आप भी इन गीतों को गुनगुनाना चाहेंगे- चन्दा मामा दूर के (वचन), तुम संग लागी बालम मोरी अंखियां (अलबेली), बहार ले के आई करार ले के आई (जवानी की हवा), इस तरह तोड़ा मेरा दिल, पवन मोरे अंगना में धीरे-धीरे आना (शहनाई), सितारों आज तो हम भी तुम्हारे साथ (राखी), तोरा मन दरपन कहलाए, मेरे भइया मेरे चन्दा मेरे अनमोल रतन (काजल), दिल की कहानी रंग लाई है (चौदहवीं का चाँद), कौन आया कि निगाहों में चमक जाग उठी, चेहरे पे खुशी छा जाती है, आगे भी जाने न तू (वक्त), शीशे से पी या पैमाने से पी (फूल और पत्थर), ये रास्ते हैं प्यार के (ये रास्ते हैं प्यार के), मत जइयो नौकरिया छोड़ के, जब चली ठंडी हवा (दो बदन), सैयां ले गयी जिया तेरी पहली नजर (एक फूल दो माली), ज़िन्दगी इत्तेफाक है (आदमी और इंसान), हुजूर आते आते बहुत देर कर दी (तवायफ) एवं कैसी मुरली बजाई घनश्याम (अवाम). रवि के लिए उनके संगीतकार पक्ष को लेकर जो सर्वाधिक महत्व की बात सामने आती है, उसमें यह जानना जरूरी है कि उनका संगीत उस हद तक ही आधुनिक होने की मांग करता हैं, जिसमें उसकी पूर्ववर्ती परम्परा की अनुगूंजों का समावेश भी संतुलित ढंग से शामिल माना जाए. वे ऐसी स्वच्छंदता के पैरोकार हैं, जहाँ पूर्वजों का अनुसरण और समकालीन प्रेरणा भी महत्व रखती आई है। शायद इसीलिए उनकी फि ल्मों के ज्यादातर गीत अपने दौर की नुमाइंदगी में ताजगी-भरे एहसास के साथ अपनी सरलता व परम्परा की छाया को भी प्रभावी रूप में व्यक्त करते हैं।

बच्चे के साथ क्वालिटी टाइम स्पैंड कर रही शनीना

अपनी पर्सनल और वर्किंग लाइफ के बीच बैलेंस बनाना हॉलीवुड एक्ट्रेस शनीना शायक अच्छे से जानती हैं। छह महीने पहले ही एक्ट्रेस ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था, जिसके साथ वह खूब क्वालिटी टाइम स्पैंड करती हैं। हाल ही में शनीना को बेटे जई के साथ लॉस एंजिल्स में स्पॉट किया गया, जहां वह मीडिया के कैमरे में कैद हो गई। अब मां-बेटे की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान शनीना शायक क्रीम कलर के पोलो टॉप के साथ कार्गो पैंट स्टाइलिश लग रही हैं। चेहरे पर शेड्स और स्लीक बन से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है और साइड में ब्लैक एंड व्हाइट पर्स कैरी किया है। एक हाथ में कॉफी कप लिए दूसरे हाथ से वह बेबी स्ट्रॉलर चला रही है। बेटे को लॉस एंजिल्स का दौरा करवाती हुई एक्ट्रेस कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं।

जाह्नवी कपूर की तेलुगू फिल्म में इंट्री

फिल्मकार एसएस राजमौली सुपरस्टार एनटीआर जूनियर की आगामी अभी तक बिना शीर्षक वाली तेलुगू फिल्म एनटीआर-30 के लिए पहला क्लैप देते नजर आए, जिसमें जान्हवी कपूर भी हैं। निर्देशक कोराताला शिवा के साथ तेलुगू परियोजना को आधिकारिक तौर पर गुरुवार को पूजा समारोह के साथ लॉन्च किया गया। यह जान्हवी कपूर की पहली तेलुगू फिल्म है। लॉन्च की तस्वीरों और वीडियो ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया है। एक तस्वीर में एनटीआर जूनियर और जाह्नवी हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। एक क्लिप में तेलुगू स्टार दिवंगत स्टार श्रीदेवी की बेटी का स्वागत करते हुए देखे जा सकते हैं, जो लाइम ग्रीन साड़ी और मैचिंग ब्लाउज में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। एक अन्य वीडियो में एनटीआर जूनियर और जान्हवी मंच पर राजमौली के साथ खड़े हैं। उन्होंने पहला क्लैप शॉट दिया और शूट की शुरूआत की घोषणा की।

जन्मदिन पर कंगना का भावनात्मक पोस्ट

अभिनेत्री कंगना रनौत 36 साल की हो गईं और उन्होंने उन लोगों से माफी मांगी, जिन्हें उन्होंने जाने-अनजाने में ठेस पहुंचाई है और यहां तक कि अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स के लिए एक संदेश भी साझा किया। कंगना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जहां वे हरे रंग की साड़ी पहने और बालों को पीछे की ओर बांधे हुए शाही अंदाज में दिख रही हैं। धाकड़ अभिनेत्री ने सबसे पहले अपनी मां, पिता और अपने गुरुओं (सद्गुरु और स्वामी विवेकानंद) को उनकी शिक्षाओं के लिए धन्यवाद दिया। वह फिर अपने शत्रु से बात करने लगीं। उन्हें यह कहते हुए सुना गया, मेरे शत्रु, जिन्होंने आज तक मुझे कभी आराम नहीं करने दिया। चाहे जितनी भी सफलता मिली, फिर भी मुझे सफलता के मार्ग पर तत्पर रखा। मुझे लड़ना, संघर्ष करना सिखाया। उनकी भी मैं हमेशा आभारी रहूंगी। उन्होंने आगे कहा कि दोस्तों मेरी विचारधारा बहुत सरल है, मेरी सोच भी बहुत सरल है और मैं हमेशा ही सबका अच्छा चाहती हूं।

पहले से ज्यादा मजबूत होकर सामने आई कंगना

अक्सर अपने बेबाक बयानों के कारण विवादों में रहती हैं कंगना

कंगना रनौत ने 23 मार्च को अपना 36वां जन्मदिन मनाया

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत 23 मार्च को अपना 36वां जन्मदिन मनाया। कंगना ने साल 2006 में बॉलीवुड में फिल्म गैंगस्टर से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था और अपने इस 17 साल के लम्बे करियर में उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में दीं हैं। इनमें से कुछ हिट साबित हुईं तो कुछ फ्लॉप भी रहीं। कंगना अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अक्सर अपने बेबाक बयानों और टिप्पणियों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। इस वजह से कई बार वो विवादों में भी फंसती रही हैं, मगर हर बार पहले से ज्यादा मजबूत होकर सामने आयीं। कुछ सालों पहले कंगना रनौत ने महाराष्ट्र सरकार पर टिप्पणी की थी, जिसके बाद वह बीएमसी के निशाने पर आई थीं। साल 2020 में बीएमसी ने कंगना के मुंबई स्थित ऑफिस का एक हिस्सा अवैध बताकर गिरा दिया था। इस पर एक्ट्रेस ने ट्वीट कर कहा था कि मेरे प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड में पहली फिल्म अयोध्या की घोषणा हुई, यह मेरे लिए एक इमारत नहीं, राम मंदिर ही है। आज वहां बाबर आया है, आज इतिहास फिर खुद को दोहराएगा। राम मंदिर फिर टूटेगा, मगर याद रख बाबर यह मंदिर फिर बनेगा। जय श्री राम। कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की रिलीज डेट 20 अक्टूबर थी, मगर कुछ वक्त पहले टाइगर श्रॉफ की फिल्म गणपत को इस तारीख पर लाने की घोषणा कर दी गयी थी। फरवरी में कंगना ने प्रोड्यूसर भूषण कुमार, अमिताभ बच्चन और टाइगर श्रॉफ पर निशाना साधते हुए ट्विटर पर एक पोस्ट लिखा था कि जब मैं अपनी फिल्म इमरजेंसी के लिए रिलीज डेट की तलाश कर रही थी तो मैंने देखा कि इस साल का कैलेंडर लगभग फ्री है। शायद इसकी वजह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बनने वाली फिल्मों का अच्छे से न चलना है। अपनी पोस्ट प्रोडक्शन टाइमलाइन के हिसाब से मैंने 20 अक्टूबर की डेट को चुना था। इसके एक हफ्ते के अंदर टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार ने अपनी फिल्म 20 अक्टूबर को रिलीज करने का ऐलान कर दिया। उन्होंने आगे कहा था कि पूरा अक्टूबर फ्री है। नवंबर और दिसंबर भी फ्री है, लेकिन आज अमिताभ बच्चन और टाइगर श्रॉफ ने अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की रिलीज डेट 20 अक्टूबर को बनाया है। लगता है पैनिक मीटिंग्स हो रही हैं, बॉलीवुड माफिया गैंग्स में। साल 2020 में कंगना का जाने-माने गीतकार जावेद अख्तर से भी विवाद हो गया था, जिसके बाद जावेद अख्तर ने कंगना के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाया था। जावेद अख्तर ने नवंबर 2020 में कोर्ट में शिकायत दर्ज करवाई थी कि कंगना ने एक इंटरव्यू के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक और आधारहीन बयान दिया था, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा था।

रश्मिका सामी सामी पर नहीं कर पाएंगी और परफॉर्म

-एक्ट्रेस के फैंस को बड़ा झटका

मुंबई (ईएमएस)। साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के फिल्म पुष्पा में गाना सामी सामी को लोगों ने काफी पसंद किया था। इवेंट में भी उनसे इस गाने पर डांस की डिमांड की जाती थी। रश्मिका मंदाना अब इस गाने पर और परफॉर्म नहीं कर पाएंगी। एक्ट्रेस हाल ही में सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन रखा था। इस दौरान नेटिजन्स ने उनसे ढेरों सवाल जवाब किए। इस दौरान एक फैन ने उनसे इच्छा जाहिर की कि वो सामी सामी गाने पर रश्मिका के साथ डांस करना चाहता है। लेकिन एक्ट्रेस पहले कई बार इस गाने पर अपनी गजब की परफॉर्मेंस दे चुकी हैं। अब अगर उन्होंने इस गाने पर परफॉर्म किया तो उन्हें बैक पेन से जूझना पड़ सकता है। रश्मिका ने कहा कि वो कुछ और कर सकती हैं। पुष्पा रिलीज से पहले और बाद में सामी सामी गाने पर जबरदस्त परफॉर्मेंस दी थी। पुष्पा का ये गाना काफी पॉपुलर रहा है। अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म को दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पांस मिला है। सुकुमार निर्देशित फिल्म में रश्मिका मंदाना, अल्लू अर्जुन के साथ-साथ फहाद फासिल भी अहम भूमिका में थे। इसके पहले पार्ट की सफलता के बाद दर्शकों की इसके दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है।

इसकी शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। पुष्पा का गाना सामी सामी और सामंथा स्टारर ओ अंतावा दुनियाभर में काफी पॉपुलर रहा था। दोनों ही फिल्म के हिट गाने रहे हैं। वहीं, रश्मिका स्टारर गाने की पॉपुलैरिटी उसके डांस स्टेप से काफी रही थी। इस गाने को मलयालम, तमिल, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज किया गया था। सामी सामी के तेलुगू वर्जन को यूट्यूब पर 111 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। इस गाने को देवीश्री प्रसाद ने कंपोज किया था। इसका तेलुगू वर्जन मोनिका यादव और मलयालम में सितारा कृष्णाकुमार ने गाया था। फैंस को अब पुष्पा: द रूल का बेसब्री से इंतजार है। इसके दूसरे पार्ट की शूटिंग जोर-शोर से चल रही हैं। मेकर्स और स्टार ने फैंस से ये वादा किया है कि इसका दूसरा सीक्वल पहले से ज्यादा दमदार होगा। इसका लोगों के बीच काफी बज बना हुआ है। पुष्पा 2 को लेकर बताया जा रहा है कि इसमें अल्लू अर्जुन और फहाद फासिल को लेकर कुछ खास सीन्स फिल्माए जा रहे हैं। बता दें कि साउथ एक्ट्रेस और नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना की पॉपुलैरिटी फिल्म पुष्पा से काफी बढ़ी है। इसमें उनकी अदायगी और डांस को काफी पसंद किया गया था।

सूडोकु नवताल- 6380

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6379 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल- 7127

म	अ	मु	ग	ल	ए	अ	व	धी	ल	ध
द	अ	व	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	ड़
र	स	ल	का	दी	व	स	अ	कां	ख	र
जी	लि	ल	प	श	ता	स	द	ह	बा	ल
त	य	अ	अ	र	र	अ	गु	ख	प	दे
क	त	अ	शो	त	अ	भि	अ	न	श	जू
क	स	अ	क	अ	न	ला	द	शा	जू	व
द	अ	ल	च	व	जी	षा	ऐ	बें	प	सा
क	बा	ना	क्र	त	क	छ	प्प	न	हिं	जू
क	र्च	बा	तें	व	न	ज	द	अ	जू	व
अ	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्द जाल में 'अ' से शुरु होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अवधी, अवकाश, अवतार,अर्चना,असलियत, अखबार, अभिलाषा, अवलोकन,अशोकचक्र, अहिंसा.

शब्दजाल - 7126 का हल

ची	अ	मे	रि	का	पा	तू	फा	न	प	क
न	खु	क	प	इं	डो	ने	शि	या	ड़	क
अ	दा	जो	ला	र	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	पो	ब	दू	स	पा	ह	लि	ल
त	ना	अ	सौ	न	जा	ला	कि	या	प	दे
आ	इ	इ	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	जी	ल	ह	व	प	रि	न	व	प	ग
र	रि	भा	र	त	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ज	जी	शा	जू	दे
र	ग	ल	प	व	सिं	ब्रा	रु	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्ट्योग - 6080

2	1	7		5	6	3
	29		32		32	
4		5	3		2	7
	36	6	28	4	28	
5		2		3		1
7	37		26		37	6
		4	1	2		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्ट्योग 6079 का हल

1	7	3	4	5	6	2
6	37	6	32	2	26	1
5	2	7	4	1	6	3
4	32	4	32	4	32	4
3	6	1	4	7	2	5
7	33	2	29	6	40	7
2	7	5	1	3	4	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

पाकिस्तान में हो सकता है आधा एशिया कप: टीम इंडिया के मैच यूएई , ओमान या श्रीलंका में; 3 बार भारत-पाक मैच की उम्मीद

नई दिल्ली ।
सितंबर में इसी साल होने वाला एशिया कप पाकिस्तान में ही हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट के ज्यादातर मैच पाकिस्तान में होंगे। हालांकि, भारतीय टीम के जितने भी मैच होंगे, उन्हें यूएई , ओमान या श्रीलंका में से किसी एक जगह शिफ्ट कराया जा सकता है। टूर्नामेंट में 3 बार भारत-पाक मैच होने की उम्मीद है। इस बार का एशिया कप सितंबर के शुरुआती सप्ताह में होना है। 13 दिनों तक चलने वाले 6 टीमों के टूर्नामेंट में फाइनल समेत कुल 13 मैच होंगे। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। उनके साथ एक टीम क्वालिफाई करके पहुंचेगी। वहीं श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान दूसरे ग्रुप में है।

न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे भारत के मैच - एशिया कप के शुरुआती स्टेज में भारतीय टीम 2 मैच खेलेगी। एक भी मैच जीतने पर टीम सुपर-4 स्टेज में पहुंचेगी, जहां उन्हें 3 मैच खेलने होंगे। अगर टीम इंडिया फाइनल में भी पहुंची तो टीम टूर्नामेंट में कुल 6 मुकाबले खेलेगी। भारत के फाइनल में पहुंचने की स्थिति में उस मुकाबले को भी न्यूट्रल वेन्यू पर ही शिफ्ट किया जाएगा।

इंग्लैंड का नाम भी न्यूट्रल वेन्यू में शामिल - न्यूट्रल वेन्यू में फिलहाल यूएई , ओमान और श्रीलंका के अलावा इंग्लैंड का नाम भी सामने आ रहा है, क्योंकि इंग्लैंड में भारत-पाक मैच को देखने के लिए भारी मात्रा में दर्शक पहुंच सकते हैं। लेकिन इंग्लैंड को मेजबानी मिलने की उम्मीद कम ही है, क्योंकि यूएई और ओमान में इससे पहले एशिया कप और आईपीएल के मैच सितंबर के दौरान आयोजित किए गए हैं। ऐसे में एशिया के ही किसी देश को भारत के मैचों की मेजबानी मिलने की उम्मीद है।

एसीसी मीटिंग में नहीं हो सका था फैसला - पिछले सप्ताह एशियन क्रिकेट काउंसिल ने पाकिस्तान में एशिया कप कराने को लेकर मीटिंग की थी। इस मीटिंग में फाइनल वेन्यू को लेकर फैसला नहीं हो सका था। इस मीटिंग के बाद भी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और एसीसी सदस्यों में इनफॉर्मल मीटिंग हुई। इन मीटिंग में समस्या का समाधान निकाला गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, एशिया कप में भारत को छोड़कर बाकी 5 देशों के मैच पाकिस्तान में ही होंगे। सितंबर के शुरुआती सप्ताह में होने वाले टूर्नामेंट में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय टीम के ग्रुप में पाकिस्तान के अलावा एक टीम क्वालिफायर स्टेज से पहुंचेगी। श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान दूसरे ग्रुप में रहेंगी। दोनों ग्रुप से टॉप-2 टीमें सुपर-4 स्टेज में पहुंचेंगी।

न्यूज़ ब्रीफ

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप तीसरा दिन: रुद्रांक्ष ने भारत को दिलाया ब्रॉन्ज, भारत के कुल 5 मेडल

भोपाल। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन वर्ल्ड कप में शुक्रवार को 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में भारत के रुद्रांक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। दूसरी ओर 10 मीटर एयर राइफल कांप्टीशन फाइनल में भारत की और टॉप 8 में हृदह हजारिका और रुद्रांक्ष पटिल शामिल हुए थे। इस दौरान रुद्रांक्ष के फाइनल पाइंट्स 262.2 रहे। इसके अलावा चीन के शेंग लिहाओ ने गोल्ड और डू लिंशु सिल्वर मेडल हासिल किया। रुद्रांक्ष पाटिल ने मैच के बाद बताया कि, यह एक ऐसा फाइनल था जब मेरे हाथ कांप रहे थे और मेरी हार्ट बीट भी बहुत बढ़ गई थी अगर इसको मापने वाला कोई यंत्र होता तो शायद मेरी हार्ट बीट 200 हो चुकी होती। इस बीच मैंने अपने आप को बहुत स्थिर रखने की कोशिश की और खेल पर फोकस किया। वर्ल्ड कप में भारत के मेडल की संख्या 5 हो गई है, जिसमें 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। 10 मीटर एयर राइफल वुमन के क्वालिफाइंग राउंड और 25 मीटर पिस्टल वुमन इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड भी आयोजित किए जाएंगे। इन राउंड्स में कुल 52 खिलाड़ी भाग लेंगे।

फुटबॉल इंटरनेशल ब्रेक: रोनाल्डो - मेसी ने नेशनल टीम से दागे गोल, हैरी केन ने तोड़ा रूनी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। क्लब फुटबॉल और यूएफा चैंपियंस लीग के रोमांच के बाद अब फुटबॉल में इंटरनेशनल ब्रेक शुरू हो गया है। साल भर चाल्ने वाले क्लब गेम्स के बीच हर 2-3 महीने में फुटबॉल में इंटरनेशनल ब्रेक लिया जाता है। इस दौरान सभी अपनी नेशनल टीम के फ्रेंडली और टूर्नामेंट मैच खेलते है। कतर वर्ल्ड कप के बाद पहली बार सभी बड़े प्लेयर्स अपनी नेशनल टीम के साथ दिखे। अर्जेंटीना में लियोनल मेसी, पुर्तगाल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और इंग्लैंड में हैरी केन ने जलवा बिखेरा। तीनों प्लेयर ने अपने इंटरनेशनल ब्रेक के दौरान गोल दागे। वहीं, हैरी केन ने तो इंग्लैंड टीम के लीजेंड वेन रूनी का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने का नया रिकॉर्ड बनाया है। अब उनके नाम पुर्तगाल से 197 मैच हो गए है। उन्होंने कुवैत के बादर अल-मुतावा को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 196 मैच है।

बाबर आजम को मिला सितारा-ए-इम्तियाज अवॉर्ड: पाकिस्तान में तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान पाने वाले सबसे युवा व्यक्ति बने बाबर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम को देश का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान

सितारा-ए-इम्तियाज मिला। यह अवॉर्ड उन्हें 23 मार्च को पाकिस्तान डे के दिन मिला। बाबर से पहले 31 की उम्र में साल 2018 में यह सम्मान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को मिला था। इस बीच, पाकिस्तान की पूर्व महिला कप्तान बिस्माह मारूफ को चौथे सबसे बड़े सम्मान तमगा-ए-इम्तियाज से सम्मानित किया गया है। पाकिस्तान के पूर्व ब्लाइंड क्रिकेटर मसूद जान को प्राइड ऑफ परफॉरमेंस अवॉर्ड मिला। बाबर आजम ने सम्मान पाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने मेडल के साथ अपनी फोटो शेयर की और लिखा - मेरे माता और पिता की मौजूदगी में सितारा-ए-इम्तियाज प्राप्त करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। यह अवॉर्ड मेरे माता-पिता, प्रशंसकों और पाकिस्तान के लोगों के लिए है। पाकिस्तान सरकार ने 14 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के दिन बाबर को सितारा-ए-इम्तियाज से सम्मानित करने की घोषणा की गई थी। वह कई पूर्व क्रिकेटरों में शामिल हो गए जिन्हें यह पुरस्कार दिया गया। इसमें जावेद मियांदाद, इंजमाम-उल-हक, मोहम्मद यूसुफ, यूनिस खान, शाहिद अफरीदी, सईद अजमल और मिस्बाह-उल-हक शामिल हैं। बिस्माह मारूफ तमगा-ए-इम्तियाज से सम्मानित होने वाली दूसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं। इससे पहले पाकिस्तान की पूर्व क्रिकेटर और कप्तान सना मीर ने यह अवॉर्ड जीता था। 31 साल की मारूफ ने अपने पिता को अवॉर्ड समर्पित किया। मारूफ ने 2013 में पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी संभाली थी। 2020 तक उन्होंने टीम की कप्तानी की।

वनडे वर्ल्ड कप का कोई मैच मोहाली स्टेडियम में नहीं

वजह पार्किंग प्रॉब्लम, करप्शन के आरोप; 2011 में यहां भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल हुआ था

नई दिल्ली ।
वनडे वर्ल्ड कप 2023 के सभी 48 मैच इस बार भारत में होंगे। टूर्नामेंट के लिए देश के 12 अलग-अलग शहर शॉर्टलिस्ट कर लिए गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 19 नवंबर को फाइनल मुकाबला होगा। शॉर्टलिस्ट हुए शहरों में पंजाब के मोहाली का नाम नहीं है, जहां 2011 में भारत-पाकिस्तान के बीच वनडे वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया था। इसी स्टेडियम में 2016 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच अहम लीग मैच भी हुआ था। इतने अहम मैचों की मेजबानी के बावजूद मोहाली का नाम शॉर्टलिस्ट नहीं होना एक चौंकाने वाला फैसला है।

5 अक्टूबर से शुरू होगा वर्ल्ड कप -रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू हो कर 19 नवंबर तक चलेगा। 10 टीमों के टूर्नामेंट में 45 लीग और 3 नॉकआउट मैच होंगे। 48 मैच 46 दिन तक चलेंगे, इन मैचों के लिए 12 शहरों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। जिन शहरों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, उनमें बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, कोलकाता, अहमदाबाद और मुंबई में अक्सर वर्ल्ड कप के मुकाबले होते आए हैं। इस बार गुवाहाटी, लखनऊ, इंदौर और राजकोट को भी इस लिस्ट में जोड़ा गया है।

मोहाली को शॉर्टलिस्ट क्यों नहीं किया गया - मोहाली में बना पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन का आईएस बिंद्रा स्टेडियम शॉर्टलिस्ट किए गए स्टेडियम में जगह नहीं बना सका। यहां इन दिनों खालिस्तानी आंदोलन चल रहा है। इसके अलावा पार्किंग की समस्या और करप्शन के आरोप भी बड़ी वजह हैं।

34 हजार दर्शक बैठ सकेंगे नए स्टेडियम में - मोहाली में इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए नया स्टेडियम बनने का काम 2017-18 में शुरू हुआ। स्टेडियम 2019-20 में बन कर तैयार होना था। लेकिन कोरोना के कारण बीच में काम रोकना पड़ा। अब बताया जा रहा है कि नया स्टेडियम 90 से 95प्रतिशत बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन यहां इंटरनेशनल लेवल के मैच आयोजित कराने के लिए 2024 तक का इंतजार करना होगा। वनडे वर्ल्ड कप इसी साल अक्टूबर-नवंबर में होना है। इस कारण यहां मैच नहीं हो सकेंगे। नया स्टेडियम पुराने स्टेडियम से करीब 10 किलोमीटर दूर मुल्लांपुर के तोगा और तीरा गांव में बनाया जा रहा है। जिसका नाम महाराजा यादविंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम होगा। इस स्टेडियम में घरेलू और इंटरनेशनल मैचों के लिए अलग-अलग ग्राउंड होंगे। साथ ही इंटरनेशनल मैचों के लिए दर्शक क्षमता करीब 35 से 40 हजार तक रहेगी।

पुराने स्टेडियम में क्यों नहीं हो सकते मैच - पुराने स्टेडियम में पार्किंग की समस्या है। इस कारण यहां अब इंटरनेशनल मैच होने भी कम हो गए। पिछले 4 साल में यहां एक टी-20 इंटरनेशनल ही खेला गया। ऐसे में पड़ताल की तो पता चला कि आईएस बिंद्रा स्टेडियम शहर के बीचों-बीच बना हुआ है। जहां शुरुआत में पार्किंग की समस्या नहीं थी, लेकिन शहर की बढ़ती आबादी के बाद अब यहां पार्किंग की समस्या होने लगी है। मैच के दौरान ट्रैफिक भी बहुत बढ़ जाता है, जिस कारण आम जनता के साथ टीमों को भी आने-जाने में परेशानी होती है। वर्ल्ड कप जैसे बड़े इवेंट में इस तरह की भीड़ का सामना न करना पड़े इसीलिए नए स्टेडियम को बनाने का काम शुरू हुआ। वर्ल्ड कप से पहले नया स्टेडियम तैयार नहीं होगा, लेकिन पार्किंग और ट्रैफिक जैसी समस्या के चलते पुराने स्टेडियम में भी मैच नहीं होंगे।

इंटरनल पॉलिटिक्स भी आई सामने - टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी और पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के चीफ एडवाइजर हरभजन सिंह ने पिछले दिनों एसोसिएशन में करप्शन के आरोप लगाए थे। उन्होंने 7 अक्टूबर 2022 को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को ऑफिशियल लेटर लिखकर करप्शन की बात कही थी। जिसके बाद इंटरनल इन्वेस्टिगेशन जारी है। इस कारण भी यहां लंबे समय से इंटरनेशनल क्रिकेट मैच के आयोजनों को प्राथमिकता नहीं दी गई।

2 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी के मैच हुए - 22 नवंबर 1993 को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच यहां पहली बार लिमिटेड ओवर्स का कोई मुकाबला खेला गया। हीरो कप का यह मुकाबला भारत ने 43 रन से जीता। इसके बाद यहां 25 वनडे मुकाबले खेले गए। इनमें 1996 और 2011 के वनडे वर्ल्ड कप और 2006 चैंपियंस ट्रॉफी के मैच शामिल हैं। आखिरी बार 2019 में यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे मैच हुआ, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने जीता। इसी मैदान पर 2011 में भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया।

निकहत दूसरी और नीतू पहली बार विश्व चैंपियन बनने से एक कदम दूर

नई दिल्ली ।
निकहत जरीन लगातार दूसरी बार और हरियाणा की नीतू पहली बार विश्व चैंपियन बनने से एक कदम दूर हैं। निकहत ने बृहस्पतिवार को ओलंपिक पदक विजेता और पिछली विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने वाले कोलंबिया की विक्टोरिया वेलेंसिया इंगरित को 5-0 से हराया तो नीतू ने एशियाई चैंपियन और पिछली विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली कजाखस्तान की अलुआ बालकिबेकोवा 5-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। नीतू ने अलुआ से बीते वर्ष विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में मिली हार का बदला लिया।

निकहत के लिए यह चैंपियनशिप खास बन गई है। उन्होंने बताया कि उनकी मां पहली बार किसी चैंपियनशिप में उन्हें पहली आंखों के सामने खेलने देखने आई हैं। निकहत कहती हैं कि पहले तो मां रिंग में उतरने की बात पर ही परेशान हो जाती थीं, लेकिन पिछली विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण के बाद वह थोड़ा मजबूत हुई हैं।

यही कारण है कि वह इस चैंपियनशिप में उन्हें खुद खेलते देखने आई हैं। मार पड़ती है तो मां थोड़ा परेशान होती हैं, लेकिन अब वह समझ गई हैं। निकहत कहती हैं कि वह चाहती हैं कि यहां स्वर्ण जीतकर एक बार फिर इसे अपनी मां के गले में डालें। निकहत कहती हैं कि यह उनका टूर्नामेंट में अब तक सर्वश्रेष्ठ बाउट था। इंगरित को वह 2019 में बिग बाउट में हरा चुकी हैं। उन्होंने उसके खिलाफ अपना चार साल पहले की रणनीति यहां अपनाई जो एक बार फिर काम कर गई। यह चैंपियनशिप उनकेलिए एशियाई खेलों की तैयारियों का बड़ा हिस्सा है। निकहत फाइनल में एशियाई चैंपियन न्यून थी ताम से खेलेंगी। सेमीफाइनल में उतरने से पहले नीतू के दिमाग में बीते वर्ष इस्तांबुल (तुर्किए) में हुई विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल रह-रहकर घूम रहा था। उन्हें याद आ रहा था कि बुखार में तपने के बावजूद वह इसी कजाखस्तान के अलुआ बालकिबेकोवा से बेहद नजदीकी मुकाबले में हार गई थीं। वरना विश्व चैंपियनशिप का पदक उसी वक्त उनके हाथ में होता। नीतू को कोचेज ने उस दौरान खेलने से भी मना किया था, लेकिन वह खेलीं और जीत के कगार पर पहुंचकर हार गईं।

सूर्या की संजू सैमसन से तुलना मत करो, कपिल देव ने आलोचकों को जमकर लगाई लताड़

नई दिल्ली।
भरतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा कि सूर्यकुमार यादव की तुलना संजू सैमसन से नहीं करना चाहिए। 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान नेसाथ ही सवाल किया कि अगर सैमसन खराब दौर से गुजरते तो क्या हम किसी और के बारे में बात कर रहे होते

कपिल देव ने बातचीत में कहा, एक क्रिकेटर जिसने अच्छा प्रदर्शन किया हो, उसेहमेशा ज्यादा मौके मिलते हैं। सूर्या की तुलना संजू सैमसन के साथ नहीं करिये। यह सही नहीं लगता। अगर संजू खराब दौर से गुजरता तो क्या आप किसी और के बारे में बात करते।

सूर्या के जीरो की हैट्रिक

उन्होंने आगे कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए। अगर टीम प्रबंधन ने सूर्यकुमार यादव को समर्थन देने का फैसला किया तो उन्हें ज्यादा मौके मिलने चाहिए। हां, लोग बातचीत करेंगे और अपने विचार देंगे, लेकिन आखिरकार यह प्रबंधन का फैसला होगा।

बता दें कि सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में संपन्न तीन मैचों की वनडे सीरीज में एक भी रन नहीं बनाया। वो तीन मैचों में पहली गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौटे। चेन्नई में तीसरे वनडे के दौरान चौथे नंबर पर खेलने वाले सूर्या को नंबर सात पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया।

सूर्या के विश्वास को लगा धक्का

हालांकि, बल्लेबाजी क्रम में बदलाव से सूर्या के भाग्य में बदलाव नहीं आया और वो तीसरे वनडे में भी बिना खाता खोले आउट हुए। कई पूर्व क्रिकेटर्स और पंडितों का मानना है कि सूर्या को नीचे भेजकर सही नहीं किया गया क्योंकि इससे उनके विश्वास को धक्का लगेगा। वहीं कपिल देव ने टीम के फैसले का समर्थन किया और कहा, मैच खत्म होने के बाद बातें करना आसान है। सूर्यकुमार यादव को सातवें नंबर पर भेजने का मकसद फिनिशर के रूप में मौका देना हो। वनडे में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव नई बात नहीं है। ऐसा पहले भी कई बार हुआ है। हां कई बार बल्लेबाज के विश्वास को धक्का लगता है। मगर यह खिलाड़ी पर निर्भर करता है कि वो कप्तान से कहे कि मैं टॉप ऑर्डर में खुद को संभाल लूंगा।

पंजाब किंग्स में इंग्लिश खिलाड़ियों की खींचतान, एक नहीं खेलेगा आईपीएल तो दो खिलाड़ी पूरे सीजन में रहेंगे उपलब्ध

नई दिल्ली।
आईपीएल के 16वें सीजन का रोमांच 31 मार्च से शुरू होगा। इससे पहले पंजाब किंग्स के लिए मिलीजुली खबर आ रही है। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो आगामी आईपीएल में नहीं खेलेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बेयरस्टो को एनओसी नहीं दी है। 33 साल के बेयरस्टो को पिछले साल सितंबर में पैर में चोट लगी थी, जिससे वह उबरने में जुटे हुए हैं। हालांकि, ईसीबी ने ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को आईपीएल में खेलने के लिए हरी झंडी दे दी है। लिविंगस्टोन घुटने और एड़ी की चोट से उबरने के बाद आईपीएल में हिस्सा लेंगे।

पंजाब किंग्स के लिए मिलीजुली खबर - ध्यान दिला दें कि पंजाब किंग्स ने खिलाड़ियों की नीलामी में लियाम लिविंगस्टोन को 11.50 करोड़ रुपये और जॉनी बेयरस्टो को 6.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। रिपोर्ट में बताया गया, पंजाब किंग्स के लिए मिलीजुली खबर है कि ईसीबी ने लियाम लिविंगस्टोन को आगामी आईपीएल में हिस्सा लेने की अनुमति दी है, लेकिन जॉनी बेयरस्टो को रोक लिया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया, जॉनी बेयरस्टो लंबे समय से चोट के कारण बाहर हैं और ईसीबी ने उन्हें एनओसी जारी नहीं की है। सितंबर 2022 में बेयरस्टो को गोल्फ खेलते समय पैर में चोट लगी थी। इसके बाद वो टी20 वर्ल्ड कप और पाकिस्तान व न्यूजीलैंड दौरे पर इंग्लैंड टीम के साथ नहीं जा सके थे। रिपोर्ट के मुताबिक बेयरस्टो फिट हो रहे हैं और कुछ समय में दौड़ने लगेंगे।

सबसे महंगा खिलाड़ी खेलेगा - बता दें कि 29 साल के लिविंगस्टोन को द हंड्रेड के दौरान एड़ी में चोट लगी थी। इसके अलावा पिछले साल दिसंबर में रावलपिंडी टेस्ट के बाद वो चोटों के कारण क्रिकेट एक्शन से दूर रहे हैं। हाल ही में दुबई में ऑफ-सीजन ट्रेनिंग में जॉनी बेयरस्टो लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब का हिस्सा थे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने सैम करन पंजाब किंग्स के लिए पूरे सीजन में उपलब्ध रहेंगे।

महिला क्रिकेट का क्रेज

वीमेंस प्रीमियर लीग पहले हफ्ते में 5 करोड़ ने देखा; फाइनल मुकाबले की सारी टिकट बिकीं

मुंबई।
वीमेंस प्रीमियर लीग को शुरू करने में बीसीसीआई के सामने सबसे बड़ा सवाल दर्शकों का था। आमतौर पर दर्शकों और आयोजकों के बीच ये धारणा बनी थी कि महिला क्रिकेट में फैंस की रुचि नहीं है। ऐसे में फैंस मैदान पर अपनी टीम को सपोर्ट करने पहुंचेंगे या नहीं, इसी सवाल के जवाब ढूंढने की वजह से लीग को शुरू होने में समय लगा। हालांकि, समय लगने के बावजूद लीग की दर्शक संख्या ने सारे सवालों के जवाब खुद ही दे दिए हैं। अब लीग में केवल दो मैच बचे हैं, ऐसे में ये कहना जल्दबाजी नहीं होगी कि लीग के पहले सीजन का आयोजन सफल रहा है।

आईपीएल के पहले सीजन की कुल टीवी व्यूअरशिप 10 करोड़ थी - वीमेंस प्रीमियर लीग को पहले हफ्ते में 5 करोड़ 78 हजार टीवी व्यूअरशिप मिली है। दूसरी ओर, आईपीएल के पहले सीजन में कुल 10 करोड़ टीवी व्यूअरशिप मिली थी। पहले हफ्ते में ही वीमेंस प्रीमियर लीग आईपीएल की आधी व्यूअरशिप हासिल कर चुका है। आईपीएल के पहले सीजन में कुल 58 मैच खेले गए, यानी हर मैच को औसतन 17 लाख लोगों ने टीवी पर देखा।

वीमेंस प्रीमियर लीग के हर मैच को औसतन 63 लाख टीवी दर्शकों ने देखा है। बार्क की रिपोर्ट के अनुसार 15 साल से ज्यादा के युवाओं की वीमेंस लीग में ज्यादा रुचि है। वीमेंस प्रीमियर लीग के फाइनल की टिकट एक दिन के भीतर ही सोल्ड आउट हो गईं। फाइनल की कोई भी टिकट फ्री नहीं थी। 21 मार्च को खेले गए दिल्ली और मुंबई के मुकाबले में कुल 30 हजार 203 दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे।

प्रदर्शन में पुरुष टीम से आगे निकली दिल्ली-मुंबई की महिला टीमें - वीमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई और दिल्ली की फ्रेंचाइजी अपनी पुरुष टीम से आगे निकल गई है। दिल्ली कैपिटल्स की पुरुष टीम को अपना पहला फाइनल खेलने के लिए 11 साल लंबा समय लगा था। वहीं, महिला टीम ने पहले सीजन में ही फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस आईपीएल में तीसरे साल प्लेऑफ के लिए पहली बार क्वालिफाई हुई थी। महिला टीम ने पहले सीजन में ही ऐसा कर लिया।

पहले मैच से ही आईपीएल और वीमेंस लीग में समानताएं दिखीं - पहले मैच से ही आईपीएल और वीमेंस लीग में समानताएं दिखने लगी। मुंबई ने लीग के पहले मैच में 200 का आंकड़ा पार किया और गुजरात को 64 रन पर आउट कर 143 रन से मुकाबला जीत लिया। आईपीएल के पहले मैच में केकेआर ने पहली पारी में 200 का आंकड़ा पार कर लिया था और आरसीबी को 82 पर आउट कर 140 रन से वो मुकाबला जीत लिया था।

वीमेंस प्रीमियर लीग की एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की डिवाइन (99) के नाम है। आईपीएल के पहले सीजन में ये रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के ही मैक्कुलम के नाम था। आईपीएल -1 में ऑस्ट्रेलिया के शॉन मार्श ने ऑरेंज कैप जीती थी। वीमेंस प्रीमियर लीग में ऑस्ट्रेलिया की मैग लैनिंग टॉप पर हैं। आईपीएल के पहले सीजन में आरसीबी नीचे से दूसरे पर थी। आरसीबी की महिला टीम लीग में नीचे से दूसरे स्थान पर रही।

सलाह

पार्टनर से कर रहे हैं चैट तो रखें खास बातों का ख्याल

आजकल के मॉडर्न जमाने में मोबाइल हर किसी की जरूरत बन गया है। सुबह हो या रात इसको देखे बिना आजकल के युवाओं का मन ही नहीं लगता। यहां तक की पार्टनर भी आपस में बात करने के लिए ज्यादातर चैटिंग का ही सहारा लेते हैं। कई बार तो चैटिंग से बात स्पष्ट न होने के कारण छोटी सी बात भी बड़े झगड़े का कारण बन जाती है। आप भी पार्टनर के साथ बात करने के लिए चैटिंग का सहारा ले रहे हैं तो कुछ खास बातों का ध्यान जरूर रखें।

1. टाइम का रखें ख्याल

यह जरूरी नहीं की आपका पार्टनर हर समय चैटिंग करने के लिए फ्री हो। बिजनेस के कारण या किसी जरूरी मीटिंग के वक्त उनको डिसटर्ब न करें। बात करने के लिए सही मौके का इंतजार करें।

2. विषय से न भटके

इस बात का ख्याल रखें कि चैटिंग एक-दूसरे का हाल पूछने या फिर जरूरी बात के लिए अच्छा विकल्प है। बात करते समय विषय से न भटके

3. न करें छोटी-छोटी बात

छोटी-छोटी बात के लिए चैटिंग करने से आपके पार्टनर को बुरा भी लग सकता है। जो बात जरूरी है सिर्फ वहीं करें।

4. सहजता से करें चैटिंग

चैटिंग करते समय इस बात का ख्याल रखें कि हड़बडाहट या घबराहट में बात न करें। इससे आपको अपनी बात दूसरे को समझाने में परेशानी हो सकती है।

ज्यादा अपेक्षाएं मत पालो, आरामदायक जीवन का मंत्र

एक बार भ्रमण पर निकले दार्शनिक सुकरात की मुलाकात किसी शहर में एक बुजुर्ग से हुई। बुजुर्ग सुकरात को अपने घर ले गए। उनका भरा-पूरा परिवार था। घर में बेटे-बहुओं के अलावा पौत्र-पौत्रियां भी थे। सुकरात ने पूछा-आपके घर में तो सुख-समृद्धि का वास लग रहा है। वैसे अब आप करते क्या हैं? बुजुर्ग ने कहा-अब मुझे कुछ नहीं करना पड़ता। ईश्वर की कृपा से हमारा अच्छा कारोबार है, सारी जिम्मेदारियां अब मैंने अपने बेटों को सौंप दी हैं। घर का जिम्मा बहुएं संभालती हैं। इसी तरह जीवन चल रहा है। सुकरात ने फिर पूछा-पर आपको कुछ तो करना ही पड़ता होगा। बुढ़ापे में आपके इस सुखी जीवन का रहस्य क्या है? सुकरात की बात सुनकर बुजुर्ग बोला-मैंने जीवन के इस मोड़ पर बस एक ही फलसफा अपनाया है कि दूसरों से ज्यादा अपेक्षाएं मत पालो। जो मिले, उसमें संतुष्ट रहो। मैं और मेरी पत्नी अपने पारिवारिक उत्तरदायित्व अपने बेटे-बहुओं को सौंपकर निश्चिंत हैं। अब वे जो कहते हैं, वह मैं कर देता हूं और जो कुछ भी खिलाते हैं, वह खा लेता हूं। अपने पौत्र-पौत्रियों के साथ हंसता-खेलता हूं। बच्चे जब कुछ भूल करते हैं, तब भी मैं चुप ही रहता हूं। जब कभी वे मेरे पास सलाह-मशविरे के लिए आते हैं, तो मैं अपने जीवन के सारे अनुभवों को उनके सामने रखते हुए उनके द्वारा की गई भूल से उत्पन्न दुष्परिणामों के प्रति उन्हें सचेत कर देता हूं। मेरी सलाह पर वे कितना अमल करते हैं, यह देखना मेरा काम नहीं है। यदि वे मेरे पास पुन- आते हैं, तो मैं नेक सलाह देकर उन्हें विदा कर देता हूं। यह सुनकर सुकरात बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा-इस आयु में जीवन कैसे जिया जाए, यह आपने बखूबी समझ लिया है।

क्या आप जानते हैं इन हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स के बारे में

कभी हेयर स्टाइल का मतलब हुआ करता था बॉलीवुड के स्टार्स की तरह की स्टाइल। किसी खास फिल्म में अपने पसंदीदा कलाकार की हेयर स्टाइल की कॉपी करने तक ही हेयर स्टाइलिंग का मामला सिमटा हुआ था। इससे ज्यादा हेयर स्टाइल का कोई मतलब भी नहीं था। बीते कुछ सालों में बालों ने स्टाइलिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मुकाम हासिल कर लिया है। इसके साथ ही शुरू हुई है हेयर स्टाइलिंग और केयरिंग प्रॉडक्ट्स की मांग।

ये हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स भी बाजार में बड़ी रेंज उपलब्ध होते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ प्रॉडक्ट्स के बारे में।

वैक्स

इसे मोल्डिंग क्रीम, स्टाइलिंग पेस्ट, क्ले या पुट्टी के तौर पर भी जाना जाता है। यह हेयर स्टाइलिंग के लिए उपयोग किया जाने वाला बहुत आम प्रोडक्ट है। इसका हर दिन उपयोग किया जा सकता है। आपके बाल चाहे स्ट्रेट हों या वेवी, ज्यादा लंबे हों या फिर छोटे... हर तरह के बालों में आप वैक्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपको बालों को होल्ड करके रखता है और साथ ही हल्की-सी चमक भी देता है।

पॉमेड

यदि आप बालों को और भी ज्यादा व्यवस्थित व चमकदार चाहते हैं, तो पॉमेड सबसे उपयुक्त उत्पाद है। अपने बालों को वेल-ग्रूम्ड और एकदम संवरे हुए रखने के लिए टॉवेल से बालों को सुखाकर पॉमेड का इस्तेमाल करें। एक बार सूखने पर आपके बाल संवरे और चमकदार नजर आएंगे। चूंकि यह आपको बालों को हल्का-सा चिपचिपा बनाता है, इसलिए उन लोगों के लिए यह बहुत अच्छा विकल्प नहीं है, जो अपने बालों को अपने हाथों से संवारते हैं।

क्रीम

हेयर क्रीम बालों को पूरी तरह से संवरा हुआ नहीं रखता है, लेकिन इससे लंबे और कर्ली बाल बहुत अच्छे तरीके से संभाले जा सकते हैं। हेयर क्रीम बालों को अच्छे-से नम रखता है ताकि वे सही दिशा में संवरे रहें।

ड्राय शैंपू

हर दिन बालों में शैंपू करना अच्छा नहीं माना जाता है क्योंकि इससे बालों से प्राकृतिक नमी कम होने लगती है और यह बालों की सेहत के लिए ठीक नहीं होता है। यदि आप शैंपू नहीं करते हैं, तब भी आपके बाल चिपचिपे हो जाते हैं। इससे निबटने और बालों को नुकसान से बचाने के लिए आप ड्राय शैंपू का उपयोग करें। इसे आप सूखे बालों पर स्प्रे करें ताकि यह आपके बालों में से चिपचिपापन सोख ले। इससे आपके बाल एकदम फ्रैश नजर आने लगेंगे। साफ बाल ज्यादा घने भी नजर आते हैं।

जेल

जेल सबसे पुराना और सबसे लोकप्रिय उत्पाद है। एक अच्छा हेयर जेल हर दिन प्रयोग करने के लिए अच्छा विकल्प है। इससे आपकी स्टाइलिंग एकदम परफेक्ट रहेगी। जरा-सा जेल टॉवेल से सुखाए गए बालों पर लगाएं।

स्मार्टफोन डाटा और पैसे बचाने के लिए उपयोग करें ये 5 तरीके

प्रीपेड मोबाइल यूजर्स के साथ बैलेंस को लेकर कई समस्याएं आती हैं। जैसे यूजर्स को डाटा बैलेंस खत्म होने का पता नहीं चलता है जिसके चलते मेन बैलेंस से डाटा इस्तेमाल हो रहता है। ऐसे में यूजर का सारा बैलेंस खत्म हो जाता है। हो सकता है कि आपके साथ भी ऐसा हुआ है। इसी परेशानी को देखते हुए हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लाएं हैं जो आपका डाटा बचाने में मदद करेंगे। इससे आपका बैलेंस भी जीरो नहीं होगा।

ऐसे बचाएं मोबाइल डाटा व पैसा

» देखा जाए तो एप्स अपडेट होने में ज्यादा डाटा खर्च होता है। जैसे ही फोन में इंटरनेट कनेक्ट होता है वैसे ही एप्स अपडेट होने लगती है। ऐसे में अगर आप एप्स का ऑटो अपडेट ऑप्शन बंद कर दें या उसे ओनली वाई-फाई पर सेट कर दें तो आपका डाटा बच सकता है।

» व्हाट्सएप इस्तेमाल करते समय यह ऐप काफी डाटा खर्च करती है। दरअसल, व्हाट्सएप पर आने वाली इमेज और मीडिया फाइल्स अपने आप ही डाउनलोड हो जाती हैं। इससे यूजर्स का मोबाइल डाटा काफी खर्च होता है। इसके लिए आपको व्हाट्सएप सेटिंग्स में जाकर यूसेज पर क्लिक करना होगा। इशके बाद यहां आपको मीडिया ऑटो डाउनलोड के ऑप्शन मिलेंगे जिन्हें आप अपने मुताबिक सेट कर सकते हैं। आप इन्हें ऑटो डाउनलोड ओवर वाई-फाई पर सेट कर सकते हैं।

» अगर आप अपने स्मार्टफोन पर क्रोम ब्राउजर का इस्तेमाल करते हैं तो यह इससे आपका मोबाइल डाटा ज्यादा खर्च होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि क्रोम किसी भी वेबसाइट के वेब वर्जन डाउनलोड करता है। ऐसे में आप किसी भी साइट का लाइट वर्जन ब्राउज करें। इसके लिए क्रोम सेटिंग्स पर जाकर डाटा सेवर ऑप्शन को ऑन कर दें।

» फेसबुक चलाते समय उसके वीडियोज भी ऑटो प्ले होते हं। इससे फोन का डाटा ज्यादा खर्च होता है। इसके लिए फेसबुक एप की सेटिंग में जाकर ऑटोप्ल को ऑफ कर दें।

» आपके फोन में गूगल ड्राइव, कैंडी क्रश, जीमेल जैसे कई एप्स मौजूद होंगे। ये सभी एप्स मोबइल डाटा ऑन होते ही फाइल्स को ऑनलाइन सेव/सिंक करते हैं। इससे डाटा काफी खर्च होता है। इसक लिए आप नोटिफिकेशन टॉगल में जाकर sync ऑफ कर दें।

कुछ इस तरह सुंदर पौधे लाएंगे घर में खुशहाली

फेंगशुई के अनुसार स्वस्थ और सुंदर पौधे आपके घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को उत्साह और उमंग से सराबोर कर देते हैं।

फेंगशुई में पौधों को नौ आधारभूत सुरक्षा सावधानियों में से एक माना गया है, इसलिए घर के खाली हिस्सों में पौधे लगा देना चाहिए।

» चढ़ने वाली बेलें जिन्हें क्लाइंबर्स कहा जाता है जैसे- मनी प्लांट को कोने में लगाकर उस जगह की उदासीनता को कम किया जा सकता है।

» घर के दक्षिण-पूर्व कोने को धन और समृद्धि का कोना माना जाता है इसलिए यहां चौड़े पत्तियों वाले पौधे लगाना चाहिए।

» मुरझाए हुए या सूख गए पौधों को तुरंत हटा देना चाहिए, क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा फैलती है।

» घर के सामने वाले हिस्से में कांटेदार या नुकीले पत्तों वाले पौधे नहीं लगाना चाहिए। वे नकारात्मक ऊर्जा को सहयोग करते हैं।

» ये पौधे न सिर्फ आपके घर को बल्कि आपके जीवन को भी महकाते हैं और सबसे बड़ी बात कि इन्हें फॉलो करना बहुत कठिन भी नहीं है।

सलाह

करी पत्ते से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानते हैं आप?

करी पत्ते को मीठी नीम भी कहा जाता है। अक्सर खाने का जायका बढ़ाने के लिए घरों में करी पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। हमें दक्षिण भारत के व्यंजनों में ज्यादातर करी पत्ते का इस्तेमाल देखने को मिलता है करी पत्ता ना केवल खाने का स्वाद और खुशबू बढ़ाता है बल्कि इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। करी पत्ते में मौजूद पोषक तत्व शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। करी पत्ते में कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। करी पत्ते में विटामिन ए-सी-बी-ई, आयरन, कैल्शियम और फॉलिक एसिड की भरपूर मात्रा होती है। करी पत्ता बालों और त्वचा दोनों के लिए अच्छा माना जाता है।

करी पत्ते के ये फायदे जानकर हैरान हो जाएंगे आप

वजन घटाने में मददगार: अगर बढ़े हुए वजन से परेशान हैं तो अपने मेन्यू में करी पत्ते को शामिल करें। रोजाना करी पत्ते के सेवन से शरीर की जमी हुई चर्बी घटेगी और वजन आसानी से कम होगा।

लीवर दुरुस्त रखे : करी पत्ते में मौजूद विटामिन-ए और सी लीवर को तंदुरुस्त रखने में मदद करते हैं। अधिक मात्रा में स्मोकिंग करने या शराब पीने से लीवर कमजोर हो जाता है। ऐसे में करी पत्ता खाना फायदेमंद साबित हो सकता है।

दिल को रखे स्वस्थ : करी पत्ते के सेवन से आप दिल से जुड़ी बीमारियों से दूर रह सकते हैं। बता दें, करी पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट गुण शामिल होते हैं जो शरीर में खराब कोलेस्ट्राल को बढ़ने से रोकते हैं।

एनीमिया से बचाए : करी पत्ता आयरन और फॉलिक एसिड का अच्छा स्रोत है, जो एनीमिया के खतरे को कम करने में सहायक है।

डायबिटीज के लिए असरदार : करी पत्ते में एंटी डायबिटिक एजेंट होते हैं। इसके लगातार सेवन से शुगर लेवल को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। करी पत्ता इन्सुलिन को प्रभावित कर ब्लड-शुगर लेवल को कम करता है।

त्वचा, बालों के लिए फायदेमंद : करी पत्ता त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाता है। दाग-धब्बों और मुंहासों से निजात पाने के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल करें। करी पत्ते का फेस पैक लगाने से आप चेहरे की रंगत निखार सकते हैं।

अगर काले, लंबे और घने बालों का शौक रखती हैं तो करी पत्ते का इस्तेमाल करें। करी पत्ता बालों का झड़ना, रुसी और रुखापन कम करता है। करी पत्ते को उबालने के बाद हरे रंग के पानी से बालों की अच्छे से मालिश करें।

आंखों की रोशनी बरकरार रखे : करी पत्ते में भरपूर मात्रा में विटामिन-ए होता है, जो आंखों के लिए फायदेमंद होता है। करी पत्ते के लगातार सेवन से आंखों से जुड़ी बीमारियों से निजात मिल सकती है और आंखों की रोशनी भी बढ़ती है।

इंफेक्शन से बचाए : करी पत्ते में मौजूद एंटी ऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण त्वचा के लिए गुणकारी हैं। त्वचा में इंफेक्शन होने पर करी पत्ते का इस्तेमाल असरदार साबित होता है।

पाचन क्रिया स्वस्थ रखे : करी पत्ता पाचन संबंधी परेशानियों से छुटकारा दिलाने का बेहतरीन उपाय है। करी पत्ता कब्ज, अपच, बवासीर और डायरिया जैसी परेशानियों से आपको बचाता है।

बुलंदियों तक पहुँचायेगी अच्छी लीडरशिप की क्वालिटी

समय के साथ क्वालिटी लीडरशिप की डिमांड बढ़ती जा रही है। आप बिजनेस, टेक्नोलॉजी या फिर किसी भी फील्ड के लिए काम कर रहे हो, खुद में लीडरशिप स्किल को लाने की कोशिश करे। क्या पता आपकी यह खासियत आपको बुलंदी पर पहुंच दे। कुछ टिप्स को अपनाकर आप अच्छी लीडरशिप डेवलप कर सकते है।

लोगों को करे प्रभवित : अपनी बुद्धिमत्ता और तार्किकता के बल पर कंपनी को फायदा पहुंचना एक अच्छे लीडर की निशानी होती है। आप अपने कार्य और व्यवहार से लोगों को प्रभावित करने की कोशिश करे। एक्सपर्ट मानते है की लीडरशिप एक आर्ट है और इसे भी निखारा जा सकता है। सभी लोग जन्मजात स्टार नहीं होते, लेकिन लीडरशिप टूल्स का उपयोग कर अपने टैलेंट को निखारते रहते है और लोगो के लिए रोल मॉडल बन जाते है।

सीखने के लिए तैयार रहे: एक अच्छा लीडर हमेशा सीखने को तैयार रहता है। यहीं कारण है कि वह हमेशा खुद को अप टू डेट रखता है। एक स्मार्ट लीडर वर्तमान से संतुष्ट रहते हुए भी नई चीजों के लिए तैयार रहता है। वह अपनी टीम को भी यही सीख देता है।

टीम का हौसला बढ़ायें : एक अच्छा टीम लीडर हमेशा अपनी टीम का सपोर्ट करता है और टीम मेंबर्स का हौसला बढ़ाता है। विपरीत परिस्थिति में टीम से खुलकर बात करता है और खुलकर बात करने का मौका भी देता है। एक्सपर्ट की माने तो लीडरशिप का सही मतलब असर डालना, दिशा दिखाना और हमेशा सपोर्ट करना है, न कि चीजों को कंट्रोल करना।

पारदर्शिता रखें : अच्छे लीडर को कार्य एवं व्यहार में पारदर्शिता दिखने कि जरूरत होती है। अपने काम के प्रति लीडर को हमेशा ईमानदारी और लगन दिखाने की जरूरत होती है। इससे वह टीम का भरोसा एवं दुसरो के लिए मानक भी स्थापित कर पता है।

जूनियर्स को सम्मान दे: जब कंपनी आपको लीडरशिप का मौका देती है, तो वह चाहती की आप उसके लिए हर तरीके से बेहतर साबित हो। इसलिए अपने जूनियर्स को सम्मान दे और आप खुद अहंकार को न बढ़ने दे।

सहयोग के लिए तैयार रहे : वर्क पैलेस पर आपकी जिम्मेदारी और जबाबदेही बनती है की आप सहयोग की भावना से काम करें। इसके साथ ही आपको स्ट्रांग लीडरशिप की कला से खुद को सजाना ही होगा।

व्यवसाय को इस प्रकार बनाये लाभकारी

कारोबार बढ़ाने में भी वास्तु के उपाय बेहद लाभदायक होते हैं। कार्यालय वह जगह है जहां लोग पेशेवर ढंग से अपने पेशे और व्यापार के लिए लक्षित होकर काम करते हैं। यह जगह धन सृजन के साथ-साथ प्रतिष्ठा और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति की जगहहै। सैद्धांतिक तैर पर ऑफिस को सकारात्मक उर्जा से भरा होना चाहिए, माहौल में रौशनी की अधिकता होनी चाहिए, साथ इसका डिजायन भी आकर्षक और सुविधाजनक होना चाहिए। भारतीय वास्तुशास्त्रों में ऑफिस को व्यवसाय स्थल, कार्यस्थान या कार्यालय कहा गया है और अनेक विस्तृत उपायों की चर्चा की गई, जिसे अपना कर लाभ उठाया जा सकता है।

भारतीय वास्तुशास्त्रों के अनुसार कार्यालय की बिल्डिंग के लिए उसका प्लॉट चौकोर या आयताकार होना सबसे लाभकारी होता है। अनियमित आकार के भूखंडों से बचने का सुझाव इन ग्रंथों में दिया गया है। कार्यालय के बॉस या कंपनी के मालिक के बैठने का स्थान ऐसा होना चाहिए, जहां किसी आगंतुक की दृष्टि सीधे उसपे न पड़े। इसके लिए ग्रंथों में दक्षिण-पश्चिम कोने में केबिन बनाने का सुझाव दिया गया है और उनका मुख उत्तर दिशा की और सर्वोत्तम माना गया है। कार्यालय के सीनियर स्टाफ के लिए दक्षिण और पश्चिम में बैठना काफी वास्तुसम्मत माना गया है। साथ ही यह भी सुझाव है कि जब वे दक्षिण में बैठे हों, उनका मुख उत्तर की ओर होना चाहिए और पश्चिम में बैठते समय पूर्व का सामना करना चाहिए. जबकि ऑफिस के जूनियर स्टाफ के लिए पूर्व और उत्तरी भाग की जगह सर्वोत्तम मानी गई है।

रेसिपी

चटपटे राम लड्डू

सामग्री

200 ग्राम अंकुरित मूंग दाल, 60 ग्राम अंकुरित चना दाल, पानी, 2 टीस्पून भूना हुआ जीरा, 1 टेबलस्पून अदरक का पेस्ट, 1 टेबलस्पून धनिया, 1/8 टीस्पून हींग,1/2 टीस्पून लाल मिर्च, 1/4 टीस्पून बेकिंग सोडा, 1 टीस्पून नमक, हरी चटनी स्वादअनुसार, इमली की चटनी, मूली, धनिया, चाट मसाला

विधि

मूंग दाल और चने की दाल को 3-4 घंटों के लिए पानी में भिगोकर रखें। ब्लेंडर में दोनों दालों को डालकर पीसकर पेस्ट तैयार कर लें और फिर इसे एक बाउल में निकाल लें। अब इसमें जीरा, अदरक का पेस्ट, धनिया, हींग, लाल मिर्च, बेकिंग सोडा और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। एक पैन में तेल गर्म करें। अब इसे पकौड़ों की तरह फ्राई कर लें। इन्हें तबतक फ्राई करें जब तक इसका रंग गोल्डन न हो जाएं। अब तैयार किए लड्डू पर हरी चटनी, इमली की चटनी, मूली और धनिए के साथ गार्निश करें। फिर थोड़ा सा चाट मसाला छिड़क कर सर्व करें।

कॉर्न चीज़ बॉल्स

साम्रगी

170 ग्राम उबले हुए आलू, 220 ग्राम स्वीट कॉर्न, 70 ग्राम मोत्ज़ारेला पनीर, 1 टेबलस्पून मैदा, 1 1/2 टेबलस्पून कॉर्न फ्लोर, 1 टीस्पून लाल मिर्च, 1 1/2 टीस्पून गर्म मसाला, 3/4 टीस्पून काली मिर्च, 1/2 टीस्पून अजवायन की पत्ती, 1/2 टीस्पून नमक, मैदा, पानी, ब्रेडम्ब्स

विधि

एक बाउल में उबले हुए आलू और स्वीट कॉर्न डालकर अच्छे से मैश करें। अब इसमें मोत्ज़ारेला पनीर, मैदा,कॉर्न फ्लोर, लाल मिर्च, गरम मसाला, काली मिर्च, अजवायन की पत्ती और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। थोड़ा-सा मिक्सर लेकर छोटी-छोटी बॉल्स बनाकर साइड पर रख दें। एक अन्य बाउल में मैदा और पानी डालकर घोल तैयार कर लें। तैयार की बाउल में को मैदे के मिक्सर में डिप करके ब्रेडक्रम्ब्स में रोल करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करके बाउल्स को फ्राई कर लें। कॉर्न चीज़ बॉल्स तैयार है। इन्हें गर्मा-गर्म सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. ईंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)